धनबाद
शनिवार 14.12.2024
मूल्य- ₹ 1.50
वर्ष-30 अंक-290 पृष्ठ- 12
अग्रहन शुक्ल पक्ष-13
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑबजर्वर

महाकुंभ एकता का महायज्ञ है: प्रधानमंत्री

5,500 करोड़ की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया

प्रयागराज (ईएमएस): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रयागराज में विश्व के सबसे बड़े सांस्कृतिक समागम के रूप में महाकुंभ की सफलता के लिए कुंभ कलश का पूजन किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने महाकुंभ २०२५ के लिए विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन किया। पीएम ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि महाकुंभ एकता का महाकुंभ है जो दुनिया को संदेश देगा। महाकुंभ हजारों वर्ष पहले से चली आ रही हमारे देश की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक यात्रा का पुण्य और जीवंत प्रतीक है। यह एक ऐसा आयोजन है जहां हर बार धर्म, ज्ञान, भक्ति और कला का दिव्य समागम होता है।

पीएम मोदी ने संगम को प्रणाम करते हुए कहा कि यहां दिन रात काम कर रहे कर्मचारियों और सफाई कर्मियों का अभिनंदन करता हूं। विश्व का इतना बड़ा आयोजन, हर रोज लाखों श्रद्धालुओं के स्वागत और सेवा की तैयारी और लगातार ४५ दिनों तक चलने वाला महाकुंभ नया इतिहास रच रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि गांवों, कस्बों, शहरों से लोग प्रयागराज की ओर निकल पड़ते हैं। सामूहिकता की ऐसी शक्ति, ऐसा समागम शायद ही कहीं ओर देखने को मिले। यहां आकर संत-महंत, ऋषि-मुनि, ज्ञानी-विद्वान, सामान्य मानवी सब एक हो जाते हैं, सब एक साथ त्रिवेणी में डुबकी लगाते हैं। यहां जातियों का भेद खत्म हो जाता है, सम्प्रदायों का टकराव मिट जाता है। करोड़ों लोग एक ध्येय, एक विचार से जुड़ जाते हैं। कुंभ जैसे भव्य और दिव्य आयोजन को सफल बनाने में स्वच्छता की बहुत बड़ी भूमिका है। महाकुंभ की तैयारियों के लिए नमामि गंगे कार्यक्रम को तेजी से आगे बढ़ाया गया है, प्रयागराज शहर के सैनिटेशन और वेस्ट मैनेजमेंट पर फोकस किया गया है। लोगों को जागरूक करने के लिए गंगादूत, गंगा प्रहरी और गंगा मित्रों की नियुक्ति की गई है। इस बार १५ हजार से ज्यादा मेरे सफाईकर्मी भाई-बहन कुंभ की स्वच्छता को संभालने वाले हैं। मैं आज कुंभ की तैयारी में जुटे अपने सफाईकर्मी भाई-बहनों का अग्रिम आभार भी व्यक्त करता हूं।

प्रधानमंत्री ५५०० करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद यहां एक सार्वजनिक सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने २०२५ के महाकुंभ मेले के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार के उद्देश्य से ५,५०० करोड़ रुपये की १६७ प्रमुख विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने भारद्वाज आश्रम गलियारा, श्रृंगवेरपुर धाम गलियारा, अक्षयवट गलियारा, हनुमान मंदिर गलियारा का उद्घाटन भी किया। इन परियोजनाओं से श्रद्धालुओं की पहुंच आसान होगी और आध्यात्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा ▶▶ 8

आज राज्यों के मुख्य सचिवों के साथ पीएम की बैठक झारखंड की मुख्य सचिव अलका तिवारी होंगी शामिल

रांची (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज शुक्रवार को दिल्ली में सभी राज्यों के मुख्य सचिवों और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे. झारखंड की मुख्य सचिव अलका तिवारी समेत राज्य के अन्य अधिकारी इस सम्मेलन में हिस्सा लेंगे.

पीएम की अध्यक्षता में होनेवाली इस बैठक में पीएम केंद्र प्रायोजित योजनाओं को लेकर अधिकारियों के साथ समीक्षा करेंगे.यह बैठक हर साल आयोजित की जाती है, जिसमें केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर चर्चा होती है. प्रधानमंत्री मुख्य सचिव सम्मेलन को संबोधित करेंगे, इसके बाद केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के अधिकारी अपनी बात रखेंगे. यह महत्वपूर्ण बैठक आज शाम होगी.

मुख्य सचिव सम्मेलन का आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संघीय शासन प्रणाली को मजबूत बनाने और केंद्र व राज्य सरकारों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने के उद्देश्य से शुरू किया था. इस बैठक का मकसद केंद्र सरकार की योजनाओं को प्रभावी तरीके से लागू करना और राज्यों की अपेक्षाओं और जरूरतों को समझना है.

केंद्र प्रायोजित योजनाओं का क्रियान्वयन: राज्यों में योजनाओं की प्रगति और उन्हें प्रभावी रूप से लागू करने के तरीके पर चर्चा. समन्वय की कमी के कारण उत्पन्न समस्याओं का समाधान.

राजस्व वृद्धि पर चर्चा: राज्य सरकारें केंद्र से किस प्रकार सहयोग की अपेक्षा रखती हैं, इस पर विचार. राज्यों की राजस्व बढ़ाने की योजनाओं और केंद्र के सहयोग के पहलुओं पर चर्चा.

बेहतर कनेक्टिविटी और पर्यटन का विकास: देश में बेहतर कनेक्टिविटी के लिए ठोस कदम उठाने पर चर्चा. पर्यटन क्षेत्र के समग्र विकास को प्राथमिकता. मुख्य सचिव सम्मेलन केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर संबंध बनाने और शासन प्रणाली को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. इससे केंद्र और राज्य सरकारों के बीच संवाद और सहयोग को बढ़ावा मिलता है, जिससे नीतियों और योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित होता है.

सुरक्षाबलों ने 2 नक्सली मार गिराए

बीजापुर (ईएमएस): छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों ने दो नक्सलियों को मार गिराया है। दोनों के शव को बरामद कर लिया गया है। पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। दोनों तरफ से अब भी फायरिंग जारी है। मामला जिले के बासागुड़ा थाना क्षेत्र का है। पुलिस को सूचना मिली थी कि नेंड्रा के जंगल मे भारी संख्या में नक्सली मौजूद हैं, जिसके आधार पर बीजापुर से डीआरजी और सीपीआरएफ के जवानों को मौके के लिए निकाला गया था। आज सुबह जवान इलाके के जंगल पहुंचे, तो नक्सलियों ने फायर खोल दिया। वहीं जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई की।

सीएम हेमंत सोरेन ने पत्नी संग बाबा बैद्यनाथ धाम में की पूजा, राज्यवासियों की खुशहाली की कामना की

देवघर (एजेंसी): मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी धर्मपत्नी व विधायक कल्पना सोरेन ने आज देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम मंदिर में पूजा-अर्चना की. तीर्थ पुरोहितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूरे विधि-विधान के साथ संपन्न कराया. मुख्यमंत्री और विधायक ने भोलेनाथ का जलाभिषेक कर झारखंड की सुख-समृद्धि, उन्नति और खुशहाली के लिए कामना की.

देवघर एयरपोर्ट पर सीएम का भव्य स्वागत, गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया

देवघर एयरपोर्ट पर हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन का भव्य स्वागत किया गया. मौके पर सारठ के विधायक उदय शंकर सिंह, संथाल परगना कमिश्नर लालचंद दादेल, संथाल परगना आईजी क्रांति कुमार, डीआईजी संजीव कुमार, उपायुक्त विशाल सागर और पुलिस अधीक्षक अजीत पीटर डुंगडुंग ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया. एयरपोर्ट परिसर में जिला प्रशासन ने मुख्यमंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर दिया. मुख्यमंत्री का यह दौरा झारखंड वासियों के लिए विशेष महत्व रखता है.

दो दिवसीय संथाल परगना दौरे पर सीएम हेमंत

बता दें कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन दो दिवसीय संथाल परगना दौरे पर हैं. सीएम का यह दौरा धार्मिक, प्रशासनिक और राजनीतिक दृष्टिकोण से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है. इसे इसलिए भी खास माना जा है, क्योंकि नई सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री का यह पहला संथाल परगना दौरा है.

वन नेशन, वन इलेक्शन संविधान की हत्या: झामुमो

रांची (एजेंसी): झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) ने केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित वन नेशन, वन इलेक्शन (एक देश, एक चुनाव) योजना की कड़ी आलोचना की है. पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने इसे संविधान और लोकतंत्र के खिलाफ बताया.

संविधान और लोकतंत्र पर हमला

सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि वन नेशन, वन इलेक्शन का निर्णय भारत के संघीय ढांचे और संविधान की बुनियादी संरचना पर सीधा हमला है. उन्होंने कहा कि इस योजना से भारत गणराज्य की लोकतांत्रिक परिकल्पना खतरे में पड़ जाएगी. जेएमएम प्रवक्ता ने इसे संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की विचारधारा की हत्या करार दिया.

उन्होंने संविधान के अनुच्छेद ३६८ का हवाला देते हुए कहा कि कोई भी संशोधन संविधान की मूलभूत संरचना को प्रभावित नहीं कर सकता. इस योजना के लागू होने से संविधान के अनुच्छेद ३३३, जो न्यूनतम विधानसभा और कैबिनेट की संरचना तय करता है का उल्लंघन होगा.

सुप्रियो ने कहा कि राज्यों की स्वायत्तता और संघीय ढांचे पर वन नेशन, वन इलेक्शन से आघात पहुंचेगा. यह योजना क्षेत्रीय दलों को खत्म करने और केंद्र सरकार की सत्ता को मजबूत करने की साजिश है. उन्होंने आरोप लगाया कि यह कदम आरएसएस की विचारधारा को थोपने का प्रयास है, जो २०२५ में अपनी स्थापना के १०० वर्ष पूरे करने की तैयारी कर रहा है.

लोकतंत्र और विपक्ष पर सवाल

जेएमएम ने भाजपा पर लोकतंत्र विरोधी ताकत होने का आरोप लगाया. उन्होंने ▶▶ 8

विवादित बयान देने वाले जज के खिलाफ राज्यसभा में महाभियोग प्रस्ताव पेश

नई दिल्ली (ईएमएस): देश तो बहुसंख्यक से चलेगा कहने वाले और कठमुल्ला शब्द का इस्तेमाल करने वाले इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस शेखर यादव के खिलाफ विपक्षी सांसदों ने शुक्रवार को राज्यसभा में महाभियोग प्रस्ताव पेश किया और उन्हें हटाने की मांग की। समाजवादी पार्टी के सांसद कपिल सिब्बल और कांग्रेस सांसद विवेक तन्खा के नेतृत्व में सांसदों ने शुक्रवार को राज्यसभा महासचिव को महाभियोग का नोटिस सौंपा। करीब ५५ सांसदों के हस्ताक्षर वाले इस प्रस्ताव पर संसद के शीतकालीन सत्र के खत्म होने से पहले चर्चा होने की उम्मीद है। प्रस्ताव में कांग्रेस, सपा और अन्य विपक्षी सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं। इस प्रस्ताव में यह भी उल्लेख किया गया है कि जस्टिस यादव ने प्रथम दृष्टया यह दिखाया कि उन्होंने अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया और उनके खिलाफ पूर्वाग्रह और पक्षपात जाहिर किया। जस्टिस शेखर कुमार यादव के द्वारा दिए गए विवादित बयान पर सुप्रीम कोर्ट ने संज्ञान लिया है। कोर्ट ने कहा कि मामला विचाराधीन है। हाईकोर्ट से विस्तृत जानकारी मांगी गई है।

पुष्पा फेम अल्लू अर्जुन को मिली जमानत, जेल से बाहर आने का रास्ता साफ

हैदराबाद (ईएमएस): तेलंगाना हाईकोर्ट ने अभिनेता अल्लू अर्जुन को बड़ी राहत देते हुए अंतरिम जमानत दे दी है। यह फैसला फिल्म पुष्पा २ की स्क्रीनिंग के दौरान हुई महिला की मौत के मामले में सुनाया गया है। कोर्ट के इस आदेश के बाद अभिनेता के जेल से बाहर आने का रास्ता साफ हो गया है। गौरतलब है कि पुष्पा २ की स्क्रीनिंग के दौरान एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। इस घटना ने विवाद खड़ा कर दिया, और इसे लेकर अल्लू अर्जुन पर सवाल उठाए गए। आरोप था कि फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान सुरक्षा प्रबंधन में लापरवाही बरती गई, जिसके चलते यह हादसा हुआ।

महुआ के जज लोया की मौत का जिक्र करने से लोकसभा में हंगामा

नई दिल्ली (ईएमएस): तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने शुक्रवार को लोकसभा में जज लोया (बृजगोपाल हरकिशन लोया) की मौत का जिक्र किया. इस पर सत्ता पक्ष के सदस्यों ने कड़ी आपत्ति की. संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने महुआ के बयान का कड़ा विरोध करते हुए कार्रवाई की चेतावनी दी. महुआ मोइत्रा ने सदन में 'संविधान के ७५ वर्षों की गौरवशाली यात्रा पर चर्चा में भाग लेते हुए केंद्र सरकार पर संविधान को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा, ''पिछले दस साल में राजनीतिक ओहदेदारों ने लोकतंत्र को क्रमिक तरीके से नुकसान पहुंचाया है.

महुआ ने इसी क्रम में आज सदन में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के भाषण का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने १९७६ के दशक में कांग्रेस के शासनकाल में जस्टिस एचआर खन्ना से जुड़े घटनाक्रम का उल्लेख किया था. उन्होंने कहा, ''मैं सभी को याद दिलाना चाहती हूं कि न्यायमूर्ति खन्ना १९७६ के बाद भी ३२ साल तक रहे जिसमें अधिकतर समय कांग्रेस की सरकार थी और उन्होंने अपनी आत्मकथा भी लिखी. मोइत्रा ने एक अन्य ▶▶ 8

सुप्रीम कोर्ट की किसानों को गांधीवादी तरीका अपनाने की सलाह

कहा- अस्थायी रूप से बंद करें प्रदर्शन

नई दिल्ली (ईएमएस): सुप्रीम कोर्ट ने प्रदर्शन कर रहे किसानों से गांधीवादी तरीका अपनाने की सलाह दी है। साथ ही अस्थायी रूप से विरोध प्रदर्शन स्थगित करने और राजमार्गों से हटने को कहा है। इसके अलावा, शीर्ष अदालत ने पंजाब के किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की बिगड़ती सेहत पर चिंता जताई है। बता दें, डल्लेवाल आमरण अनशन पर हैं। अदालत ने पंजाब और केंद्र से किसान नेता को तुरंत चिकित्सा सहायता मुहैया कराने और उन्हें आमरण अनशन तोड़ने के लिए मनाने को कहा। इसके अलावा, सरकार के प्रतिनिधियों से डल्लेवाल से तुरंत मिलने को कहा, लेकिन उनके विरोध को तोड़ने के लिए किसी भी तरह के बल का इस्तेमाल करने के खिलाफ चेतावनी दी।

26 नवंबर से अनशन पर हैं किसान नेता

बता दें, डल्लेवाल फसलों पर एमएसपी की कानूनी गारंटी सहित आंदोलनकारी किसानों की मांगों के समर्थन में केंद्र पर दबाव बनाने के लिए २६ नवंबर से पंजाब और हरियाणा के बीच खनौरी सीमा पर आमरण अनशन पर हैं।

भारत ने हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों की मारक दूरी बढ़ाने की तकनीक हासिल की

नई दिल्ली (ईएमएस): भारत ने हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों की मारक दूरी बढ़ाने की तकनीक हासिल कर ली है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने ओडिशा तट पर चांदीपुर के एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) में सॉलिड फ्यूल डक्टेड रैमजेट (एसएफडीआर) का अंतिम परीक्षण किया, जो पूरी तरह सफल रहा है। स्वदेशी रूप से विकसित यह तकनीक भारत को लंबी दूरी की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल विकसित करने में मदद करेगी।

डीआरडीओ के मुताबिक सॉलिड फ्यूल डक्टेड रैमजेट (एसएफडीआर) प्रणोदन आधारित मिसाइल प्रणाली का अंतिम प्रायोगिक परीक्षण सफल रहा है। ओडिशा तट पर चांदीपुर के एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) से किये गए परीक्षण में इस्तेमाल की गई जटिल मिसाइल प्रणाली ने सफलतापूर्वक प्रदर्शन करके मिशन के सभी उद्देश्यों को पूरा किया। आईटीआर में तैनात टेलीमेट्री, रडार और इलेक्ट्रो ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम जैसे कई रेंज इंस्ट्रूमेंट्स ने इस प्रणाली के सफल प्रदर्शन को पुष्ट किया। एसएफडीआर को हैदराबाद की रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला ने डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं जैसे हैदराबाद की अनुसंधान केंद्र इमारत और पुणे की उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला के सहयोग से विकसित किया गया है।

एसएफडीआर का विकास २०१३ में शुरू हुआ और वास्तविक प्रदर्शन शुरू करने के लिए पांच साल की समय सीमा तय की गई। मिसाइल का ग्राउंड आधारित परीक्षण २०१७ में शुरू हुआ था। सॉलिड फ्यूल डक्टेड रैमजेट का पहला परीक्षण ३० मई, २०१८ को किया गया था। इस परीक्षण के जरिये भारत ने पहली बार नोजल-कम बूस्टर का प्रदर्शन किया। ▶▶ 8

बैंकमोड़ ओवरब्रिज बंद होने पर होनेवाले महाजाम से बचाएं सीएम और डीसी : वालिया

लाखों लोग हर दिन ओवरब्रिज से जाते हैं कोयला भवन, कोर्ट और दिल्ली-कोलकाता

धनबाद (कासं): झारखण्ड मुक्ति मोर्चा यू के धनबाद महानगर अध्यक्ष जे.पी.वालिया ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और धनबाद के उपायुक्त माधवी मिश्रा को पत्र देकर कहा है कि धनबाद बैंकमोड़ से गया रेल पुल रांगाटांड़ धनबाद स्टेशन जानेवाली ओवरब्रिज को डेढ़ महीने के लिए मरम्मत करने के लिए ओवरब्रिज पुल से आवागमन १५ दिसम्बर २०२४ से बंद करने की खबर अखबारों में आ रही है।

पहले तीन दिन के इस ब्रिज के बंदी से हुए महाजाम से त्राहि-त्राहि कर उठा था धनबाद

चूकि यह पुल क्षतिग्रस्त हो चुका है। निर्माण कार्य होना है मगर ट्रॉफिक व्यवस्था को देखते हुए महाजाम की स्थिति धनबाद बैंकमोड़ से लेकर पुराना बाजार, मनईटांड़, बरमसिया, हीरापुर और हरिमंदिर रोड, लिन्डसे क्लब रोड, हनुमान मंदिर रणधीर वर्मा चौक मोड़ जाने का रास्ता पूरी तरह से महाजाम का शिकार हो जाएगा।

धनबाद का मुख्य केन्द्र कोर्ट हीरापुर में है, रजिस्ट्री कार्यालय, जीएसटी कार्यालय से लेकर बड़ा पोस्ट ऑफिस उपायुक्त कार्यालय से लेकर कोयला भवन, डीजीएमएस और केन्द्रीय कार्यालय में लाखों लोग झरिया, केन्दुआ, डिगवाडीह, धनबाद शास्त्रीनगर, मटकुरिया, जोड़ाफाटक रोड आधी से अधिक आबादी प्रतिदिन लाखों लोग अपने विभिन्न वाहनों से बैंकमोड़ ओवरब्रिज से रेलवे लाईन, रांगाटांड़ रेल अंडरपास से होते हुए स्टेशन, हीरापुर और गोविन्दपुर, कलकता, औरंगाबाद और दिल्ली के लिए प्रस्थान करते हैं। इतने सारे वाहनों का लोड वैकल्पिक रोड मनईटांड़, बरमसिया, हीरापुर का रास्ता नहीं संभाल सकता है क्योंकि पहले भी ओवरब्रिज की मरम्मति के लिए तीन दिनों के लिए तीन वर्ष पूर्व बंद किया गया था उस दौरान पुलिस प्रशासन और ट्रॉफिक पुलिस ने देखा था महाजाम का तांडव। कैसे बीमार लोग एंबुलेंस में तड़प रहे थे और स्कूली बच्चे जाम में फंसे कराह रहे थे। यही नहीं महाजाम का दृश्य हमने भी देखा है।

स्कूटर और बाईक को हावड़ा मोटर से हीरापुर आने में पांच घंटे जाम में लगते थे। उन्होंने मुख्यमंत्री और उपायुक्त से कहा है कि जब तक कोई ठोस वैकिल्कप व्यवस्था बैंकमोड़ से स्टेशन रोड जाने का नहीं हो जाता तब तक बैंकमोड़ ओवरब्रिजी के रास्ते को चालू रखा जाय।

पुलिस ने एक ट्रक अवैध शराब किया जब्त

गोविंदपुर (ससे) : वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गोविंदपुर थाना की पुलिस ने गुरुवार रात गोविंदपुर थाना के समय जीटी रोड पर एक ट्रक अवैध शराब जब्त किया। नगर पुलिस अधीक्षक अजीत कुमार एवं पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय १ शंकर कामती ने शुक्रवार को पत्रकारों को बताया कि शराब तस्करी के खिलाफ धनबाद पुलिस की यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। श्री कुमार ने कहा कि जीटी रोड होकर शराब समेत और प्रतिबंध वस्तुओं की तस्करी के खिलाफ पुलिस का अभियान आगे भी जारी रहेगा। श्री कुमार ने बताया कि वरीय पुलिस अधीक्षक से सूचना मिलने के बाद पुलिस इंस्पेक्टर रुस्तम अली के नेतृत्व में गोविंदपुर थाना के सामने गुरुवार रात सघन चेकिंग अभियान शुरू किया गया।

इस दौरान निरसा की ओर से आ रही टाटा ट्रक संख्या बीआर ०१ जी १५५२ को पुलिस ने संदेह के आधार पर पकड़ा। इसमें २९५ पेटी अवैध शराब रखकर ऊपर और नीचे १२ बोरी मुढ़ी एवं ८१ सफेद बोरी कुरकुरे जैसे खाद्य पदार्थ रख दिया गया था, ताकि जांच में किसी को भी पता चले कि इस ट्रक पर कुरकुरे एवं मुढ़ी लदा हुआ है। पुलिस को देखकर चालक बलवीर सिंह भागने की कोशिश करने लगा। इस बीच पुलिस दल ने उसे खदेड़ कर पकड़ लिया। चालक बलवीर सिंह ने पुलिस को कोई कागज नहीं दिखाया।

पुलिस ने उसे कागज प्रस्तुत करने का मौका दिया, परंतु कोई कागज दिखने में वह असमर्थ रहा। इसके बाद पुलिस ने चालक को गिरफ्तार कर लिया और ट्रक को थाना में लगा दिया। ट्रक पर इम्पिरियल ब्लू ओन्ली फॉर सेल इन पंजाब लिखा हुआ अवैध शराब जब्त किया। इसमें ३७५ एमएल का इम्पिरियल ब्लू लिखा हुआ विदेशी शराब २२५ पेटी, ७५० एमएल का इम्पिरियल ब्लू लिखा हुआ ४६ पेटी तथा १८० एमएल का इम्पिरियल ब्लू लिखा हुआ विदेशी शराब २४ पेटी कुल २९५ पेटी में टोटल ७००० बोतल शराब है। इसके अलावा आशीर्वाद मूवी लिखा हुआ सफेद बोरी में १२ बोरा मुढ़ी, कुरकुरे जैसे खाद्य पदार्थ ८२ सफेद बोरी तथा काला रंग का वीवो कंपनी का एंड्राइड मोबाइल पुलिस ने जब्त किया।

नगर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस संबंध में गोविंदपुर थाना कांड संख्या ३१५/२०२४ दिनांक १२.१२.२०२४ धारा २७४, २७५, २९३, ३०३(२) ३१७ (२) बीएनएस २०२३ एवं ४७(ए) उत्पाद अधिनियम के तहत कांड अंकित किया गया है।

छापामारी दल में पुलिस अवर निरीक्षक दिनेश प्रसाद मेहता, बिरजू राम, शैलेंद्र कुमार, गुरु दयाल सबर, मैथ्यू एक्का, तुफैल खान एवं गौरव कुमार शामिल थे।

साइबर पुलिस ने तीन को किया गिरफ्तार

धनबाद (कासं) : अगर आप लोन ले रहे हैं तो आप सतर्कता बरतें। क्योंकि आप जो लोन लेने जा रहें उसपर साइबर ठग की भी कड़ी निगाह है। धनबाद साइबर पुलिस ने तीन ऐसे साइबर क्रिमनल को पकड़ा है जो कि विभिन्न कम्पनियों से ऑनलाइन लोन दिलाने के लिए प्रोसेसिंग फीस एवं अन्य तरह के चार्ज बताकर लोगों से पैसे की ठगी करते थे।

आधुनिकता के इस दौर में जहाँ टेक्नोलोजी बढ़ी है तो वही टेक्नोलोजी को हथियार बनाकर साइबर क्रिमिनल भी बारीकी के साथ अपराध को अंजाम देकर लोगों से पैसा ठग रहे हैं। धनबाद से गिरफ्तार तीन साइबर अपराधी सोनू पासवान, बसंत और भरत जो कि धनबाद के एक किराये के फ्लैट में रहकर ऑनलाइन ठगी कर रहे थे। अपराधियों में बसंत और भरत दोनों सगे भाई हैं और बेंगलौर के निवासी है जो कि कन्नड़ और अंग्रेजी भाषा में लोगों को बातचीत में झांसे में लेते थे। एक तीसरा अपराधी सोनू पासवान बिहार का रहनेवाला है। तीनों एक फ्लैट में किराया पर रह रहे थे। पुलिस ने छापामारी कर गिरफ्तार किया। प्रतिबिंब ऐप के माध्यम से गिरफ्तारी हुई।

साइबर डीएसपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी देते हुए बताया कि इनके सरगना का मास्टर माइंड धनबाद के धनसार का रहनेवाला छोटू है जो कि स्थानीय भाषा में बातचीत करने हेतु विभिन्न राज्यों के साइबर क्रीमनल को भाड़ा के मकान में आश्रय मासिक वेतन पर रखकर साइबर अपराध का गिरोह चलाता है। उपरोक्त बातें संजीव कुमार, साइबर डीएसपी ने एक प्रेस वार्ता कर बताया।

उपायुक्त ने की परीक्षा केन्द्र चयन समिति की बैठक

धनबाद (कासं) : वार्षिक माध्यमिक एवं इंटरमीडिएट (कला, विज्ञान एवं वाणिज्य) परीक्षा, २०२५ के लिए परीक्षा केन्द्रों तथा मूल्यांकन केन्द्रों के चयन से संबंधित परीक्षा केन्द्र चयन समिति की बैठक शुक्रवार को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभागार में किया गया।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने उपर्युक्त विषय के संबंध में बताया कि वार्षिक माध्यमिक एवं इंटरमीडिएट (कला, विज्ञान एवं वाणिज्य) परीक्षा, २०२५ फरवरी माह के द्वितीय सप्ताह से प्रारम्भ होने की सम्भावना है। परीक्षा के आयोजन हेतु पूर्व के वर्षों की भाँति जिलों में परीक्षा केन्द्रों का निर्धारण ससमय किया जाना आवश्यक है।

उन्होंने बताया कि विगत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी परीक्षा का संचालन जिला प्रशासन की देखरेख में ही किया जाना है।

परीक्षा केन्द्र का निर्धारण परीक्षा संचालन की प्रक्रिया का सबसे प्रथम और महत्वपूर्ण कार्य है, क्योंकि सही स्थान पर परीक्षा केन्द्र बनाने एवं प्रत्येक केन्द्र के साथ सुव्यवस्थित ढंग से विद्यालय/महाविद्यालयों को सम्बद्ध करने से ही परीक्षा संबंधित बहुत सी समस्याओं का समाधान हो जाता है, और कदाचार रहित परीक्षा का संचालन भी इससे सुनिश्चित होता है।

इस दौरान विधायक टुंडी मथुरा प्रसाद महतो, सांसद प्रतिनिधि धनबाद, विधायक प्रतिनिधि झरिया, विधायक प्रतिनिधि धनबाद, विधायक प्रतिनिधि बाघमारा समेत अन्य प्रतिनिधियों द्वारा विद्यालय के चयन में परिवहन व्यवस्था के मद्देनजर दूरी को ध्यान में रखते हुए चयन करने हेतु प्रस्ताव दिए। जिसे लेकर उपायुक्त ने जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने सभी नए सेंटरों का निरीक्षण करने हेतु संबंधित प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि सेंटरों का निरीक्षण कर मूलभूत सुविधाएं यथा पानी, शौचालय, बिजली आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

बैठक में एडीएम लॉ एंड आर्डर पीयूष सिन्हा, एसडीएम राजेश कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी निशु कुमारी, जिला शिक्षा अधीक्षक आयुष कुमार समेत सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, सांसद प्रतिनिधि एवं विधायक प्रतिनिधि एवं अन्य मौजूद रहें।

बीसीसीएल में सुरक्षा समिति का प्रशिक्षण कार्यक्रम

धनबाद (कासं) : भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) के मानव संसाधन विकास विभाग, कल्याण भवन, जगजीवन नगर, धनबाद में ११ से १३ दिसंबर तक सुरक्षा समिति के सदस्यों के लिए एक ३ दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस प्रशिक्षण में बीसीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों एवं कोलियरियों से फोरमैन, सुपरवाइजर, ओवरमैन, फिटर, इलेक्ट्रीशियन, ऑपरेटर आदि सहित कुल ३६ प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों को सुरक्षा मानकों, मशीनरी संचालन में सावधानियों, विद्युत सुरक्षा, जोखिम मूल्यांकन, व्यावसायिक स्वास्थ्य, और सुरक्षा निरीक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी प्रदान करना था। यह कार्यक्रम सुरक्षा समिति को सशक्त बनाने और सुरक्षित उत्पादन एवं मशीनरी संचालन में सुधार के लक्ष्य को ध्यान में रखकर आयोजित किया गया।

इस अवसर पर महानिदेशक खदान सुरक्षा (डीजीएमएस) के अधिकारियों द्वारा विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए। डीजीएमएस के रोपेश मेहता, डीडीएमएस (इलेक्ट्रिकल), एवं पी. बालकृष्ण डीएमएस (मैकेनिकल) ने अपने व्याख्यानों में सुरक्षा प्रबंधन और औद्योगिक सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। उनके अनुभवों और मार्गदर्शन ने प्रतिभागियों को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया।

कार्यक्रम का समन्वयन आर. एन. विश्वकर्मा, मुख्य प्रबंधक (मानव संसाधन विकास), द्वारा किया गया। डीजीएमएस के अधिकारियों ने बीसीसीएल द्वारा इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन को सराहा और इसे खनन उद्योग में सुरक्षा संस्कृति को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

यह कार्यक्रम न केवल सुरक्षा समिति को प्रोत्साहित करने का एक माध्यम बना, बल्कि बीसीसीएल की प्रतिबद्धता को भी दर्शाया कि वह अपने कर्मचारियों के लिए सुरक्षित और स्वस्थ कार्य वातावरण सुनिश्चित करने के लिए सतत् प्रयासरत है।

अल्पसंख्यकों पर अत्याचार से मानवता शर्मसार : मुख्तार अहमद

धनबाद (कासं) : टीएमसी झारखंड अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष मुख्तार अहमद ने बंग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने इस विषय पर एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि इन घटनाओं ने न केवल उन्हें व्यक्तिगत रूप से आहत किया है, बल्कि पूरी मानवता को शर्मसार किया है।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार पर मुख्तार अहमद ने अपनी विज्ञप्ति में बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के खिलाफ हो रही हिंसा और अन्यायपूर्ण घटनाओं को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय पर किसी भी प्रकार का अत्याचार न केवल उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि यह मानवता के खिलाफ एक संगीन अपराध है।

उन्होंने इस मामले में भारत सरकार से तुरंत हस्तक्षेप करने और इस विषय को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर उठाने की मांग की। मुख्तार अहमद ने कहा, अल्पसंख्यकों पर अत्याचार किसी भी देश की लोकतांत्रिक और नैतिक मूल्यों की विफलता का प्रतीक है। यह केवल उस देश को ही नहीं, बल्कि वैश्विक मानवाधिकारों की प्रणाली को भी कमजोर करता है।

मुख्तार अहमद ने जोर देकर कहा कि अल्पसंख्यकों के साथ होने वाले अत्याचारों को रोकने के लिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को एकजुट होना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल बयानबाजी से समाधान नहीं होगा, बल्कि इस गंभीर मुद्दे के लिए ठोस और प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा अगर आज बांग्लादेश में यह समस्या हो रही है, तो कल यह किसी और देश में हो सकती है। ऐसे में एकजुट होकर मानवता के हित में कार्य करना ही सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए।

पुरानी रंजिश को लेकर मारपीट

लोयाबाद (ससे) : लोयाबाद क्षेत्र में बीती रात पुरानी रंजिश में बांसवाड़ा निवासी दो पक्षों में मारपीट की घटना हुई। दोनों पक्ष एक दूसरे पर गम्भीर आरोप लगाते हुए लोयाबाद थाना में लिखित शिकायत दिया है। प्रथम पक्ष के बांसजोड़ा बस्ती निवासी विभा सिंह पति मुकेश सिंह ने मुकेश साव और उसके लोगों के द्वारा बुधवार के सुबह १० बजे जब मंदिर पूजा करने जा रही थी तो इन लोगों के द्वारा गाली गलौज, और अभद्र व्यवहार किया। वही रात्रि लगभग ८ बजे श्रवण कुमार मंडल और इस्लाम अंसारी मेरे घर से मेरा डस्टर कार जेएचसीजी ४४१० से १४ हजार लेकर लोयाबाद कुछ काम से जा रहे थे। तभी लोयाबाद मोड़ के समीप राजकुमार महतो, विष्णु प्रमाणिक, मुकेश साव, शिबलु खान, राहुल पाड्यि, सोनु गुप्ता, लल्लू मंसुरी, सोनू मंसुरी सहित १५ अन्य ने गालीमलौज करते हुए मारपीट कर १४ हजार छीन लिये और कार को छतिग्रस्त कर दिया।

हड़ताली मजदूरों का आंदोलन वार्ता के बाद स्थगित

जोड़ापोखर (ससे) : झमाडा जलसंयत्र केंद्र जामाडोबा में मुख्यमंत्री श्रमिक योजना के तहत कार्यरत असंगठित मजदूरों द्वारा बकाया वेतन की मांग को लेकर शुक्रवार से हड़ताल किए जाने की चेतवानी तथा आंदोलन को लेकर जोड़ापोखर थाना में दी गई लिखित शिकायत के बाद झामाडा के अधिकारी हरकत में आकर मजदूरों से वार्ता किया।

वार्ता में कनीय अभियंता आशुतोष राणा द्वारा दस दिनों के अंदर वेतन भुगतान कराने का मजदूरों को दिए गए आश्वासन के बाद शुक्रवार की शाम से हड़ताल करने की मजदूरों की आंदोलन को स्थगित कर दिया गया है। झामाडा के कनीय अभियन्ता आशुतोष राणा ने मजदूरों के साथ वार्ता कर १० दिन के अन्दर वेतन भुगतान कराने का आश्वासन दिया है। मजदूरों का नेतृत्व कर रहे अमलेश कुमार ने बताया की कनीय अभियंता द्वारा बकाया वेतन का अविलंब भुगतान कराने का दिए गए आश्वासन के उपरांत हड़ताल को १० दिनों तक स्थगित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि अगर १० दिनों के भीतर वेतन भुगतान नहीं किया जाएगा तो मजदूर उग्र आन्दोलन को बाध्य होंगे।

विश्वकर्मा परियोजना में तनाव बरकरार

धनसार (ससे) : विश्वकर्मा परियोजना में जश्रसं सह रागिनी समर्थक व युवा बेरोजगार मंच धनसार के समर्थक शुक्रवार को दूसरे दिन भी आमने सामने आ गए। स्थिति को तनावपूर्ण देखते हुए पुलिस व सीआईएसएफ पूरी तैयारी के साथ मुस्तैद रही। सीआईएसएफ ड्रोन कैमरा से सारे गतिविधियों पर नजर रख रही थी। वहीं कांटाघर आ रहे दो वाहनों का शीशा अज्ञात लोगों ने धनसार चानक के पास रोककर तोड़ दिया। जिससे जश्रसं के मजदूरों का आक्रोश भड़क गया।

इधर युवा बेरोजगार मंच के लोग पानी और प्रदूषण के मुद्दे पर परियोजना के कांटाघर के सामने धरना पर बैठ गए। इनलोगों को साथ देने के लिए आशिनी सिंह भी विश्वकर्मा परियोजना पहुंच पूर्व पार्षद मेनका सिंह के साथ धरना पर बैठ गई। इधर जश्रसं के मजदूर भी एक जुट होकर प्रबंधन व दूसरे के खिलाफ नारेबाजी की। धरना के तीन घंटे बाद धनसार कोलियरी पीओ संजय कुमार पहुंचे। उन्होंने धरना पर बैठे आशिनी सिंह से वार्ता की। वार्ता में पीओ संजय कुमार ने तालाब में पानी लाने का विकल्प ढुंढ़ने व प्रदूषण रोकने के लिए चार टैंकर से पानी छिड़काव करने का आश्वासन दिया। वहीं आशिनी सिंह ने कहा कि अगर १५ दिन में समस्या का समाधान नहीं किया तो एक बार फिर चक्का जाम किया जाएगा। साथ ही इसके बाद आंदोलन कर रहे मंच के लोग धरना समाप्त कर वापस लौट गए।

बता दे कि शुक्रवार की सुबह ही कांटाघर में कई खाली ट्रक का वजन करा परियोजना में लोडिंग कराया जा रहा था। हालांकि बाद में आकर मंच के लोगों ने वजन कार्य रोक धरना पर बैठ गए। इधर जश्रसं का नेतृत्व कर रहे सुमन हांसदा ने कहा कि हमलोगों ने अपनी जमीन बीसीसीएल को देकर यहां ट्रक लोडिंग का कार्य शुरू कराया गया। जहां हम लाहेबेड़ा के आदिवासी ग्रामीण ट्रक लोडिंग का कार्य करते है। लेकिन एक नेता १५० रूपए रंगदारी के लिए पानी प्रदूषण का बहाना बनाकर लोडिंग कार्य को बंद कराना चाह रहा है। जिसे कामयाब नहीं होने दिया जाएगा।

मालूम हो कि इन दोनों गुटों के बीच गुरुवार को मारपीट की भी घटना घटी थी। धरना पर बैठे मंच की ओर से रामचंद्र विश्वकर्मा, शिवशंकर सिंह, किशु सिंह, अजय कुमार, जितेंद्र सहित अन्य थे। वहीं जश्रसं की ओर से देशराज चौहान, पप्पू पासवान, राजेश मरांडी सहित अन्य थे।

एरिया से पांच सदस्यीय टीम आकर तालाब का निरीक्षण किया हैं। निरीक्षण करने के उपरांत रिपोर्ट महाप्रबंधक को सौपा जाएगा। उनके आदेश के बाद ही जो निदान होगा किया जाएगा।

सीओ ने धरना पर बैठे रैयतों को जेल भेजने की दी धमकी

कतरास (ससे) : ग्राम स्वराज अभियान के बैनर तले बाघमारा अंचल के विभिन्न क्षेत्रों के रैयतों का धरना शुक्रवार को भी जारी रहा। रैयत अरबिन्द सिन्हा ने बताया कि धरना के दूसरे दिन शुक्रवार को धरना शुरू होने के बाद दोपहर १ बजे के लगभग सीओ बाल किशोर महतो ने धरना दे रहे लोगों में से २ लोगों को अपने कक्ष में बुलाया। तब रैयत अरबिन्द सिन्हा एवं कमल महतो सीओ के कक्ष में गए। रैयत अरबिन्द सिन्हा ने बताया कि बाघमारा सीओ ने जमीन संबंधित मामले को लेकर कहा कि कुछ दिन से नेट बन्द है जिस कारण काम नहीं हो रहा है। इस पर रैयतों ने कहा कि मामला कुछ दिन का नही बल्कि ८१० महीना और साल भर का है। कर्मचारी के आईडी में ५ महीना से आवेदन पड़ा है लेकिन उसको बढ़ाया नही जा रहा है। कोर्ट का आदेश है लेकिन अंचल द्वारा इसका पालन नही कराया जा रहा है। जिसके कारण जमीन को दूसरे पक्ष कैंजा कर रहे हैं। दूसरे पक्ष का कागजात देखे बिना अमीन बिना मापी किये वापस लौट जा रहा है। इस पर सीओ ने कहा कि अंचल के और भी काम है। सब देखना होता है। आप लोग इस प्रकार धरना देकर काम को बाधित कर रहे हैं। रैयत पत्रकार सह आरटीआई कार्यकर्ता अरबिन्द सिन्हा ने बताया कि सीओ ने सरकारी काम में बाधा पहुंचाने के आरोप में अरबिन्द सिन्हा पर केस करने और जेल भेजने की धमकी दी। मामले को लेकर ग्राम स्वराज के जगत महतो ने बताया कि अंचल अधिकारी से बात हुई है। उन्होंने कहा कि सभी मांगों पर कार्रवाई की जाएगी लेकिन महीनों और वर्षों से लंबित मामलों पर कार्रवाई कब की जाएगी इसको लेकर कुछ नहीं कहा। जगत ने बताया कि जब तक सभी रैयतों के मसले हल नहीं हो जाएंगे तब तक हर मंगलवार एवं शुक्रवार को अंचल कार्यालय के समक्ष शांति पूर्वक तरीके से धरनाप्रदर्शन जारी रहेगा।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

जमीन कारोबारी चेतन महतो को बाइक सवार अपराधियों ने मारी गोली, स्थिति गंभीर

धनबाद (कासं) : धनबाद में अपराधियों का हौसला बुलंद है।

बाइक सवार अपराधियों ने जमीन कारोबारी चेतन महतो को गोली मार कर फरार हो गए। बताया जाता है कि धनबाद के बरवाअड्डा थाना क्षेत्र के कुर्मीडीह में शुक्रवार की देर शाम बाईक सवार अपराधियों ने जमीन कारोबारी चेतन महतो को गोली मार दी है। वही मिली जानकारी के अनुसार दो अज्ञात अपराधी अपाची बाइक पर सवार होकर आए और चेतन महतो पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। जिससे घटनास्थल पर ही चेतन महतो की घायल होकर गिर पड़े। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें निजी अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टर ने स्थिति को गंभीर देखते हुए रेफर कर दिया है। इस घटना के बाद से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। वही स्थानीय लोगों ने इस घटना की निंदा करते हुए दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग की है। बहरहाल धनबाद पुलिस अपराधियों की तलाश में जुटी है।

क्रिएटिव छात्रों के लिए एनआईएफटी है उचित प्लेटफार्म : उपायुक्त

धनबाद(कासं) : फैशन और डिजाइन शिक्षा के लिए भारत की अग्रणी संस्था, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (एनआईएफटी) ने शुक्रवार को न्यू टाउन हॉल में ४ जिलों के छात्रों और शिक्षकों को एनआईएफटी से जोड़ने के उद्देश्य से पहला आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर एनआईएफटी की महानिदेशक तनु कश्यप ने कहा कि एनआईएफटी छात्रों के हुनर को पंख देता है। इसमें छात्रों के लिए आजीविका का अच्छे विकल्प है। संस्था का उद्देश्य समाज के हर वर्ग के लोगों को शिक्षा के माध्यम से सशक्त करना है।

उन्होंने बताया कि आगामी सत्र की परीक्षा के लिए फॉर्म जमा करने की तिथि ६ जनवरी २०२५ है। जबकि ९ फरवरी २०२५ को परीक्षा ली जाएगी। अंग्रेजी के साथसाथ इस बार हिंदी में भी परीक्षा ली जाएगी। लगभग ५ हजार नए छात्रों को विभिन्न स्ट्रीम में नामांकन के लिए अवसर प्रदान किया जाएगा। सभी वर्ग के मेधावी छात्रों के लिए छात्रवृत्ति की सुविधा भी उपलब्ध है। साथ ही बताया कि वाराणसी, श्रीनगर, पटना, नई दिल्ली, कोलकाता, मुंबई, गांधीनगर, जोधपुर, हैदराबाद सहित देश के १९ शहरों में एनआईएफटी के कैम्पस है।

इस अवसर पर उपायुक्त माधवी मिश्रा ने कहा कि क्रिएटिव छात्रों को एनआईएफटी उचित प्लेटफार्म प्रदान करता है। हुनरमंद छात्रों को संस्था द्वारा फैशन टेक्नोलॉजी में मार्गदर्शन और प्रशिक्षण दिया जाता है। उन्होंने छात्रों से कहा कि फैशन और टेक्सटाइल के क्षेत्र में असीम संभावनाएं हैं। इसलिए वे आउटरीच कार्यक्रम में बताई गई हर बात को बारीकी से सुने और समझे।

उन्होंने कहा कि आउटरीच कार्यक्रम के माध्यम से एनआईएफटी ने विश्वस्तरीय शिक्षा शुरू करने में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। जो छात्रों को रचनात्मक करियर की दिशा में पहला कदम उठाने का अवसर प्रदान करेगा। कार्यक्रम के दौरान संस्थान के पूर्व छात्र तथा फैशन उद्योग के प्रसिद्ध पेशेवर मुकेश कुमार एवं डोमन टुडू ने अपने अनुभव साझा किए।

कार्यक्रम में एनआईएफटी पटना के निदेशक कर्नल राहुल शर्मा, डॉ विजय दुआ, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नियाज अहमद, जिला शिक्षा पदाधिकारी निशु कुमारी के अलावा बड़ी संख्या में छात्र और शिक्षक उपस्थित थे।

टैलेंट हंट क्रिज कम्प्टीशन कल

धनबाद (कासं) : शुक्रवार को साथी फाउंडेशन के कार्यालय में एक प्रेस वार्ता आयोजन में शामिल संस्था के संयोजक श्री दिलीप सिंह मौजूद हुए। बताया गया की हर साल की तरह इस साल भी साथी फाउंडेशन के द्वारा टैलेंट हंट क्रिज कम्प्टीशन १५ दिसंबर को मदर हलीमा स्कूल, आजाद नगर, भूली रोड में आयोजित किया जा रहा है। जिसमें धनबाद के प्राइवेट और गवर्नमेंट स्कूल के कक्षा ४ से लेकर १२ के छात्र एवं छात्राएं भाग ले रहे हैं। साथी फाउंडेशन के संस्थापक सह सचिव इरफान आलम ने कहा की इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से टाइटल स्पॉन्सर में जॉब वाले एकाडेमी धनबाद, सहयोगी भागीदार में पाठक प्रतियोगिता प्वॉइंट बैंक मोड़, ग्लोबल स्कूल ऑफ इंडिया और कवरेज पार्टनर में माया डिजिटल स्टूडियो के सहयोग से यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। वहीं दिलीप सिंह ने कहा कि छात्र हित में जो शिक्षा जगत में जो कार्य साथी फाउंडेशन संस्था कर रही हैं वो काफी कबीले तारीफ है। इस तरह के कार्य कर रहे बच्चे को झारखण्ड सरकार के द्वारा इस संस्था में पढ़ रहे बच्चो को लाभ मिलना चाहिए। दिसंबर के अंत अथवा जनवरी के प्रथम सप्ताह में प्रतियोगिता के परिणाम की घोषणा की जाएगी। जिसमे उत्तीर्ण आए प्रतिभागियों को प्रशासनिक अधिकारी एवं शहर के कई गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में पुरस्कृत किया जाएगा। इस प्रेस वार्ता में मौजूद साथी फाउंडेशन के मेंबर संदीप कुमार कौशल, दिलीप सिंह, शुभंकर मित्रा तैय्यबा परवीन, नीमा परवीन और जॉब वाले एकाडेमी धनबाद की कोऑर्डिनेटर सानिया आशिक माया डिजिटल स्टूडियो के ऑनर इसरार अहमद की मौजूदगी में यह प्रेस वार्ता किया गया।

कोयला चोरी रोकने गए सुरक्षाकर्मी को पीटा

निरसा (ससे) : ईसीएल के मुगमा क्षेत्र के हरियाजाम कोलियरी के उत्पादन किया गया कोयले की चोरी का विरोध करने पर ईसीएल के सुरक्षाकर्मी सनी कुमार सिंह की जमकर पिटाई कर दी। जिसमें सुरक्षाकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गया है। बाद में अन्य सुरक्षा कर्मियों एवं कोलकर्मियों के पहुंचने पर कोयला चोर भाग खड़े हुए। इस संबंध में घायल सुरक्षा कर्मी सनी कुमार सिंह ने निरसा थाना में दो नामजद एवं ४५ अज्ञात कोयला चोरों के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई है। घटना के बाद से कोलकर्मियों में आक्रोश एवं भय व्याप्त है। बताया जाता है कि कोयला तस्करी को लेकर धनबाद क्षेत्र सुर्खियों में रहा है। कोयला तस्करी में जुटे आकाओं द्वारा यहां के ग्रामीणों से कोयला

की चोरी कराई जाती हैं। चोरों को प्रश्रय देने वाले अवैध कारोबारी ईसीएल के मुगमा क्षेत्र के सिक्यूरिटी गार्ड की कार्रवाई पर खुलकर विरोध करने लिए उतकसाते हैं। निरसा में आज जो कुछ हुआ उससे तो यही लगता है कि बाघमारा की घटना एक बार फिर से होने से बच गई। जानकारों की मानें तो कही ना कही ऐसी घटनाओं में पुलिस की भूमिका संदिग्ध मानी जाती है। घटना ईसीएल के हरियाजाम कोलियरी २७ नंबर की है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। समाचार लिखे जाने तक किसी के गिरफ्तारी की सूचना नहीं है। वहीं इस संबंध में जानकारी देते हुए घायल सुरक्षा कर्मी सनी कुमार सिंह ने बताया कि शुक्रवार की सुबह में हरियाजाम कोलियरी २७ नंबर कोल यार्ड में मेरी ड्यूटी लगी थी। सुबह लगभग ६ बजे आजाद शेख, साजिद शेख एवं अज्ञात ४५ युवक कोल यार्ड ईसीएल द्वारा उत्पादन कर रखे गए कोयले की चोरी करने आए थे। मैं इसका विरोध किया तो वे लोग लाठी डंडा से मेरे ऊपर हमला कर दिया। उन लोगों की पिटाई से मेरा सर फट गया तथा बाया हाथ टूट गया है। घटना के बाद से कोल कर्मियों में आक्रोश एवं दहशत व्याप्त है।

ब्लड डोनेशन कैम्प में 43 यूनिट ब्लड संग्रह

धनबाद (कासं) : ठुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो को झामुमो के मुख्य सचेतक बनाये जाने पर भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के संयुक्त सचिव सह युवा संघर्ष मोर्चा के संस्थापक दिलीप सिंह ने उन्हें शॉल ओढ़ाकर एवं बुके देकर बधाई दी। दरअसल,मथुरा प्रसाद महतो एक ब्लड डोनेशन कैम्प में बतौर मुख्य अतिथि एवं दिलीप सिंह विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित हुए थे। दिलीप सिंह ने इस अवसर पर कहा कि मथुरा प्रसाद महतो जनता के दुःख सुख में सदैव साथ खड़े रहे हैं। जनता के बेहतरी के लिए आगे भी मथुरा प्रसाद महतो इसी ऊर्जा के साथ जनता की मदद करते रहे मेरी यही शुभकामनाएं हैं। तोपचांची स्थित बिनोद बिहारी महतो मेमोरियल टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज में पेसिया ऋषिकेश इंस्टीच्यूट ऑफ टेक्नोलोजी द्वारा आयोजित ब्लड डोनेशन कैम्प में कुल ४३ यूनिट ब्लड संग्रह किया गया।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा के मुद्दे को सांसद ने सदन में उठाया

धनबाद (कासं) : धनबाद लोकसभा क्षेत्र के भाजपा सांसद दुलू महतो ने संसद में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के समक्ष आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायकों की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु एक अहम मुद्दे को उठाया। सांसद महतो ने पूछा कि क्या आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबीपीएमजेएवाई) के तहत आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायकों को शामिल करना झारखंड सहित धनबाद के ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और पहुंच में सुधार करेगा। महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री, सावित्री ठाकुर ने जवाब में बताया कि २०२४२५ के अंतरिम बजट में सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायकों को ५ लाख रुपये वार्षिक स्वास्थ्य कवर प्रदान करने की घोषणा की गई थी। यह योजना पात्रता के आधार पर लागू की जा रही है और अब तक झारखंड में ३१,७४५ आंगनवाड़ी कर्मियों को आयुष्मान कार्ड प्रदान किए जा चुके हैं। मंत्री ने यह भी बताया कि मिशन पोषण २.० के तहत आंगनवाड़ी केंद्रों को आधुनिक सुविधाओं और उपकरणों से सुसज्जित किया जा रहा है। इन केंद्रों में टीकाकरण, स्वास्थ्य जांच, और पोषण शिक्षा जैसी सेवाएं प्राथमिकता से उपलब्ध कराई जा रही हैं।

सांसद दुलू महतो ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायकों को इस योजना में शामिल करना ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने और लाभार्थियों तक सेवाएं पहुँचाने में क्रांतिकारी साबित होगा।

ब्रेन हैमरेज की शिकार मरीज को डॉक्टरों ने दी नई जिन्दगी

धनबाद (कासं) : एसजेएस सुपर स्पेशिलिटी हॉस्पिटल के आपातकालीन विभाग में एक मरीज़ को उच्च रक्तचाप (बीपी) के कारण ब्रेन हैमरेज हो गया था, और वह अर्ध कोमा की स्थिति में अस्पताल पहुंचे थे। जहां उनकी मुलाक़ात आपातकालीन विभाग की प्रमुख डॉ. दिव्या मोहंती से हुई। डॉ. दिव्या ने तुरंत मरीज़ की हालत का मूल्यांकन किया और न्यूरो सर्जन डॉ. कुणाल किशोर को सूचित किया।

मरीज़ का रक्तचाप १२ दिनों तक दवाओं से नियंत्रण में रखा गया, लेकिन सीटी स्कैन में मिडलाइन शिफ्ट दिखने पर मरीज़ की स्थिति और गंभीर हो गई। इस स्थिति को देखते हुए डॉ. कुणाल किशोर ने तुरंत ऑपरेशन करने का निर्णय लिया। ऑपरेशन के दौरान, ब्रेन की हड्डी के एक हिस्से को निकालकर पेट में रखा गया और माइक्रोस्कोप की मदद से ब्रेन हैमरेज को सफलतापूर्वक निकाला गया।

ऑपरेशन के बाद मरीज़ २ से ३ दिनों में होश में आ गए और चार दिन बाद उन्हें वेंटीलेटर से हटा दिया गया। अब मरीज़ की स्थिति में सुधार है और वह बात भी कर रहे हैं। मरीज़ को ४५ दिनों में अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी। इस सफलता के लिए क्रिटिकल

केयर विभाग के डॉ. नून ने भी मरीज़ का विशेष ध्यान रखा, जिसके कारण मरीज़ का स्वास्थ्य तेजी से बेहतर हुआ।

डॉ. जितेंद्र कुमार सिंह ने एसजेएस सुपर स्पेशिलिटी हॉस्पिटल की पूरी टीम, विशेष रूप से डॉ. कुणाल किशोर डॉ. नून और डॉ. दिव्या मोहंती का आभार व्यक्त किया। मरीज के घरवालों ने एसजेएस सुपर स्पेशिलिटी हॉस्पिटल का आभार व्यक्त किया। परिवार वालों ने कहा जिन्होंने मेरे परिवार के सदस्य की जान बचाई उनके समर्पण और पेशेवर काम ने हमारे लिए उम्मीद की नई किरण दिखाई। हम दिल से उनके आभारी हैं।

युवक की हत्या मामले में पुलिस की जांच जारी, शव की हुई शिनाख्त

धनबाद (कासं) : जिले के बरवाअड्डा थाना क्षेत्र से गुरुवार को एक युवक का शव पुलिस ने बरामद किया था। युवक की गोली मारकर हत्या की गई थी। पुलिस ने शव बरामद करने के बाद हत्या का मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी थी, लेकिन गुरुवार तक शव की शिनाख्त नहीं हो सकी थी।

इधर, सोशल मीडिया के माध्यम से परिजनों को जानकारी हुई और परिजनों ने पोस्टमार्टम हाउस पहुंचकर शव की शिनाख्त की। मृत युवक की पहचान अमन साव (२८) के रूप में की गई है। पिता मनोज साव ने शव की शिनाख्त की।

हीरापुर आदर्श नगर निवासी मनोज साव के मुताबिक के अमन बुधवार की शाम को घर से बाइक से निकला था, लेकिन रात तक वापस नहीं लौटा। वह हीरापुर में किराना की दुकान चलाता था। पिता का कहना है कि उसकी किसी से दुश्मनी नहीं थी। उसकी हत्या किसने और क्यों की है इस बात की जानकारी नहीं है।

उन्होंने कहा कि पुलिस की जांच पर पूरा भरोसा है। पुलिस कॉल डिटेल्स के आधार पर जांच कर रही है। पिता ने थाने में दिए गए आवेदन में किसी को नामजद आरोपी नहीं बनाया है। वहीं मृतक के मामा ने कहा कि हमें इस बात की जानकारी नहीं कि उसकी हत्या किसने और क्यों की। पुलिस जांच पड़ताल कर मामले का खुलासा करेगी।

वहीं पुलिस सूत्रों की माने तो बुधवार की रात करीब ९ बजकर ३० मिनट पर अमन के फोन से बातचीत हुई है। दो मोबाइल नंबर पर अमन की बातचीत हुई है। दोनों नंबर के संबंध में पुलिस पता लगा रही है। संभावना है कि उक्त दोनों नंबर धारक से पूछताछ के बाद हत्यारों के सुराग मिल सकता है। फिलहाल पुलिस के पदाधिकारी मामले को लेकर कुछ भी बोलने से बच रहे हैं, ताकि जांच प्रभावित न हो और आरोपी कानून के शिकंजे से निकलकर फरार न हो जाए। फिलहाल पुलिस की तफ्तीश जारी है। बताया जाता हैं कि गुरुवार की अहले सुबह बरवाअड्डा थाना क्षेत्र के बड़ा पिछड़ी जाने वाले रास्ते पर एक युवक का शव पड़ा मिला था। युवक के पेट और कनपटी में गोली लगी थी। युवक का पर्स और मोबाइल गायब था। हालांकि लगे में सोने की चेन मौजूद थी। पुलिस ने मौके से दो खोखा भी बरामद किया था।

विधायक ने किया पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास

जोड़ापोखर (ससे) : डीएमएफटी योजना अंतर्गत पुटकी जामाडोबा मेन रोड से जीतपुर भाया भूतगढ़िया ग्रामीण बस्ती तक २ करोड़ ५७ लाख ४१ हजार ८७७ रुपए की लागत से पथ निर्माण

कार्य का शिलान्यास आज झरिया की विधायक रागिनी सिंह के कर कमलों द्वारा हुआ। वहीं इस मौके पर श्रीमती सिंह ने बताया कि सड़क बनने से क्षेत्र के लोगों का रास्ता सुगम होगा और एक जगह से दूसरे जगह पहुंचने में कम समय लगेगा। इस दौरान भाजपा भागा मंडल अध्यक्ष बच्चा गिरि आजाद सिंह, गोरेलाल भुईयां, अमर सिंह, रूपेश सिंह, दुलदुल सिंह, सुखदेव सिंह सहित पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

बीसीसीएल का क्रिकेट टूर्नामेंट हुआ

जोड़ापोखर (ससे) : जेलगोरा स्टेडियम में बीसीसीएल अंतर क्षेत्रीय टी२० क्रिकेट टूर्नामेंट अंतर्गत दो मैच खेला गया। पहला मैच बरोरा क्षेत्र बनाम वाशरी डिवीजन के बीच हुआ। टॉस बरोरा ने जीता और पहले फील्डिंग करने का निर्णय लिया पहले बैटिंग करते हुए वाशरी डिवीजन ने निर्धारित २० ओवर में ८ विकेट खोकर १०५ रन बनाएं। वाशरी डिवीजन की ओर से बैटिंग करते हुए आर.पी. यादव ने २६ और अनुराग कुमार ने २१ रन बनाए। बरोरा के तरफ से बोलिंग करते हुए प्रशांत कुमार सिंह ने तीन विकेट उमेश गढ़वाल दो विकेट और रंजीत कुमार को दो विकेट मिला। जवाबी पारी खेलते हुए बरोरा की टीम १२.३ ओवर में दो विकेट खोकर १०६ रन बनाकर या मैच ८ विकेट से जीत लिया। बरोरा से बैटिंग करते हुए शिशुपाल साहू ३१ रन नाबाद और सूरज कुमार ने २८ रन बनाए गए।

वाशरी डिजाइन से बोलिंग करते हुए मनीष कुमार और शिवम कुमार ने एक क्रिकेट लिए आज के मैन ऑफ द मैच बरोरा

के प्रशांत कुमार सिंह को सीसीयू की क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक निर्मला किरण ने मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया। दूसरा मैच कतरास बनाम कुसुंडा के बीच खेला गया। टॉस कुसुंडा ने जीता और पहले बैटिंग करते हुए १३ ओवर में ७२ रन बनाकर ऑल आउट हो गई। कुसुंडा की ओर से बैटिंग करते हुए मनीष कुमार ने ४० रन बनाए। कतरास एरिया से बोलिंग करते हुए सचिन तिवारी ने ५ विकेट, दिलीप कुमार सिंह ने दो विकेट प्राप्त किया। जवाबी पारी खेलते हुए कतरास की टीम ६ विकेट खोकर ७३ रन बना कर जीत हासिल की। चार विकेट से यह मैच जीत कर, क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। कतरास के तरफ से बैटिंग करते हुए सचिन तिवारी ने नाबाद ४२ रन बनाए। कुसुंडा की तरफ से बोलिंग करते हुए राम लखन यादव २ विकेट, दिलीप वर्मा को दो विकेट प्राप्त हुआ। इस मैच में मैन ऑफ द मैच का अवार्ड कतरास के सचिन तिवारी को। कतरास के क्षेत्रीय प्रबंधक रामानुज प्रसाद ने प्रदान किया।

मौके पर लोदना क्षेत्र के क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक दीपक कुमार सिंह, सहायक कार्मिक प्रबंधक सौरभ कुमार सिंह, लीगल कार्मिक प्रबंधक अनिकेत साहब, कतरास के राणा साहब, ठाकुर साहब व अन्य गणमान्य क्रिकेट प्रेमी आदि मौजूद थे।

डीएवी कुसुंडा में एग्जिविशन का आयोजन

केन्नुआ (ससे) : डीएवी पब्लिक स्कूल कुसुंडा, धनबाद में विद्यालय की प्राचार्या झूमा महता के कुशल निर्देशन में यूरेका २०२४ वार्षिक साइंस, आर्ट एण्ड क्राफ्ट एग्जिविशन का आयोजन शुक्रवार को हुआ। इस आयोजन के मुख्य अतिथि प्रो. सुकुमार मिश्र, डायरेक्टर आईआईटी, आईएसएम धनबाद उपस्थित थे।

विद्यालय की प्राचार्या ने मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किये। सर्व प्रथम मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों और प्राचार्या ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विद्यालय के छात्रछात्राओं के द्वारा विभिन्न प्रकार के मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। एग्जिविशन में लगभग ६०० प्रतिभागियों ने १०५

मॉडल्स की प्रस्तुति किया। सभी ने बच्चों की रचनात्मक प्रस्तुति की सराहना की। बच्चों ने ज़ैमर, एरोप्लेन, एआई बेस्ड रोबोट, ह्यूमेनॉइड रोबोट, पार्ट्स ऑफ सर्किल, ज्यॉमेट्रिकल पार्क, एल्जेबरिक आइडेंटिटी, टैंक, लोकटक लेक, इनजस्टीस एक्रॉस एराज़, मेवाड़ एंपायर, स्मार्ट एग्रीकल्चर, वाटरफॉल, द ग्रेट स्फिंक्स ऑफ गीजा,द राइम ऑफ एनसिएंट मैरिनर आदि मॉडल्स की प्रस्तुति की। विद्यालय की प्राचार्या झूमा महता ने आगत अतिथियों का स्वागत व अभिनंदन करते हुए कहा कि यह एग्जिविशन एनईपी २०२० के मानकों को पूरा करता है और मुझे उम्मीद है कि विद्यालय के बच्चों के द्वारा प्रदर्शित मॉडल्स की सभी सराहना करेंगे। उन्होंने बच्चों और शिक्षकशिक्षिकाओं के लगन व परिश्रम की सराहना की। मुख्य अतिथि ने कहा कि बच्चे देश के भविष्य हैं। यदि भारत को विकसित देश बनाना है तो इस तरह की एग्जिविशन जरूरी है। क्योंकि यह बाल मस्तिष्क को कल्पना करने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि मुझे प्रसन्नता है कि डीएवी कुसुंडा अपने विद्यार्थियों को इस तरह का अवसर प्रदान करता है।

इस अवसर पर एन.एन. श्रीवास्तव, एआरओ झारखंड जोन सी, वेदप्रकाश, मुख्य प्रबंधक कार्मिक विभाग, सुनील कुमार गुप्ता, प्रबंधक वित्त विभाग, बीसीसीएल, कुसुंडा, एरिया६, एस.मोदक, प्राचार्य, डीएवी अलकुसा, एके मिश्र, प्राचार्य, डीएवी जामाडोबा, एस.चटराज, प्राचार्य डीएवी मुगमा की गरिमामयी उपस्थिति रही। निर्णायक मंडल में एस.के. मोहंती, शांतनु कौर, जया सिन्हा व आर.एम.सुंदरम थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षकशिक्षिकाओं सहित विद्यालय के सभी क्रमचारियों का अहम् योगदान रहा।

संपादकीय

दोनों सत्रों में नहीं बन रही सहमति

जब भी संसद का सत्र शुरू होता है, सर्वदलीय बैठक बुला कर आपसी सहमति और सहयोग से कार्यवाही चलाने का संकल्प लिया जाता है। मगर, पिछले कुछ समय से संसद का कामकाज हंगामे की भेंट चढ़ जा रहा है। किसी मसले पर विपक्ष बहस की मांग करता है और सभापति की मंजूरी न मिल पाने के बाद हंगामे का सिलसिला चल पड़ता है। पूरा का पूरा सत्र बिना किसी सार्थक बहस और विधेयकों पर जरूरी चर्चा के बगैर समाप्त हो जाता है। चालू सत्र में भी पहले ही दिन से हंगामा चल रहा है। विपक्ष अडाणी मामले पर बहस कराना चाहता है, मगर दोनों सदनों में इसकी इजाजत नहीं मिल पा रही। अब स्थिति यहां तक पहुंच गई है कि विपक्ष ने राज्यसभा के सभापति यानी उपराष्ट्रपति के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव रख दिया है। उसका कहना है कि सभापति विपक्ष को बोलने का मौका नहीं देते, वे अपनी मर्जी से बहसों को रेकार्ड में लेते या नहीं लेते हैं। सत्तापक्ष के लोगों को बोलने का अधिक अवसर देते हैं, आदि। यह बहत्तर वर्षों के संसदीय इतिहास में पहला मौका है, जब इस तरह राज्यसभा के सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है, उन्हें हटाने की मांग उठी है। ऐसा नहीं कि पहले विपक्ष के नेता किसी सदन के सभापति से असंतुष्ट नहीं होते थे। उन पर पक्षपात के आरोप नहीं लगाते थे। पहले भी ऐसा होता रहा है, मगर तब कटाक्ष, तल्ख बयान और बहसों के बाद मामले सुलझा लिए जाते थे। सदन की मर्यादा का निर्वाह किया जाता था। मगर पिछले कुछ समय से शायद इस तकाजे को कोई समझना नहीं चाहता। मानसून सत्र में विपक्षी दल के कई नेताओं ने लोकसभा अध्यक्ष को संसदीय मर्यादा और उनके पद की गरिमा का पाठ पढ़ाया।

खूब कटाक्ष किए, मगर कोई फर्क नहीं पड़ा। विपक्ष का आरोप है कि सरकार खुद हंगामा खड़ा करके सदन के कामकाज में बाधा डाल रही है। वह चाहती ही नहीं कि संसद में किसी मुद्दे पर बहस हो। दरअसल, संसदीय कार्यवाही को सुचारु रूप से चलाने की जिम्मेदारी सत्तापक्ष की होती है। अगर किन्हीं स्थितियों में विपक्ष का रुख अधिक आक्रामक हो जाता है और सदन की कार्यवाही में बाधा पड़ती है, तो संसदीय कार्यमंत्री सुलह-समझौते से गतिरोध दूर करने का प्रयास करते हैं। मगर लंबे समय से दोनों सदनों के कामकाज बाधित हैं और सरकार की तरफ से कोई ऐसा प्रयास नजर नहीं आता। अपेक्षा की जाती है कि जरूरी मसलों पर संसद के भीतर बहस हो और सर्वसम्मति से कोई फैसला किया जा सके। मगर पिछले कुछ समय से संसद में सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच मुंछ की लड़ाई अधिक दिखाई देती है, बहसें विपक्ष संसद से बाहर करता है। पिछली सरकार के समय तो दोनों सदनों के डेढ़ सौ से ऊपर विपक्षी सदस्यों को निलंबित कर दिया गया। इस तरह कई मसलों पर आम लोगों के बीच भ्रम की स्थिति बनी रहती है।

ऐसी स्थितियों में सदन के सभापति की भूमिका निर्णायक हो जाती है, उनसे उम्मीद की जाती है कि बिना किसी दलगत आग्रह के, राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर चर्चा कराएं और सरकार उस आधार पर उचित कदम उठाए। मगर न तो लोकसभा में और न राज्यसभा में ऐसी लोकतांत्रिक परंपरा दिखाई दे रही है। आखिर इस गतिरोध को दूर करने की जिम्मेदारी कौन निभाएगा और कैसे भरोसा किया जाए कि संसद में कामकाज ठीक से चल सकेगा।

दुनिया में भारत की बढ़ी साख, भ्रूण के मस्तिष्क को बारीकी से देखने में हो गया समर्थ

मनुष्य के शरीर का सबसे जटिल हिस्सा मस्तिष्क है। यह शरीर के बाकी हिस्सों पर कैसे नियंत्रण रखता है, यह कौतूहल ही नहीं, शोध का विषय भी रहा है। मानव मस्तिष्क के विकास को समझने के लिए वर्षों से अध्ययन होते रहे हैं। मगर दिमाग की गहरी परतों में उतर कर गुत्थियां सुलझाना इतना आसान नहीं रहा। भारत के लिए गर्व की बात है कि वह दिमाग की सामान्य संरचना से आगे बढ़ कर भ्रूण के मस्तिष्क के बारीक खंडों को देखने में समर्थ हो गया है। यों मस्तिष्क संबंधी जटिलताओं के लिए हमारे पास एमआरआइ जैसी तकनीक पहले से है। वहीं मस्तिष्क की गतिविधियों को जानने के लिए 'ब्रेन मैपिंग' तकनीक भी है। मगर अब हम इस दिशा में कई कदम आगे बढ़ गए हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास ने आधुनिक ब्रेन मैपिंग तकनीक से भ्रूण के मस्तिष्क की विस्तृत थ्री डी तस्वीर जारी कर सभी को चौंका दिया है। यह दुनिया में पहली बार है, जब अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी से 5,132 मस्तिष्क खंडों को डिजिटल तस्वीरों में उतारा गया है। प्रौद्योगिकी सीमाओं से परे जाकर हमारे वैज्ञानिकों और अनुसंधानकर्ताओं ने चिकित्सा विज्ञान में इतिहास रच दिया है। आइआइटी, मद्रास अब एलन मस्तिष्क संस्थान की कतार में आ गया है। यह इस मायने में भी बड़ी उपलब्धि है कि अब भ्रूण के विकास के पहले चरण में ही बीमारियों का जल्द पता लग जाएगा। वहीं मस्तिष्क संबंधी तमाम विकारों पर नियंत्रण आसान होगा। मस्तिष्क खंड की छोटी से छोटी डिजिटल तस्वीरें तंत्रिका विज्ञान के क्षेत्र में काम कर रहे चिकित्सकों की सहायता करेंगी। इससे वे सटीक उपचार कर सकेंगे। उम्मीद कर सकते हैं कि मस्तिष्क कैंसर, ट्यूमर और मिर्गी के साथ तमाम बीमारियों और मनोविकारों की तह में जाने में अब मुश्किल नहीं होगी। तकनीक के इस नए विस्तार के बाद मरीजों को बेहतर और शीघ्र इलाज मिलने की उम्मीद है। वहीं ब्रेन मैपिंग होने से किसी गंभीर अपराध में पकड़े गए आरोपियों की दिमागी हलचल को बारीकी से समझा जा सकेगा। इसमें कोई दो राय नहीं कि भारत अब मस्तिष्क मानचित्रण में अमेरिका के समकक्ष है। निश्चित रूप से भारतीय अनुसंधानकर्ताओं ने चिकित्सा क्षेत्र में एक नया अध्याय जोड़ा है।

आज का कार्टून

लालू, पवार से मिले समर्थन को लेकर भावविभोर हुई ममता बनर्जी

इंडिया गठबंधन की रार से क्षेत्रीय दलों को होगा नुकसान?

कमलेश पांडे

> कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन में नेतृत्व के सवाल पर जो मौजूदा चिल्ल-पों मची हुई है और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व पर एक बार फिर से जो सवाल उठाए जा रहे हैं, उससे न तो तृणमूल कांग्रेस नेत्री व पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का राजनीतिक भला होने वाला है और न ही उनकी सुर में सुर मिलाने वाले एनसीपी शरद पवार के शरद पवार-सुप्रिया सुले, शिवसेना यूबीटी के उद्धव ठाकरे-आदित्य ठाकरे, समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव-रामगोपाल यादव या आप पार्टी के अरविंद केजरीवाल आदि जैसे नेताओं का। हां, इससे कांग्रेस आई की उस सियासी साख को धक्का अवश्य लगेगा, जो कि बमुश्किल उसने राहुल गांधी के नेतृत्व में लोकसभा चुनाव 2024 के बाद हासिल कर पाई है।

राजनीतिक मामलों के जानकारों का स्पष्ट कहना है कि कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टी के लिए हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा की हार जरूर मायने रखती है, क्योंकि यह जीती हुई बाजी हारने के जैसा है। लेकिन सिर्फ इसको लेकर ही इंडिया गठबंधन का नेतृत्व कांग्रेस से छीन लेना कोई राजनीतिक बुद्धिमानी का काम प्रतीत नहीं होता है। शायद कांग्रेस भी इसे नहीं मानेगी और किसी भी राष्ट्रीय दल के क्षेत्रीय दलों के सामने घुटने भी नहीं टेकने चाहिए, यदि सत्ता प्राप्ति के लिए संख्या बल का खेल नहीं हो तो ! बीजेपी भी यही करती है और अपने गठबंधन सहयोगियों को उनकी वाजिब औकात में रखती है। तीसरे-चौथे मोर्चे की विफलता के पीछे भी तो अनुशासनहीनता या अतिशय महत्वाकांक्षा का खेल ही तो था, जिसे बहुधा राजनीतिक रोग समझा जाता है। बता दें कि तृणमूल कांग्रेस नेता कल्याण बनर्जी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का परिणाम आने के बाद तुरंत कहा था कि कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक को अपने अहंकार को अलग रखना चाहिए और ममता बनर्जी को विपक्षी गठबंधन के नेता के रूप में मान्यता देनी चाहिए। इसके बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी हालिया हरियाणा और महाराष्ट्र चुनाव में इंडिया ब्लॉक के खराब प्रदर्शन पर असंतोष जाहिर किया और संकेत दिया कि अगर मौका मिला तो वह इंडिया ब्लॉक की कमान संभालने के लिए तैयार हैं। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सुप्रीमो ने यहां तक कहा कि वह बंगाल की मुख्यमंत्री के रूप में अपनी भूमिका जारी रखते हुए भी विपक्षी मोर्चे को चलाने की दोहरी जिम्मेदारी संभाल सकती हैं। एक टीवी चैनल से बात करते हुए ममता बनर्जी ने कहा, मैंने इंडिया ब्लॉक का गठन किया था, अब मोर्चा का नेतृत्व करने वालों पर इसका प्रबंधन करने की जिम्मेदारी है। अगर वे ऐसे नहीं चला सकते, तो मैं क्या कर सकती हूं? मैं सिर्फ इतना कहूंगी कि सभी को साथ लेकर चलना होगा। वहीं, यह पूछे जाने पर कि एक मजबूत भाजपा विरोधी ताकत के रूप में अपनी साख के बावजूद वह इंडिया ब्लॉक की कमान क्यों नहीं संभाल रही हैं? तो इस पर बनर्जी ने कहा, अगर मौका मिला तो मैं इसके सुचारू संचालन को सुनिश्चित करूंगी। उन्होंने कहा, मैं बंगाल से बाहर नहीं जाना चाहती, लेकिन मैं इसे यहीं से चला सकती हूं।

बता दें कि बीजेपी का मुकाबला करने के लिए गठित इंडिया ब्लॉक में दो दर्जन से अधिक विपक्षी दल शामिल हैं। हालांकि, आंतरिक मतभेदों और आपसी तालमेल की कमी की वजह से इसकी कई बार आलोचना भी होती रही है। इसी वजह से इसके प्रमुख सूत्रधार रहे जदयू नेता और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपना पाला बदल लिया और भाजपा के खेमे में चले गए। वो भी इंडिया गठबंधन के संयोजक का पद पाना चाहते थे, जो लालू प्रसाद के परोक्ष विरोध के चलते सम्भव नहीं हो पाया। ऐसे में संभव है कि ममता भी एकबार फिर से तीसरे मोर्चे को मजबूत करने की पहल करें और नीतीश की तरह ही इंडिया गठबंधन को टा-टा, बाय-बाय कर दें। उल्लेखनीय है कि ममता बनर्जी का यह बयान उनकी पार्टी सांसद कल्याण बनर्जी द्वारा कांग्रेस और अन्य इंडिया ब्लॉक सहयोगियों को लेकर दिए बयान के बाद सामने आया है। तब कल्याण बनर्जी ने कहा था कि कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक को अपने अहंकार को अलग रखना चाहिए और ममता बनर्जी को विपक्षी गठबंधन के नेता के रूप में मान्यता देनी चाहिए। आपको बता दें कि बीजेपी ने जहां महाराष्ट्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए रिकॉर्ड संख्या में सीटें हासिल कीं तो वहीं कांग्रेस का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। बीजेपी के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन को भारी जीत मिली, जबकि इंडिया ब्लॉक ने सिर्फ झारखंड में जेएमएम के शानदार प्रदर्शन की बदौलत मजबूत वापसी की। कहने का तात्पर्य यह है कि कांग्रेस ने अपनी हार का सिलसिला जारी रखा और हरियाणा के बाद महाराष्ट्र में भी अपना सबसे खराब प्रदर्शन किया और झारखंड में सत्तारूढ़ जेएमएम के जूनियर पार्टनर के रूप में सामने आई और विपक्षी ब्लॉक में इसकी भूमिका और भी कम हो गई क्योंकि अन्य सहयोगियों ने इससे बेहतर प्रदर्शन किया। वहीं, दूसरी ओर हाल ही में हुए उपचुनावों में भाजपा को हराकर टीएमसी की जीत ने पश्चिम बंगाल में पार्टी के प्रभुत्व को मजबूत किया है, जबकि विपक्षी अभियान आरजी कर मेडिकल कॉलेज विरोध जैसे विवादों पर केंद्रित थे। सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाले वाम मोर्चे, उसके सहयोगी सीपीआई (एमएल) लिबरेशन और कांग्रेस, जो इंडिया ब्लॉक में राष्ट्रीय स्तर पर टीएमसी के सहयोगी हैं, सभी को बड़ी असफलताओं का सामना करना पड़ा और उनके उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। जबकि कांग्रेस इंडिया ब्लॉक की सबसे बड़ी पार्टी है, जिसे अक्सर गठबंधन का वास्तविक नेता माना जाता है। यही वजह है कि टीएमसी ने लगातार ममता बनर्जी को गठबंधन की बागडोर संभालने की वकालत की है।

यह ठीक है कि तृणमूल कांग्रेस नेत्री ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल में लगातार भाजपा को सियासी चोट पहुंचा रही हैं और सदैव उस पर भारी प्रतीत हो रही हैं, लेकिन इसका मतलब यह कतई नहीं है कि वह राष्ट्रीय नेत्री बन गई और उनका चेहरा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के चेहरे से ज्यादा सर्वस्वीकार्य हो गया, वो भी अखिल भारतीय स्तर पर? चाहे राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) शरद पवार के प्रमुख और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री शरद पवार हों या उनकी सियासी वारिस सांसद सुप्रिया सुले, शिवसेना यूबीटी के प्रमुख और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे हों या उनके राजनीतिक वारिस आदित्य ठाकरे, समाजवादी पार्टी के प्रमुख और उत्तरप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव हों या राज्यसभा सांसद रामगोपाल यादव या आप पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक व दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल हों या उन जैसे इंडिया गठबंधन के कोई अन्य नेतागण, किसी का चेहरा राष्ट्रीय स्तर पर उतना सर्वस्वीकार्य नहीं हो सकता है जितना कि राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी, लोकसभा सांसद प्रियंका गांधी या लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का है। इसलिए समकालीन बयानबाजी से इंडिया गठबंधन और उसमें शामिल सभी दलों को ही क्षति होगी, यह उन्हें समझना होगा। वैसे भी भारतीय मतदाताओं के बीच कांग्रेस नीत यूपीए गठबंधन, राजद-सपा-झामुमो नीत महागठबंधन, शिवसेना यूबीटी-एनसीपी शरद पवार नीत महाविकास अघाड़ी के अलावा तीसरे या चौथे मोर्चे में शामिल रहे क्षेत्रीय दलों की साख अच्छी नहीं है। जनता पार्टी, जनता दल और संयुक्त मोर्चे की कई गठबंधन सरकारों को असमय गिराने का आरोप जहां कांग्रेस पर लगता आया है, वहीं तीसरे मोर्चे और चौथे मोर्चे के बारे में तो राजनीतिक अवधारणा यही है कि इन्हें केंद्र में सरकार चलाना ही नहीं आता और इसमें शामिल दल भले ही अपने-अपने राज्यों में सफल रहे हों, लेकिन सुशासन स्थापित करने और भ्रष्टाचार रोकने में अक्सर विफल रहे हैं, जिससे ब्रेक के बाद मतदाता इन्हें खारिज कर देते हैं। इनकी इसी कमजोरी का राजनीतिक फायदा भाजपा को मिला, जबकि ये लोग उसे राजनीतिक अछूत तक करार दे चुके हैं। बता दें कि 1990 के दशक में कोई भी दल पहले भाजपा से गठबंधन करने से सिर्फ इसलिए डरता था कि कहीं उसका मुस्लिम वोट छिटक न जाए। लेकिन अपने राष्ट्रवादी और हिंदुत्व के अग्रगामी विचारों के साथ-साथ बीजेपी ने सुशासन, विकास और गठबंधन सरकार चलाने की योग्यता को साबित करके भारतीय मतदाताओं का दिल एक नहीं, बल्कि कई बार जीत लिया और कांग्रेस के अधिकांश पुराने सियासी रिकॉर्ड को मोदी 3.0 सरकार ने ध्वस्त कर दिया है, जिसके बाद उसकी लोकप्रियता एक बार फिर से उफान पर है। वहीं, लोकसभा चुनाव 2024 में इंडिया गठबंधन खासकर कांग्रेस-सपा गठजोड़ से उसे जो धक्का लगा, उसकी भरपाई उसने हरियाणा-महाराष्ट्र के विधानसभा चुनावों से कर लिया है। लोकसभा चुनाव 2024 में भी भाजपा ने आरएसएस की उपेक्षा की कीमत चुकाई थी, अन्यथा आज वह अपने गठबंधन सहयोगियों पर निर्भर नहीं रहती। लेकिन अब उसके इशारे पर जिस तरह से इंडिया गठबंधन में अंतर्कलह मची हुई है, उससे आम चुनाव 2029 में भी उसका निष्कंटक राज बरकरार रहने के आसार हैं। यदि ऐसा हुआ तो कांग्रेस बीजेपी से काफी पीछे चली जाएगी, जिसकी भरपाई वो शायद ही कभी कर पाए। वैसे भी भारतीय राजनीति में गठबंधन धर्म का पालन करने का रिकॉर्ड कांग्रेस और तीसरे-चौथे मोर्चा से बेहतर भाजपा का है। इसलिए वह दिन-प्रतिदिन मजबूत होती गई और कांग्रेस या तीसरे-चौथे मोर्चे के दल कमजोर दर कमजोर। बहरहाल, कांग्रेस नेतृत्व की बुद्धिमानी इसी में है कि वह तीसरे-चौथे मोर्चे में शामिल रहे क्षेत्रीय दलों, यूपीए या महागठबंधन और महाविकास अघाड़ी सहयोगियों को हर हाल में अपने साथ तबतक जोड़े रखे, जबतक कि लोकसभा में उसका आंकड़ा 300 के पार न चला जाए। राजनीतिक मामलों के जानकार बताते हैं कि तृणमूल कांग्रेस की नेत्री ममता बनर्जी हों, या एनसीपी शरद पवार के शरद पवार या शिवसेना यूबीटी के उद्धव ठाकरे, ये लोग कभी न कभी भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सदस्य या उसके परोक्ष शुभचिंतक रह चुके हैं। इसलिए कांग्रेस विरोधी इनकी बयानबाजी का मकसद भाजपा को खुश रखना है और इसी बहाने कांग्रेस पर दबाव बनाए रखना। वहीं, उत्तरप्रदेश में सपा नेता रामगोपाल यादव जो कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तंज कस रहे हैं, वह यूपी विधानसभा उपचुनाव 2024 में कांग्रेस की उपेक्षा के बाद मिली शर्मनाक हार की खुन्नस है। यदि अखिलेश यादव ने रामगोपाल यादव को काबू में नहीं किया तो 2022 की तरह 2027 में भी सपा के सपने नहीं पूरे होने वाले।

हर सुबह बदलते मौसम की सूचक...

> हर सुबह बदलते मौसम की सूचक है। सूर्य की पहली किरणें हर नए रंग से हमें इस धरती पर रहने वाले जीव-जंतु, पौधे, वनस्पति को रोमांस से भर देती हैं। यही धूप का साया है और यही रंगों की आमद है, जो जिंदगी की निशानी है। पर इन बदलते मौसम में रंगों का मौसम कैसे धीरे-से हमारे जीवन में बिना आहट के आ जाता है कि हम अंदाजा भी नहीं लगा पाते। अक्तूबर में हल्की गर्मी की ढलान से थकी हुई धूप के बाद नवंबर में गुलाबी ठंड की दस्तक भी अब दिसंबर के सफर पर चल पड़ी है। यही शरद ऋतु का नजारा और रंग ऋतुओं के रंगों की महकती हुई हवा नई जिंदगी और नए समय की प्रभात का एक नया रंग है।

कृष्ण कुमार रत्तू

बदलाव प्रकृति का नियम है और इस बदलाव की प्रक्रिया में ऋतुओं का चक्र हर नए मौसम की नई उमंगों और नई तरंगों के साथ मानवीय मन-मस्तिष्क और हृदय में नई ऊर्जा का संचार करता है। प्राकृतिक रंगों और बदलते मौसम का यह खूबसूरत दृश्य संपूर्ण धरती और सौरमंडल को रंगों के इस उत्सव में भिगो देता है। जब से मनुष्य का जन्म हुआ है, तब से रंगों की प्रक्रिया, बदलते मौसम और ऋतुओं के इस चक्र से पूरा जहान रंगों के आनंद में बह जाता है। बदलते मौसम की यह प्रक्रिया और रंगों की रूमानी चादर इस तरह से बदलती है कि धरती का हर लम्हा हर मौसम में नया लगता है। इसका मर्म यह है कि धरती पर रहने वाले सब पशु-पक्षी और इंसान अपनी जिंदगी के लिए रंगों के आवरण में रंग कर मौसम का लुत्फ लेकर अपने आप को हर मौसम के लिए जिंदा रख सकें। जिंदा रहने और आगे बढ़ने का एक नया रास्ता मनुष्य को नई सांसों की पूंजी से भर देता है।

खूबसूरती यह है कि जिंदगी और रंगों की इस अद्भुत दौड़ में यह सब कुछ ऐसे होता जाता है और इस तरह जीवन में और मौसम के साथ आता है कि हम अंदाजा भी नहीं लगा सकते कि किस वक्त कौन-सा मौसम और ऋतुओं का चक्र और कौन-सा मौसमी रंग बदल गया है। गर्मी, सर्दी, बारिश और बसंत का मौसम आंख झपकते ही हमें नए जोश और उत्साह से भर देता है। यों दुनिया भर के साहित्य में मौसमों को प्रकृति और इंसान के बीच बदलाव की प्रक्रिया को खूबसूरत शब्दों में बयान किया गया है।

कहते हैं कि हर सुबह बदलते मौसम की सूचक है। सूर्य की पहली किरणें हर नए रंग से हमें इस धरती पर रहने वाले जीव-जंतु, पौधे, वनस्पति को रोमांस से भर देती हैं। यही धूप का साया है और यही रंगों की आमद है, जो जिंदगी की निशानी है। पर इन बदलते मौसम में रंगों का मौसम कैसे धीरे-से हमारे जीवन में बिना आहट के आ जाता है कि हम अंदाजा भी नहीं लगा पाते। अक्तूबर में हल्की गर्मी की ढलान से थकी हुई धूप के बाद नवंबर में गुलाबी ठंड की दस्तक भी अब दिसंबर के सफर पर चल पड़ी है। यही शरद ऋतु का नजारा और रंग ऋतुओं के रंगों की महकती हुई हवा नई जिंदगी और नए समय की प्रभात का एक नया रंग है। रंगों का यह मौसम एक नई शुरूआत का मौसम है और यह धीरे से हमारे जीवन में हल्की गुलाबी सर्दी के आकाश में नए रंगों की आमद और उसकी आभा के रंग है और और शरद ऋतु के आते-जाते चारों तरफ धरती पर लाल, नारंगी, पीले और गहरे हरे रंग में नजर आती धरती पर छाई हुई चादर पहाड़ी और नीम पहाड़ी इलाकों में पूरी दुनिया में एक-सी धवल दृश्य को दिखाती है।

रंगों के प्राकृतिक बदलाव की सत्ता को भी देखा जा सकता है और हम अंदाजा नहीं लगा सकते कि यह कौन चित्रकार है, कौन इसको रखता है और किस तरह से इस धरती को रंगों के शृंगार से हल्की ठंड और गुलाबी सम्मोहन की धूप से पेड़ पौधों में और वनस्पति में आदमी को है, उससे हमारे जीवन पर इन प्राकृतिक रंगों के ऐसे धब्बे पड़ रहे हैं, जिनसे हमारा जीवन और जीने के लिए साफ हवा-पानी प्रायः खत्म होता जा रहा है।

हमने प्रकृति के दिए हुए सारे रंगों को नष्ट कर दिया है। बदलते मौसम और प्रकृति के इन रंगों के पर्यावरण मुद्दों ने रंगों की प्रक्रिया को इतना बिगाड़ दिया है कि अब हमारे जीने पर ही प्रश्नचिह्न लग गया है। इस समय सच यह है कि हमने पूरी दुनिया के जल, जंगल, जीवन और समंदर को भी जिस तरह से दूषित कर दिया है, वह दूसरे ही रंग की कहानी कहता है।

रंगों का यह मौसम एक नई शुरूआत का मौसम है और यह धीरे से हमारे जीवन में हल्की गुलाबी सर्दी के आकाश में नए रंगों की आमद और उसकी आभा के रंग है और और शरद ऋतु के आते-जाते चारों तरफ धरती पर लाल, नारंगी, पीले और गहरे हरे रंग में नजर आती धरती पर छाई हुई चादर पहाड़ी और नीम पहाड़ी इलाकों में पूरी दुनिया में एक-सी धवल दृश्य को दिखाती है।

रंगों के प्राकृतिक बदलाव की सत्ता को भी देखा जा सकता है और हम अंदाजा नहीं लगा सकते कि यह कौन चित्रकार है, कौन इसको रखता है और किस तरह से इस धरती को रंगों के शृंगार से हल्की ठंड और गुलाबी सम्मोहन की धूप से पेड़ पौधों में और वनस्पति में आदमी को नए क्षितिजों की ओर देखने के लिए एक नए उत्साह और उमंग से भर देता है। कश्मीर और पूर्वोत्तर में जिस तरह की वनस्पतियां होती हैं, वे अद्भुत हैं। वह स्विट्जरलैंड के बर्फ से लदे पहाड़ों से भी कहीं ज्यादा खूबसूरत है। हमारे कश्मीर में इस मौसम को हरद कहा गया है और सूफियों से लेकर नए कवियों तक लिखने वालों ने इस मौसम की खूबसूरती को बयां किया है। कश्मीर के लोग जानते हैं कि इन दिनों वहां पर बहुतायत में पाए जाने वाले मेपल के पेड़ों के पत्ते किस तरह रंग बदलते हैं और भूरे रंग से वहां की पहाड़ियां और धरती ढक जाती हैं।

वहां के आदि सूफियों की कविता में इसे जादुई मौसम का नाम दिया गया है और यह मौसम का जादू ही होता है जो आदमी को नए मरहलों की तरफ और नई ऊंचाइयों की तरफ देखने का उत्साह देता है। दुनिया भर के साहित्य में मौसमों के बदलाव को प्रकृति का जादू कहा गया है। सवाल है कि हम इन रंगों से क्या कर रहे हैं। अगर हमने जल, जंगल, जीवन, आकाश, पहाड़ और इस धरती को नहीं बचाया, तो यही रंग बदरंग होकर हमारी जीवन-लीला को समाप्त कर देंगे। अभी भी समय है कि हम हवा, पानी और पहाड़ को बचाकर इस जमीन पर जिंदा रहने के अवसर को बचा लें। धरती के रंगों से विमुख होना शायद हमें इतना महंगा पड़ जाएगा कि हम अपनी और हवा से महरूम हो जाएंगे।

जुमे की नमाज को लेकर प्रशासन सतर्क

संभल (ईएमएस) : संभल में जुमे की नमाज को लेकर पुलिस और प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट हैं। सुरक्षा के लिए तीन लेयर व्यवस्था बनाई गई है। खासकर जामा मस्जिद पर कड़ा पहरा रहेगा।

बीएसएल टाउनशिप के लिए रसायनिक अर्थिंग परियोजना का उद्घाटन

बोकारो (ससे): बीएसएल टाउनशिप के लिए रसायनिक अर्थिंग परियोजना का उद्घाटन अधिशासी निदेशक-प्रभारी (मानव संसाधन) राजन प्रसाद के द्वारा किया गया.

इस मौके पर मुख्य महाप्रबंधक (नगर सेवा) कुंदन कुमार, नगर सेवा विभाग के महा प्रबंधक-प्रभारी (विद्युत) राजुल हरकरनी, महाप्रबंधक (विद्युत) ए एन सिंह, उप महाप्रबंधक डी के सिंह, वरीय प्रबंधक आशुतोष कुमार, परियोजना डिवीज़न के उप महाप्रबंधक आर एल मीणा, वरीय प्रबंधक अभिषेक आदित्य तथा अन्य अधिशासी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे.

बोकारो स्टील सिटी में लगभग २५० से अधिक विद्युत सबस्टेशन हैं जहाँ पर २००० रसायनिक अर्थिंग स्थापित की जाएंगी. बीएसएल में पहली बार उन्नत प्रकार की रसायनिक अर्थिंग प्रतिस्थापित किया जा रहा है. रसायनिक अर्थिंग प्रणाली, विद्युत लाइन और उपकरण के अर्थिंग का बहुत ही प्रभावी तरीका है क्योंकि यह

चालकता को बढ़ाता है और विद्युत प्रणालियों के लिए लंबे समय तक चलने वाली सुरक्षा प्रदान करता है. रसायनिक अर्थिंग प्रणाली कम रखरखाव में स्थिर और लंबे समय तक काम करने वाला , अत्यधिक टिकाऊ, जंग रोधी प्रकृति, के साथ पर्यावरण के लिए भी अनुकूल होता है.

झारखण्ड सरकार श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, जामताड़ा।

सूचना

"औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, जामताड़ा के अन्तर्गत विद्युत, वायरमैन एवं इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक व्यवसाय के वैसे उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थियों को सूचित किया जाता है कि **PM Surya Ghar Muft Bijli Yojna** में पाँच दिवसीय निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाना है। इच्छुक प्रशिक्षणार्थी संस्थान में आकर सम्र्पक स्थापित कर सकते है। विशेश जानकारी हेतु दूरभाष सं0 :– 9934250950 से सम्पर्क कर सकते है।"

प्रभारी प्राचार्य,
औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान,जामताड़ा

PR 341983 Labour Employment and Traning(24-25)D

झारखण्ड सरकार
उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, धनबाद
(जिला भू-अर्जन शाखा)
Email-dlao.dhanbad@gmail.com Ph-

-:प्रेस विज्ञप्तिः-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि डाउन ट्रेन हेतु प्रस्तावित गोमो फ्लाई ओवर परियोजना(अतिरिक्त) तोपचांची अंतर्गत मौजा–गुनघसा थाना सं0–57 से अधिघोषणा सं0–1488 दिनांक–07/10/2024 को निर्गत किया जा चुका है। उक्त अधिघोषणा में अज्ञात प्लॉट सं0 से संबधित कोई भी आपत्ति इस कार्यालय में अब तक प्राप्त नहीं हुआ है, अज्ञात प्लॉट की विवरणी निम्नवत है –:

क्रमांक	अंचल का नाम	मौजा का नाम/थाना सं0	प्लॉट सं0	रैयत का नाम	रकवा(एकड़ मे)
1	तोपचांची	गुनघसा थाना सं0–57	3942	अज्ञात	0.0050
2	तोपचांची	गुनघसा थाना सं0–57	3905	अज्ञात	0.2600
3	तोपचांची	गुनघसा थाना सं0–57	90	अज्ञात	0.1600
4	तोपचांची	गुनघसा थाना सं0–57	91	अज्ञात	0.2700
5	तोपचांची	गुनघसा थाना सं0–57	57	अज्ञात	0.3600
6	तोपचांची	गुनघसा थाना सं0–57	405	अज्ञात	0.1950
7	तोपचांची	गुनघसा थाना सं0–57	303	अज्ञात	0.0575
8	तोपचांची	गुनघसा थाना सं0–57	302	अज्ञात	0.0450

अतः प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रश्नगत अर्जित भूमि के संदर्भ में यदि किन्हीं रैयत के पास संबधित राजस्व कागजात उक्त प्लॉट से संबंधित है, तो प्रेस विज्ञप्ति प्रकाशन के 15 दिनों के अंदर अपना लिखित आपत्ति/दावा जिला भू–अर्जन कार्यालय, धनबाद में समर्पित कर सकते हैं, ताकि अग्रेतर कार्रवाई की जा सके।

जिला भू–अर्जन पदाधिकारी
धनबाद

PR 341897 Land Reforms(24-25).D

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, जामताड़ा

सूचना/अपील "जन शिकायत समाधान कार्यक्रम"
दिनांक–18.12.2024
(जामताड़ा पुलिस)

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पुलिस आदेश सं0–99/2024 के आलोक में जामताड़ा जिला आम जनताओं के जनसमस्याओं की सूनवाई एवं निराकरण हेतु जिला स्तरीय "जन शिकायत समाधान कार्यक्रम" दिनांक–10.09.2024 को आयोजन किया गया था। पुनः पूर्व में आयोजित स्थानों पर जिला स्तरीय / अनुमंडल स्तरीय "जन शिकायत समाधान कार्यक्रम" दिनांक–18.12.2024 को समय 11.00 बजे पूर्वाहन से 05.00 बजे अपराह्न तक निम्नलिखित स्थानों पर निर्धारित किया जाता है–

1.जे0बी0सी0 उच्च विद्यालय, जामताड़ा (जिला स्तरीय कार्यकम स्थल)
2.राजकीय कृत+2 उच्च विद्यालय, नाला परिसर (नाला अनुमंडल अन्तर्गत कार्यकम स्थल)
3.जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, पबिया (नारायणपुर) परिसर (जामताड़ा अनुमंडल अन्तर्गत कार्यकम)

अतः जामताड़ा जिला के स्थानीय आम जनमानस/सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निर्धारित तिथि को अपने–अपने अनुमंडल क्षेत्र में या जिला स्तरीय कार्यकम स्थल में उपरोक्त निर्धारित जन शिकायत समाधान कार्यकम स्थल पर उपस्थित होकर अपनी समस्याओं को रख सकते है तथा शिकायत दर्ज करा सकते है, जिसका निराकरण जामताड़ा पुलिस के द्वारा त्वरित गति से किया जायेगा। इसके अतिरिक्त आम जनता अपनी शिकायत को ऑनलाईन शिकायत हेतु डायल– 112, वाट्स–एप नं0–9471194945 एवं ई–मेल के माध्यम sp-jamtara@jhpolice.gov.in पर भी अपनी शिकायत दर्ज करा सकते है।

निवेदक
पुलिस अधीक्षक,
जामताड़ा

PR 341982 (Police)24-25*D

प्रपत्र VII
राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग
(भू-अर्जन निदेशालय) या समाहर्ता या समुचित सरकार

अधिघोषणा

(अधिनियम –30/2013 की धारा–19(1) के अधीन)

अधिघोषणा संख्या–1695 — दिनांक : 10.12.2024
असाधारण अंक सं0–26 — दिनांक : 11.12.2024

चूँकि झारखण्ड सरकार/समाहर्ता को यह प्रतीत होता है कि सार्वजनिक प्रयोजनार्थ यथा टासरा ओपन कास्ट परियोजना (SAIL) हेतु ग्राम–आसनबनी, थाना संख्या–192 अंचल– बलियापुर में कुल –41.11 एकड़ यानि–16.64 हेक्टेयर भूमि अपेक्षित है। इसलिए अधिघोषणा किया जाता है कि उपर्युक्त परियोजना के लिए अर्जन के अधीन एक भू–खंड है, जो मानक माप से कमोवेश–41.11 एकड़ यानि–16.64 हेक्टेयर है और जो मौजा–आसनबनी, थाना संख्या–192, अंचल–बलियापुर जिला, धनबाद में है, जिसका विवरण निम्नलिखित है

क्रं0	RS	खाता नं0	प्लाट नं0	स्वामित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	प्लाट का रकबा (एकड़ में)	अर्जनाधीन रकबा (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का रकबा (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम	उ0	द0	पु0	प0
524	CS	32	540	निजी	बाईद	0.10	0.10	0.03333	भागीरथ महतो माता स्व.संझोती देवी, अजित महतो माता स्व. आदरी देवी अंश समान	537	541	544, 542	539
525	CS	32	540	निजी	बाईद			0.03333	बीरबल महतो माता स्व.भादू देवी, खड़िया देवी पिता स्व. चड़कू महतो अंश समान	537	541	544, 542	539
526	CS	32	540	निजी	बाईद			0.03333	बबलू महतो पिता स्व. श्रीधर महतो	537	541	544, 542	539
527	CS	32	541	निजी	बाईद	0.07	0.07	0.00875	हलधर महतो वो भोलानाथ महतो पिता स्व. किष्टो महतो अंश समान	540	610	544, 542	539
528	CS	32	541	निजी	बाईद			0.02625	बबलू महतो पिता स्व.श्रीधर महतो 1 अंश, कपूरा देवी पिता स्व. सीताराम महतो 1 अंश, कृतन महतो पिता स्व.रासू महतो 1 अंश	540	610	544, 542	539
529	CS	32	541	निजी	बाईद			0.035	दीवर महतो पिता स्व. मनोहर महतो	540	610	544, 542	539
530	CS	32	573	निजी	बाईद	0.13	0.13	0.04333	भागीरथ महतो माता स्व.संझोती देवी, अजित महतो माता स्व. आदरी देवी अंश समान	572	593, 577, 574	रास्ता	572
531	CS	32	573	निजी	बाईद			0.04333	बीरबल महतो माता स्व.भादू देवी, खड़िया देवी पिता स्व. चड़कू महतो अंश समान	572	593, 577, 574	रास्ता	572
532	CS	32	573	निजी	बाईद			0.04333	बबलू महतो पिता स्व. श्रीधर महतो	572	593, 577, 574	रास्ता	572
533	CS	36	537	निजी	पुरातन पतित	0.87	0.87	0.87	नकुल महतो वो अनिल महतो पिता स्व. बहादूर महतो	536	538, 539, 540	545, 546	180
534	CS	53	538	निजी	गोड़ा 3	1.39	1.39	0.4633	सागर मांझी वो शनि मझीयाईन पिता स्व. रेंगटा मांझी अंश समान	610, 537	610	539, 610	610
535	CS	53	538	निजी	गोड़ा 3			0.4633	मुगली मझीयाईन माता स्व. शनि मझीयाईन	610, 537	610	539, 610	610
536	CS	53	538	निजी	गोड़ा 3			0.4633	सुरेन्द्र मांझी पिता स्व. रूपलाल मांझी, जकड़ा मांझी वो दिलीप मांझी पिता स्व. राम मांझी 1 अंश समान, राजू मांझी पिता स्व. लखन मांझी 1 अंश, महाराज मांझी वो दुबराज मांझी पिता स्व. लखीराम मांझी 1 अंश समान	610, 537	610	539, 610	610
537	CS	53	598	निजी	बाईद	0.29	0.29	0.29	मुगली मझीयाईन माता स्व. शनि मझीयाईन	597	675	676	650
538	CS	53	599	निजी	बाईद	0.03	0.03	0.03	मुगली मझीयाईन माता स्व. शनि मझीयाईन	600	650	562	603
539	CS	53	600	निजी	बाईद	0.04	0.04	0.04	सुरेन्द्र मांझी पिता स्व. रूपलाल मांझी, जकड़ा मांझी वो दिलीप मांझी पिता स्व. राम मांझी 1 अंश समान, राजू मांझी पिता स्व. लखन मांझी 1 अंश, महाराज मांझी वो दुबराज मांझी पिता स्व. लखीराम मांझी 1 अंश समान	601	599	562	603
540	CS	53	601	निजी	बाईद	0.04	0.04	0.04	सागर मांझी वो शनि मझीयाईन पिता स्व. रेंगटा मांझी अंश समान	602	600	562	603
541	CS	53	602	निजी	बाईद	0.05	0.05	0.05	सुरेन्द्र मांझी पिता स्व. रूपलाल मांझी, जकड़ा मांझी वो दिलीप मांझी पिता स्व. राम मांझी 1 अंश समान, राजू मांझी पिता स्व.लखन मांझी 1 अंश, महाराज मांझी वो दुबराज मांझी पिता स्व. लखीराम मांझी 1 अंश समान	562	601	562	603
542	CS	53	603	निजी	गोड़ा 3	0.45	0.45	0.15	सागर मांझी वो शनि मझीयाईन पिता स्व. रेंगटा मांझी अंश समान	561, 562	625, 650	599, 600, 601, 602	604
543	CS	53	603	निजी	गोड़ा 3			0.15	मुगली मझीयाईन माता स्व. शनि मझीयाईन	561, 562	625, 650	599, 600, 601, 602	604
544	CS	53	603	निजी	गोड़ा 3			0.15	सुरेन्द्र मांझी पिता स्व. रूपलाल मांझी, जकड़ा मांझी वो दिलीप मांझी पिता स्व. राम मांझी 1 अंश समान, राजू मांझी पिता स्व.लखन मांझी 1 अंश, महाराज मांझी वो दुबराज मांझी पिता स्व. लखीराम मांझी 1 अंश समान	561, 562	625, 650	599, 600, 601, 602	604
545	CS	53	664	निजी	बाईद	0.51	0.51	0.17	सागर मांझी वो शनि मझीयाईन पिता स्व. रेंगटा मांझी अंश समान	684	662, 665, 666	663	673
546	CS	53	664	निजी	बाईद			0.17	मुगली मझीयाईन माता स्व. शनि मझीयाईन	684	662, 665, 666	663	673
547	CS	53	664	निजी	बाईद			0.16	सुरेन्द्र मांझी पिता स्व. रूपलाल मांझी, जकड़ा मांझी वो दिलीप मांझी पिता स्व. राम मांझी 1 अंश समान, राजू मांझी पिता स्व.लखन मांझी 1 अंश, महाराज मांझी वो दुबराज मांझी पिता स्व. लखीराम मांझी 1 अंश समान	684	662, 665, 666	663	673
548	CS	53	664	निजी	बाईद			0.01	रंगड़ी मझीयाईन पति स्व. पूना मांझी	684	662, 665, 666	663	673
549	CS	53	673	निजी	बाईद	0.67	0.67	0.22333	सागर मांझी वो शनि मझीयाईन पिता स्व. रेंगटा मांझी अंश समान	675, 681	672, 671	683, 684, 664	674
550	CS	53	673	निजी	बाईद			0.22333	मुगली मझीयाईन माता स्व. शनि मझीयाईन	675, 681	672, 671	683, 684, 664	674
551	CS	53	673	निजी	बाईद			0.22333	सुरेन्द्र मांझी पिता स्व. रूपलाल मांझी, जकड़ा मांझी वो दिलीप मांझी पिता स्व.राम मांझी 1 अंश समान, राजू मांझी पिता स्व.लखन मांझी 1 अंश, महाराज मांझी वो दुबराज मांझी पिता स्व.लखीराम मांझी 1 अंश समान	675, 681	672, 671, 670, 669, 666	683, 684, 664	674
552	CS	53	676	निजी	बाईद	0.16	0.16	0.16	सागर मांझी वो शनि मझीयाईन पिता स्व. रेंगटा मांझी अंश समान	597, 678	675	677	598
553	CS	53	677	निजी	बाईद	0.13	0.13	0.13	सुरेन्द्र मांझी पिता स्व. रूपलाल मांझी, जकड़ा मांझी वो दिलीप मांझी पिता स्व. राम मांझी 1 अंश समान, राजू मांझी पिता स्व.लखन मांझी 1 अंश, महाराज मांझी वो दुबराज मांझी पिता स्व. लखीराम मांझी 1 अंश समान	679	675	680	676
554	CS	53	683	निजी	बाईद	0.08	0.08	0.08	सागर मांझी वो शनि मझीयाईन पिता स्व. रेंगटा मांझी अंश समान	682	684	रास्ता	673
555	CS	53	684	निजी	पुरातन पतित	0.05	0.05	0.05	सागर मांझी वो शनि मझीयाईन पिता स्व. रेंगटा मांझी अंश समान	683	663, 664	रास्ता	673
556	CS	55	534	निजी	पुरातन पतित	0.89	0.89	0.7916	कृष्णाचन्द्र महतो पिता स्व. रवि महतो	533, 514	535	रास्ता	182, 183
557	CS	55	534	निजी	पुरातन पतित			0.0984	शांति देवी पिता स्व. कृतन मल्लिक 1 अंश, सुरेश मल्लिक वो राजेश मल्लिक वो परेश मल्लिक माता स्व. मालती देवी 1 अंश, कालीपद मल्लिक पिता स्व. सीताराम मल्लिक 2 अंश	533, 514	535	रास्ता	182, 183
558	CS	58	566	निजी	बाईद	0.11	0.11	0.11	सागर महतो पिता स्व. मन्दु महतो, काजल देवी पति स्व. मन्दु महतो 1 अंश, संतोष महतो पिता स्व. गोउर महतो 1 अंश	560	565	567, 568, 569	562
559	CS	58	577	निजी	बाईद	0.03	0.03	0.03	सागर महतो पिता स्व. मन्दु महतो, काजल देवी पति स्व. मन्दु महतो 1 अंश, संतोष महतो पिता स्व. गोउर महतो 1 अंश	573	579, 580	574	593
560	CS	58	581	निजी	बाईद	0.10	0.10	0.10	किष्टो महतो पिता रामू महतो	574	592	576, 582	579, 580
561	CS	58	592	निजी	बाईद	0.09	0.09	0.0900	सागर महतो पिता स्व. मन्दु महतो, काजल देवी पति स्व. मन्दु महतो 1 अंश, संतोष महतो पिता स्व. गोउर महतो 1 अंश	581	597, 582	582	594, 595, 596
562	CS	60	542	निजी	बाईद	0.04	0.04	0.01333	शिखर मांझी वो मानसिंह मांझी वो बड़का मांझी पिता स्व. दुखिया मांझी 3 अंश समान, सत्यनारायण सोरेन पिता स्व. बाबूलाल मांझी 1 अंश	544	545	543	541
563	CS	60	542	निजी	बाईद			0.01333	जेठू मांझी वो लव मांझी वो किनू मांझी पिता स्व.चंदन मांझी 1 अंश समान, चुनकू मांझी पिता स्व.सीताराम मांझी 1 अंश सुहागी मझीयाईन वो सबनी मझीयाईन पिता स्व.मनसू मांझी 1 अंश समान, सुखलाल मांझी पिता स्व. छोटू मांझी 1 अंश	544	545	543	541
564	CS	60	542	निजी	बाईद			0.01333	रावण सोरेन पिता कुंवर मांझी	544	545	543	541
565	CS	60	543	निजी	बाईद	0.25	0.25	0.0833	शिखर मांझी वो मानसिंह मांझी वो बड़का मांझी पिता स्व. दुखिया मांझी 3 अंश समान, सत्यनारायण सोरेन पिता स्व. बाबूलाल मांझी 1 अंश	537	545	545	544, 542
566	CS	60	543	निजी	बाईद			0.0833	जेठू मांझी वो लव मांझी वो किनू मांझी पिता स्व. चंदन मांझी 1 अंश समान, चुनकू मांझी पिता स्व. सीताराम मांझी 1 अंश सुहागी मझीयाईन वो सबनी मझीयाईन पिता स्व. मनसू मांझी 1 अंश समान, सुखलाल मांझी पिता स्व. छोटू मांझी	537	545	545	544, 542
567	CS	60	543	निजी	बाईद			0.0833	रावण सोरेन पिता कुंवर मांझी	537	545	545	544,
568	CS	60	544	निजी	बाईद	0.08	0.08	0.02667	शिखर मांझी वो मानसिंह मांझी वो बड़का मांझी पिता स्व. दुखिया मांझी 3 अंश समान, सत्यनारायण सोरेन पिता स्व. बाबूलाल मांझी 1 अंश	537	542	543	541
569	CS	60	544	निजी	बाईद			0.02667	जेठू मांझी वो लव मांझी वो किनू मांझी पिता स्व. चंदन मांझी 1 अंश समान, चुनकू मांझी पिता स्व. सीताराम मांझी 1 अंश सुहागी मझीयाईन वो सबनी मझीयाईन पिता स्व. मनसू मांझी 1 अंश समान, सुखलाल मांझी पिता स्व. छोटू मांझी	537	542	543	541
570	CS	60	544	निजी	बाईद			0.02667	रावण सोरेन पिता कुंवर मांझी	537	542	543	541
571	CS	60	545	निजी	बाईद	0.41	0.41	0.13667	शिखर मांझी वो मानसिंह मांझी वो बड़का मांझी पिता स्व. दुखिया मांझी 3 अंश समान, सत्यनारायण सोरेन पिता स्व. बाबूलाल मांझी 1 अंश	537	551, 550, 548	546	543, 610, 551
572	CS	60	545	निजी	बाईद			0.13667	जेठू मांझी वो लव मांझी वो किनू मांझी पिता स्व. चंदन मांझी 1 अंश समान, चुनकू मांझी पिता स्व. सीताराम मांझी 1 अंश सुहागी मझीयाईन वो सबनी मझीयाईन पिता स्व. मनसू मांझी 1 अंश समान, सुखलाल मांझी पिता स्व. छोटू मांझी1 अंश	537	551, 550, 548	546	543, 610, 551
573	CS	60	545	निजी	बाईद			0.13667	रावण सोरेन पिता कुंवर मांझी	537	551	546	543
574	CS	60	546	निजी	बाईद	0.24	0.24	0.08	शिखर मांझी वो मानसिंह मांझी वो बड़का मांझी पिता स्व. दुखिया मांझी 3 अंश समान, सत्यनारायण सोरेन पिता स्व. बाबूलाल मांझी 1 अंश	537	547, 548	रास्ता	545, 550
575	CS	60	546	निजी	बाईद			0.08	जेठू मांझी वो लव मांझी वो किनू मांझी पिता स्व. चंदन मांझी 1 अंश समान, चुनकू मांझी पिता स्व. सीताराम मांझी 1 अंश सुहागी मझीयाईन वो सबनी मझीयाईन पिता स्व. मनसू मांझी 1 अंश समान, सुखलाल मांझी पिता स्व. छोटू मांझी	537	547, 548	रास्ता	545, 550
576	CS	60	546	निजी	बाईद			0.08	रावण सोरेन पिता कुंवर मांझी	537	547	रास्ता	545
577	CS	60	548	निजी	बाईद	0.31	0.31	0.10333	शिखर मांझी वो मानसिंह मांझी वो बड़का मांझी पिता स्व. दुखिया मांझी 3 अंश समान, सत्यनारायण सोरेन पिता स्व. बाबूलाल मांझी 1 अंश	551, 545, 550, 546, 547	541, 552	रास्ता	610
578	CS	60	548	निजी	बाईद			0.10333	जेठू मांझी वो लव मांझी वो किनू मांझी पिता स्व. चंदन मांझी 1 अंश समान, चुनकू मांझी पिता स्व. सीताराम मांझी 1 अंश सुहागी मझीयाईन वो सबनी मझीयाईन पिता स्व. मनसू मांझी 1 अंश समान, सुखलाल मांझी पिता स्व. छोटू मांझी	551, 545, 550, 546, 547	541, 552	रास्ता	610
579	CS	60	548	निजी	बाईद			0.10333	रावण सोरेन पिता कुंवर मांझी	551	541	रास्ता	610
580	CS	60	549	निजी	बाईद	0.18	0.18	0.06	शिखर मांझी वो मानसिंह मांझी वो बड़का मांझी पिता स्व. दुखिया मांझी 3 अंश समान, सत्यनारायण सोरेन पिता स्व. बाबूलाल मांझी 1 अंश	548	556	रास्ता	554
581	CS	60	549	निजी	बाईद			0.06	जेठू मांझी वो लव मांझी वो किनू मांझी पिता स्व. चंदन मांझी 1 अंश समान, चुनकू मांझी पिता स्व. सीताराम मांझी 1 अंश सुहागी मझीयाईन वो सबनी मझीयाईन पिता स्व. मनसू मांझी 1 अंश समान, सुखलाल मांझी पिता स्व. छोटू मांझी 1 अंश	548	556	रास्ता	554
582	CS	60	549	निजी	बाईद			0.06	रावण सोरेन पिता कुंवर मांझी	548	556	रास्ता	554
583	CS	60	550	निजी	बाईद	0.07	0.07	0.02333	शिखर मांझी वो मानसिंह मांझी वो बड़का मांझी पिता स्व. दुखिया मांझी 3 अंश समान, सत्यनारायण सोरेन पिता स्व. बाबूलाल मांझी 1 अंश	545	548	546	545
584	CS	60	550	निजी	बाईद			0.02333	जेठू मांझी वो लव मांझी वो किनू मांझी पिता स्व. चंदन मांझी 1 अंश समान, चुनकू मांझी पिता स्व. सीताराम मांझी 1 अंश सुहागी मझीयाईन वो सबनी मझीयाईन पिता स्व. मनसू मांझी 1 अंश समान, सुखलाल मांझी पिता स्व. छोटू मांझी 1 अंश	545	548	546	545
585	CS	60	550	निजी	बाईद			0.02333	रावण सोरेन पिता कुंवर मांझी	545	548	546	545

यह अधिघोषणा हितबद्ध व्यक्तियों की आपत्तियों के सुनने और अधिनियम संख्या–30/2013 की धारा 15 में प्रदत्त यथा उपबंधित सम्यक जाँच के पश्चात किया गया है। भूमि अर्जन के कारण पुनर्व्यवस्थापन के लिए संभावित परिवारों की संख्या जिनके लिए पुनर्व्यवस्थापन के क्षेत्र चिन्हित किये गए है, जिसका संक्षित विवरण निम्नवत है :– (लागू नहीं है)

कुल प्रभावित परिवारों की संख्या–484 पुनर्व्यवस्थापन क्षेत्र–आसनबनी, मौजा संख्या–192, अंचल– बलियापुर, धनबाद में क्षेत्रफल 41.11 एकड़ यानि 16.64 हेक्टेयर भूमि चिन्हित की गई है। जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, धनबाद के कार्यालय में किसी कार्य दिवस के दिन भूमि योजना का निरीक्षण किया जा सकता है।

पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन(R&R)योजना के सार नीचे दिए गए है

क्रं.	पुनर्व्यवस्थापन हकदारी के तत्व	हकदारी/उपबंध
1.	वार्षिकी या नियोजन का विकल्प	दो एकड़ जमीन के अधिग्रहण के एवज में प्रभावित कुटुम्ब के एक सदस्य का SAIL में नियोजन। या प्रति प्रभावित कुटुम्ब पांच लाख रूपये का एक बारगी संदाय। या प्रति प्रभावित कुटुंब वार्षिकी के रूप में 2,000 रूपये प्रतिमाह की दर से बीस वर्षों तक संदाय
2.	एक बारगी पुनर्व्यवस्थापन भत्ता	प्रत्येक प्रभावित कुटुम्ब को पचास हजार रूपये का एक बारगी पुनर्व्यवस्थापन भत्ता दिया जायेगा।

परियोजना हेतु स्वीकृत R&R योजना के तहत् पुनर्व्यवस्थापन हकदारियों की गणना कर पुनर्व्यवस्थापन की हकदारियों का चयन किया जा सकता है।

ह0/–
उपायुक्त, धनबाद

PR 341942 Labour Employment and Traning (24-25)_D

रेलवे द्वारा स्पेशल ट्रेन चलाने की सराहना

डुमरी (ससे): रेल मंत्री द्वारा संसद में दिये गये बयान जिसमें यह बताया कि रेलवे द्वारा स्पेशल ट्रेनों में १२ हजार जेनरल कोच लगाने की बात कही है।जिनका स्वागत क्षेत्र के शिक्षाविद देवेश कुमार देव ने करते हुए कहा कि अभी रेलवे ने बंदे भारत ट्रेन देश के विभिन्न हिस्सों में चला रही है जो विकास के दृष्टिकोण से सराहनीय कदम है।बंदे भारत में यात्रा का किराया बहुत अधिक रखा गया है,जो सुविधा की दृष्टि और सम्पन्न जनता की दृष्टि से जायज हो सकता है किंतु फिर भी ये महंगा साबित हो रहा है।

रेलवे को साधारण ट्रेनों में सफाई और सुविधाओं को बढ़ाना चाहिए्।अधिकांश ट्रेनों में जेनरल डिब्बे एक या दो ही होते हैं जिससे आमजन को भेड़-बकरियों की तरह यात्रा करना पड़ता है जिस कारण मजबूरन रेल यात्री स्लीपर डिब्बे में घुस जाते हैं्।रेलवे को साधारण ट्रेनों की संख्या बढ़ानी चाहिए, एक्सप्रेस ट्रेनों में जेनरल डिब्बों की संख्या में इजाफा करने का निर्णय स्वागतयोग्य है।कहा कि ट्रेनों में साफ सफाई पर विशेष ध्यान देना चाहिए्।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भी आम जनता के सुख सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए रेलवे में सुधार करना चाहिए,विकास के उंचे पारामीटर के साथ साथ आम जनता को खुश करना चाहिए्।

महिला समिति द्वारा कंबल का वितरण

बोकारो (ससे): महिला समिति बोकारो की कार्यकारिणी दल बीएसएल के सी. एस.आर. विभाग के सहयोग से बोकारो के समीप स्थित ग्राम गोड़ाबाली में कंबल का वितरण किया. समिति की अध्यक्षा अनिता तिवारी ने ग्रामवासियों को स्वच्छता का महत्व बताया तथा दैनिक जीवन में इसका पालन कैसे हो समझाते हुए समिति द्वारा उत्पादित साबुन यह कार्यक्रम गांव के मुखिया तथा बीएसएल सीएसआर के वरीय प्रबंधक नीरज त्रिपाठी की मदद से सुचारू रूप से संपन्न हुआ. ग्रामवासियों ने समिति की सभी सदस्याओं का गीत संगीत तथा फूलों से स्वागत किया. इस अवसर पर समिति की उपाध्यक्ष प्रीति शरण,सचिव ऋचा प्रियदर्शिनी, सांस्कृतिक सचिव श्वेता कुमार, कोषाध्यक्ष अभिरुचि प्रिया, उप कोषाध्यक्ष अंजली, सुरभि प्रभारी अनीशा झा, सदस्यीय समिता मोहंती तथा आशा राज मिश्रा उपस्थित रहीं. समिति भविष्य में भी ऐसे नेक कार्य करने को तत्पर है.

युवा कांग्रेस प्रखंड कमिटी की बैठक में मजबूती व संगठन पर विचार

डुमरी (ससे): युवा कांग्रेस प्रखंड कमिटी डुमरी की एक बैठक शुक्रवार को जामतारा पंचायत सचिवालय सभागार में हुई्।अध्यक्षता प्रखण्ड अध्यक्ष कपिल ठाकुर ने किया। बैठक में संगठनात्मक मजबूती व संगठन का विस्तार पंचायत स्तर पर करने पर विचार विमर्श किया गया। वहीं हेमंत सरकार द्वारा पेश किये गए बजट को प्रदेश वासियों के हित में बताया।वक्ताओं ने कहा कि हेमंत सरकार समाज के सभी वर्गों का ख्याल रखती है और यही कारण है कि झारखंड की जनता ने पूर्ण बहुमत से आइएनडीआइए गठबंधन की सरकार बनायी।इस दौरान सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने का निर्णय लिया गया।

बैठक के अंत में सबसे कम उम्र में विश्व शतरंज चैम्पियनशिप का खिताब जीतने वाले गुकेश डोम्मराजू को बधाई दी गई्।बैठक में युवा कांग्रेस के जिला सचिव सरफराज अहमद उर्फ गुड्डु मलिक प्रखण्ड महासचिव सादिक अली,युसूफ अन्सारी, अशीफ अन्सारी, इरशाद अन्सारी, फुलमनी देवी, जहाना खातुन, नूरेशा खातुन,इकबाल अन्सारी, सुधीर कुमार,दीपक जैन,मन्टू कमार,जुगल कमार आदि उपस्थित थे।

17 को होगी जनाक्रोश रैली

डुमरी (ससे): बांग्लादेश में हिन्दू परिवारों के साथ किये जा रहे बर्बरता व नरसंहार के विरुद्ध १७ दिसंबर को क्षेत्र की सामाजिक कार्यकर्ता बबिता जायसवाल अपने दर्जनों समर्थकों के साथ रांगामाटी रेलवे गेट से इसरी बाज़ार होते हुए वनांचल चौक डुमरी तक जन आक्रोश रैली निकालेगी।

इस बाबत उन्होंने एसडीएम को आवेदन दिया है।इधर श्रीमती जायसवाल ने कहा कि हिन्दुओं एवं हिन्दू मंदिरों के साथ बांग्लादेश में जो बर्बरता हो रहा है।उसपर केन्द्र सरकार को कड़े कदम उठाते हुए बांग्लादेश से सारे व्यापारिक रिश्ते समाप्त कर देना चाहिए्।

डीएम ने बीपीएससी के एक अभ्यर्थी को जड़ा थप्पड़

हॉल में ओएमआर शीट और क्वेश्चन पेपर काफी देर से मिला.

पटना (एजेंसी): बिहार लोक सेवा आयोग ने शुक्रवार को ७०वीं संयुक्त प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा २०२४ का आयोजन किया. बिहार के ३६ जिलों में ९०० से अधिक परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा कराई गई. इस बीच पटना के कुम्हरार स्थित बापू परीक्षा भवन में अभ्यर्थियों ने गंभीर आरोप लगाते हुए जोरदार हंगामा किया. अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया कि उनको परीक्षा हॉल में ओएमआर शीट और क्वेश्चन पेपर काफी देर से मिला. कई अभ्यर्थियों ने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें क्वेश्चन पेपर मिला ही नहीं. परीक्षार्थियों ने यह भी आरोप लगाया कि कई अभ्यर्थियों के पास लिखा हुआ आंसर पेपर था. अभ्यर्थियों ने परीक्षा को रद्द करने की मांग की. इस बीच पटना डीएम डॉ चंद्रशेखर सिंह ने एक बीपीएससी अभ्यर्थी को थप्पड़ जड़ दिया. बताया जा रहा है कि परीक्षा केंद्र पर अभ्यर्थी काफी आक्रोशित थे और जिलाधिकारी के समझाने के बावजूद शांत नहीं हो रहे थे. इस कारण चंद्रशेखर भी गुस्से में आ गए और उन्हें एक अभ्यर्थी को थप्पड़ जड़ दिया. परीक्षा को लेकर बीपीएससी अध्यक्ष का कहना है, एग्जाम हुई है. अभी रिपोर्ट ले रहे हैं. थोड़ी देर में इस पर विस्तार से चर्चा करेंगे.

बीपीएससी की परीक्षा में पेपर लीक आ आरोप लगाया जा रहा है और पटना के बापू धाम एग्जाम सेंटर पर इसलिए हंगामा हो रहा था. अभ्यर्थी परीक्षा में धांधली और पेपर लीक के आरोप लगा रहे थे. उनका यह भी आरोप था कि पेपर की सील पहले से खुली हुई थी और पेपर आधे घंटे की देरी से मिला. पटना के डीएम डॉ. चंद्रशेखर मौके पर पहुंचे. उनके लाख समझाने पर भी अभ्यर्थी नहीं मान रहे थे और उनका आक्रोश खत्म नहीं हो रहा था.

मोदी ने अक्षय वट हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना की

वाराणसी (ईएमएस): प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को प्रयागराज के दौरे पर हैं। पीएम यहां करीब ७००० करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन और शुभारंभ किया। पीएम मोदी ने प्रयागराज के अक्षय वट और लेटे हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना की।

लेटे हनुमान मंदिर का काफी प्राचीन मंदिर है। ये प्रयागराज में अकबर के किले के पास गंगा किनारे है। यहां हनुमानजी की २० फीट लंबी दक्षिणाभिमुखी प्रतिमा मौजूद है। ये प्रतिमा जमीन से ७ फीट नीचे बताई जाती है। ये मंदिर ६०० वर्ष पुराना बताया जाता है। बात दें हैं कि लंका पर विजय हासिल करने के बाद हनुमान जी लौटे तो थकान के बाद उन्होंने यहीं विश्राम किया था। वहां यहीं संगम के तट पर गंगा किनारे लेट गए थे। इसकारण इस मंदिर का नाम लेटे हनुमान मंदिर पड़ा।

प्रपत्रVII

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग
(भू–अर्जन निदेशालय),या, समाहर्ता या समुचित सरकार

अधिघोषणा
(अधिनियम –30/2013 की धारा–19(1) के अधीन)

अधिघोषणा संख्या–1695 दिनांक : 10.12.2024
असाधारण अंक सं0–26 दिनांक : 11.12.2024

चूँकि झारखण्ड सरकार/समाहर्ता को यह प्रतीत होता है कि सार्वजनिक प्रयोजनार्थ यथा टासरा ओपन कास्ट परियोजना (SAIL) हेतु ग्राम–आसनबनी, थाना संख्या–192 अंचल– बलियापुर में कुल–41.11 एकड़ यानि–16.64 हेक्टेयर भूमि अपेक्षित है। इसलिए अधिघोषणा किया जाता है कि उपर्युक्त परियोजना के लिए अर्जन के अधीन एक भू–खंड है, जो मानक माप से कमोवेश –41.11 एकड़ यानि –16.64 हेक्टेयर है और जो मौजा–आसनबनी, थाना संख्या –192, अंचल–बलियापुर जिला, धनबाद में है, जिसका विवरण निम्नलिखित है

क्र0	RS	खाता नं0	प्लाट नं0	स्वामित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	प्लाट का रकबा (एकड़ में)	अर्जनाधीन रकबा (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का रकबा (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम	उ0	द0	पु0	प0
348	CS	1	586	निजी	बाईद	0.15	0.15	0.01071	गोपाल बक्शी पिता स्व. मृणाल बक्शी, गायत्री देवी पति स्व. मृणाल बक्शी 1 अंश, पिन्टू बक्शी वो डाल्टू बक्शी वो लाल्टू बक्शी पिता स्व. पियुष कांति बक्शी, श्यामली देवी पति स्व. पीयुष कांति बक्शी 1 अंश, संजीब कांति बक्शी पिता स्व. जुगल किशोर बक्शी 1 अंश	-	588	587	584, 589
349	CS	1	586	निजी	बाईद			0.01071	वंदना सिन्हा पिता स्व. गौर किशोर बक्शी	585	588	587	584, 589
350	CS	1	586	निजी	बाईद			0.01071	अर्पणा घोष पिता स्व. गोपाल बक्शी	585	588	587	584, 589
351	CS	1	586	निजी	बाईद			0.01071	शीला बक्शी पति स्व. सुभाष चन्द्र बक्शी 1 अंश, विकास चन्द्र बक्शी पिता स्व. ननिगोपाल बक्शी 1 अंष	585	588	587	584, 589
352	CS	1	586	निजी	बाईद			0.03214	तुहीन कांति बक्शी पिता स्व. धरापति बक्शी 1 अंश, जगत पति बक्शी पिता स्व.भागवत चन्द्र बक्शी 1 अंश, माधव बक्शी पिता स्व. रक्षाकर बक्शी 1 अंश	585	588	587	584, 589
353	CS	1	586	निजी	बाईद			0.01071	अमितवा बक्शी वो अरूणवा बक्शी पिता स्व.शिवशंकर बक्शी अंश समान	585	588	587	584, 589
354	CS	1	586	निजी	बाईद			0.01071	पार्थ बक्शी पिता स्व.दिलीप बक्शी	585	588	587	584, 589
355	CS	1	586	निजी	बाईद			0.01071	प्रकाश बक्शी वो आकाश बक्शी वो पलाश बक्शी वो प्रणब बक्शी पिता स्व.असीम बक्शी अंश समान	585	588	587	584, 589
356	CS	1	586	निजी	बाईद			0.01071	सोमन बक्शी वो सुमित्रा बक्शी पिता स्व.तोशिक बक्शी अंश समान	585	588	587	584, 589
357	CS	1	586	निजी	बाईद			0.01071	कौशिक बक्शी वो तनिमा बक्शी पिता स्व.प्रबीर बक्शी, मंजूरी देवी पति स्व.प्रबीर बक्शी अंश समान	585	588	587	584, 589
358	CS	1	586	निजी	बाईद			0.01071	जयश्री वो रामाश्री वो रूपाश्री वो दीपा सलूजा पिता स्व. प्रदीप बक्शी अंश समान	585	588	587	584, 589
359	CS	1	586	निजी	बाईद			0.01071	सपन बक्शी पिता स्व.द्विजपद बक्शी	585	588	587	584, 589
360	CS	1	678	निजी	बाईद	0.13	0.13	0.00929	गोपाल बक्शी पिता स्व.मृणाल बक्शी, गायत्री देवी पति स्व. मृणाल बक्शी 1 अंश, पिन्टू बक्शी वो डाल्टू बक्शी वो लाल्टू बक्शी पिता स्व.पियुष कांति बक्शी, श्यामली देवी पति स्व. पीयुष कांति बक्शी 1 अंश, संजीब कांति बक्शी पिता स्व. जुगल किशोर बक्शी 1 अंश	582	676	588, 679	597
361	CS	1	678	निजी	बाईद			0.00929	वंदना सिन्हा पिता स्व. गौर किशोर बक्शी	582	676	588, 679	597
362	CS	1	678	निजी	बाईद			0.00929	अर्पणा घोष पिता स्व. गोपाल बक्शी	582	676	588, 679	597
363	CS	1	678	निजी	बाईद			0.00929	शीला बक्शी पति स्व. सुभाष चन्द्र बक्शी 1 अंश, विकास चन्द्र बक्शी पिता स्व. ननिगोपाल बक्शी 1 अंष	582	676	588, 679	597
364	CS	1	678	निजी	बाईद			0.02786	तुहीन कांति बक्शी पिता स्व. धरापति बक्शी 1 अंश, जगत पति बक्शी पिता स्व. भागवत चन्द्र बक्शी 1 अंश, माधव बक्शी पिता स्व. रक्षाकर बक्शी 1 अंश	582	676	588, 679	597
365	CS	1	678	निजी	बाईद			0.00929	अमितवा बक्शी वो अरूणवा बक्शी पिता स्व. शिव शंकर बक्शी अंश समान	582	676	588, 679	597
366	CS	1	678	निजी	बाईद			0.00929	पार्थ बक्शी पिता स्व. दिलीप बक्शी	582	676	588, 679	597
367	CS	1	678	निजी	बाईद			0.00929	प्रकाश बक्शी वो आकाश बक्शी वो पलाश बक्शी वो प्रणब बक्शी पिता स्व. असीम बक्शी अंश समान	582	676	588, 679	597
368	CS	1	678	निजी	बाईद			0.00929	सोमन बक्शी वो सुमित्रा बक्शी पिता स्व. तोशिक बक्शी अंश समान	582	676	588, 679	597
369	CS	1	678	निजी	बाईद			0.00929	कौशिक बक्शी वो तनिमा बक्शी पिता स्व. प्रबीर बक्शी, मंजूरी देवी पति स्व. प्रबीर बक्शी अंश समान	582	676	588, 679	597
370	CS	1	678	निजी	बाईद			0.00929	जयश्री वो रामाश्री वो रूपाश्री वो दीपा सलूजा पिता स्व. प्रदीप बक्शी अंश समान	582	676	588, 679	597
371	CS	1	678	निजी	बाईद			0.00929	सपन बक्शी पिता स्व. द्विजपद बक्शी	582	676	588, 679	597
372	CS	1	681	निजी	बाईद	0.12	0.12	0.00857	गोपाल बक्शी पिता स्व.मृणाल बक्शी, गायत्री देवी पति स्व. मृणाल बक्शी 1 अंश, पिन्टू बक्शी वो डाल्टू बक्शी वो लाल्टू बक्शी पिता स्व. पियुष कांति बक्शी, श्यामली देवी पति स्व. पीयुष कांति बक्शी 1 अंश, संजीब कांति बक्शी पिता स्व. जुगल किशोर बक्शी 1 अंश	588	675, 673	682	680
373	CS	1	681	निजी	बाईद			0.00857	वंदना सिन्हा पिता स्व. गौर किशोर बक्शी	588	675, 673	682	680
374	CS	1	681	निजी	बाईद			0.00857	अर्पणा घोष पिता स्व. गोपाल बक्शी	588	675, 673	682	680
375	CS	1	681	निजी	बाईद			0.00857	शीला बक्शी पति स्व. सुभाष चन्द्र बक्शी 1 अंश, विकास चन्द्र बक्शी पिता स्व. ननिगोपाल बक्शी 1 अंष	588	675, 673	682	680
376	CS	1	681	निजी	बाईद			0.02571	तुहीन कांति बक्शी पिता स्व. धरापति बक्शी 1 अंश, जगत पति बक्शी पिता स्व. भागवत चन्द्र बक्शी 1 अंश, माधव बक्शी पिता स्व. रक्षाकर बक्शी 1 अंश	588	675, 673	682	680
377	CS	1	681	निजी	बाईद			0.00857	अमितवा बक्शी वो अरूणवा बक्शी पिता स्व. शिव शंकर बक्शी अंश समान	588	675, 673	682	680
378	CS	1	681	निजी	बाईद			0.00857	पार्थ बक्शी पिता स्व. दिलीप बक्शी	588	675, 673	682	680
379	CS	1	681	निजी	बाईद			0.00857	प्रकाश बक्शी वो आकाश बक्शी वो पलाश बक्शी वो प्रणब बक्शी पिता स्व. असीम बक्शी अंश समान	588	675, 673	682	680
380	CS	1	681	निजी	बाईद			0.00857	सोमन बक्शी वो सुमित्रा बक्शी पिता स्व. तोशिक बक्शी अंश समान	588	675, 673	682	680
381	CS	1	681	निजी	बाईद			0.00857	कौशिक बक्शी वो तनिमा बक्शी पिता स्व. प्रबीर बक्शी, मंजूरी देवी पति स्व. प्रबीर बक्शी अंश समान	588	675, 673	682	680
382	CS	1	681	निजी	बाईद			0.00857	जयश्री वो रामाश्री वो रूपाश्री वो दीपा सलूजा पिता स्व. प्रदीप बक्शी अंश समान	588	675, 673	682	680
383	CS	1	681	निजी	बाईद			0.00857	सपन बक्शी पिता स्व. द्विजपद बक्शी	588	675, 673	682	680
384	CS	3	572	निजी	बाईद	0.34	0.34	0.34	दिपांकर चक्रवर्ती पिता स्व. अमिताभ चक्रवर्ती, अनिता चक्रवर्ती पति स्व. अमिताभ चक्रवर्ती अंश समान	571	596, 597	595, 594	570
385	CS	4	547	निजी	बाईद	0.09	0.09	0.045	श्रीपति मल्लिक पिता स्व.दुखू मल्लिक 1 अंश, महीलाल मल्लिक वो कांतिलाल मल्लिक वो भागवत मल्लिक पिता स्व.मोतीलाल मल्लिक 1 अंश समान	546	548	रास्ता	545, 550
386	CS	4	547	निजी	बाईद			0.045	सतीश मल्लिक वो गति मल्लिक पिता स्व.गोष्टो मल्लिक अंश समान	546	548	रास्ता	545, 550
387	CS	4	576	निजी	बाईद	0.01	0.01	0.005	श्रीपति मल्लिक पिता स्व.दुखू मल्लिक 1 अंश, महीलाल मल्लिक वो कांतिलाल मल्लिक वो भागवत मल्लिक पिता स्व. मोतीलाल मल्लिक 1 अंश समान	574, 575	582	575	581
388	CS	4	576	निजी	बाईद			0.005	सतीश मल्लिक वो गति मल्लिक पिता स्व. गोष्टो मल्लिक अंश समान	574, 575	582	575	581
389	CS	4	579	निजी	बाईद	0.07	0.07	0.035	श्रीपति मल्लिक पिता स्व.दुखू मल्लिक 1 अंश, महीलाल मल्लिक वो कांतिलाल मल्लिक वो भागवत मल्लिक पिता स्व. मोतीलाल मल्लिक 1 अंश समान	577	593, 581	577, 580	593
390	CS	4	579	निजी	बाईद			0.035	सतीश मल्लिक वो गति मल्लिक पिता स्व. गोष्टो मल्लिक अंश समान	577	593, 581	577, 580	593
391	CS	4	594	निजी	बाईद	0.03	0.03	0.015	श्रीपति मल्लिक पिता स्व.दुखू मल्लिक 1 अंश, महीलाल मल्लिक वो कांतिलाल मल्लिक वो भागवत मल्लिक पिता स्व. मोतीलाल मल्लिक 1 अंश समान	593	595	581, 592	572
392	CS	4	594	निजी	बाईद			0.015	सतीश मल्लिक वो गति मल्लिक पिता स्व. गोष्टो मल्लिक अंश समान	593	595	581, 592	572
393	CS	4	596	निजी	बाईद	0.02	0.02	0.01	श्रीपति मल्लिक पिता स्व.दुखू मल्लिक 1 अंश, महीलाल मल्लिक वो कांतिलाल मल्लिक वो भागवत मल्लिक पिता स्व. मोतीलाल मल्लिक 1 अंश समान	572	597	595, 592	597
394	CS	4	596	निजी	बाईद			0.01	सतीश मल्लिक वो गति मल्लिक पिता स्व. गोष्टो मल्लिक अंश समान	572	597	595, 592	597
395	CS	9	559	निजी	बाईद	0.06	0.06	0.06	नकुल महतो वो अनिल महतो पिता स्व. बहादूर महतो	557, 558	570, 571	रास्ता	560
396	CS	9	560	निजी	बाईद	0.10	0.10	0.10	नकुल महतो वो अनिल महतो पिता स्व. बहादूर महतो	557	562, 566	559	566
397	CS	9	582	निजी	बाईद	0.22	0.22	0.22	किष्टो पदो महतो पिता स्व. राम महतो	575, 576	588, 678	591, 590	581, 592
398	CS	9	588	निजी	बाईद	0.14	0.14	0.14	किष्टो पदो महतो पिता स्व. राम महतो	586, 589	678, 679	587, 682	582
399	CS	9	597	निजी	बाईद	0.35	0.35	0.35	किष्टो पदो महतो पिता स्व. राम महतो	596, 572, 570	598, 676	678, 592, 582	562
400	CS	10	567	निजी	पुरातन पतित	0.03	0.03	0.01	राजकिशोर महतो वो अभिषेक महतो पिता स्व.बृजकिशोर महतो, उषारानी महताईन पति स्व.बृजकिशोर महतो 1 अंश समान, श्यामापद महतो वो शक्तिपद महतो वो मुरलीधर महतो वो विमला देवी पिता स्व.दालगोविंद महतो 1 अंश समान, हरेकृष्ण महतो वो रामकृष्ण महतो पिता स्व. रमेशचन्द्र महतो 1 अंश समान	568	565	570	566
401	CS	10	567	निजी	पुरातन पतित			0.01	मानिक चन्द्र महतो पिता स्व. हान्दू महतो	568	565	570	566
402	CS	10	567	निजी	पुरातन पतित			0.01	सतीश चन्द्र महतो वो दिनेश चन्द्र महतो पिता स्व. खांदू महतो 1 अंश समान, ज्योतिलाल महतो वो विजय कुमार महतो वो संजय कुमार महतो पिता स्व. जोधन महतो 1 अंश समान	568	565	570	566
403	CS	12	552	निजी	बाईद	0.16	0.16	0.02667	संजीव कांति बक्शी पिता स्व. जुगल किशोर बक्शी 1 अंश, गोपाल कांति बक्शी पिता स्व. मृणाल कांति बक्शी, गायत्री बक्शी पति स्व.मृणाल कांति बक्शी 1 अंश, पिन्टू बक्शी वो लाल्टु बक्शी वो डाल्टु बक्शी पिता स्व.पीयुष कांति बक्शी, श्यामली बक्शी पति स्व.पीयुष कांति बक्शी 1 अंश समान	548	610	553, 554, 549	610
404	CS	12	552	निजी	बाईद			0.02667	निमई मल्लिक वो सुन्दर मल्लिक वो मोती मल्लिक वो प्रकाश मल्लिक पिता स्व.हारू मल्लिक, चपला देवी पति स्व. हारू मल्लिक अंश समान	548	610	553, 554, 549	610
405	CS	12	552	निजी	बाईद			0.02667	बहादूर मल्लिक वो बेदू मल्लिक पिता स्व.रशिक मल्लिक, अंश समान	548	610	553, 554, 549	610
406	CS	12	552	निजी	बाईद			0.02667	माधो मल्लिक पिता स्व.कृतन मल्लिक, आदरी देवी पति स्व.कृतन मल्लिक 1 अंश समान, मन्टु मल्लिक पिता स्व. जग्गू मल्लिक 1 अंश	548	610	553, 554, 549	610
407	CS	12	552	निजी	बाईद			0.05333	घुंघूर मल्लिक वो दिगम्बर मल्लिक वो सुखदेव मल्लिक माता स्व.साहनी मल्लिक, अंश समान	548	610	553, 554, 549	610
408	CS	12	553	निजी	मोटा आड़	0.02	0.02	0.00333	संजीव कांति बक्शी पिता स्व. जुगल किशोर बक्शी 1 अंश, गोपाल कांति बक्शी पिता स्व. मृणाल कांति बक्शी, गायत्री बक्शी पति स्व. मृणाल कांति बक्शी 1 अंश, पिन्टू बक्शी वो लाल्टु बक्शी वो डाल्टु बक्शी पिता स्व. पीयुष कांति बक्शी, श्यामली बक्शी पति स्व. पीयुष कांति बक्शी 1 अंश समान	552	610	554	552
409	CS	12	553	निजी	मोटा आड़			0.00333	निमई मल्लिक वो सुन्दर मल्लिक वो मोती मल्लिक वो प्रकाश मल्लिक पिता स्व. हारू मल्लिक, चपला देवी पति स्व. हारू मल्लिक अंश समान	552	610	554	552
410	CS	12	553	निजी	मोटा आड़			0.00333	बहादूर मल्लिक वो बेदू मल्लिक पिता स्व. रशिक मल्लिक, अंश समान	552	610	554	552
411	CS	12	553	निजी	मोटा आड़			0.00333	माधो मल्लिक पिता स्व. कृतन मल्लिक, आदरी देवी पति स्व. कृतन मल्लिक 1 अंश समान, मन्टु मल्लिक पिता स्व. जग्गू मल्लिक 1 अंश	552	610	554	552
412	CS	12	553	निजी	मोटा आड़			0.00667	घुंघूर मल्लिक वो दिगम्बर मल्लिक वो सुखदेव मल्लिक माता स्व. साहनी मल्लिक, अंश समान	552	610	554	552

यह अधिघोषणा हितबद्ध व्यक्तियों की आपत्तियों के सुनने और अधिनियम संख्या–30/2013 की धारा 15 में प्रदत्त यथा उपबंधित सम्यक जाँच के पश्चात किया गया है। भूमि अर्जन के कारण पुनर्व्यवस्थापन के लिए संभावित परिवारों की संख्या जिनके लिए पुनर्व्यवस्थापन के क्षेत्र चिन्हित किये गए है, जिसका संक्षित विवरण निम्नवत है :– (लागू नहीं है)

कुल प्रभावित परिवारों की संख्या–484 पुनर्व्यवस्थापन क्षेत्र–आसनबनी, मौजा संख्या–192, अंचल–बलियापुर, धनबाद में क्षेत्रफल 41.11 एकड़ यानि 16.64 हेक्टेयर भूमि चिन्हित की गई है। जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, धनबाद के कार्यालय में किसी कार्य दिवस के दिन भूमि योजना का निरीक्षण किया जा सकता है।

पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन(R&R)योजना के सार नीचे दिए गए है

क्रं.	पुनर्व्यवस्थापन हकदारी के तत्व	हकदारी/उपबंध
1.	वार्षिकी या नियोजन का विकल्प	दो एकड़ जमीन के अधिग्रहण के एवज में प्रभावित कुटुम्ब के एक सदस्य का SAIL में नियोजन। या प्रति प्रभावित कुटुम्ब पांच लाख रूपये का एक बारगी संदाय। या प्रति प्रभावित कुटुंब वार्षिकी के रूप में 2,000 रूपये प्रतिमाह की दर से बीस वर्षों तक संदाय
2.	एक बारगी पुनर्व्यवस्थापन भत्ता	प्रत्येक प्रभावित कुटुम्ब को पचास हजार रूपये का एक बारगी पुनर्व्यवस्थापन भत्ता दिया जायेगा।

परियोजना हेतु स्वीकृत R&R योजना के तहत् पुनर्व्यवस्थापन हकदारियों की गणना कर पुनर्व्यवस्थापन की हकदारियों का चयन किया जा सकता है।

ह0/–
उपायुक्त, धनबाद

PR 341937 Land Reforms(24-25)#D

जेडीयू नेता के बेटे से रंगदारी व जान से मारने की धमकी

सहरसा (एजेंसी): बिहार में अपराधियों का आतंक दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है. सहरसा में अपराधियों ने जेडीयू नेता के बेटे से २५ लाख रंगदारी की मांग की है. पैसे नहीं देने पर कारोबारी शुभम कुमार को जान से मारने की भी धमकी दी है.

इस संबंध में शुभम ने सदर थाना में शिकायत दर्ज करवाई है. उन्होंने कोसी क्षेत्र के डीआईजी और सहरसा एसपी को भी आवेदन भेजकर मदद की गुहार लगाई है. शुभम कुमार ने थाना में दर्ज शिकायत में बताया है कि गुरुवार की अहले सुबह वह अपने भाई को सहरसा रेलवे स्टेशन पहुंचाने जा रहे थे. इसी बीच एक सफेद रंग की कार उनके घर के पास आकर रूकी. उसमें चार-पांच लोग बैठे थे. सभी ने शुभम के साथ गाली-गलौज की. साथ ही उनलोगों ने उससे कहा कि २५ लाख की रंगदारी दो, नहीं तो जान से मार देंगे. इसके बाद डरे-सहमे उसने किसी तरह अपने भाई को स्टेशन पहुंचाया. इसके बाद थाना आकर शिकायत की.

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, चास

रद्द सूचना

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि ई0–निविदा सूचना संख्या–(चास) 01/2024–25 दिनांक 05.06.2024 जिसका PR 325458 Drinking Water and Sanitation (24-25)_D के निविदा को अपरिहार्य कारणवश रद्द किया जाता हैं।

कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, चास

PR 341924 (Drinking Water and Sanitation)24-25*D

झारखण्ड सरकार
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल तेनुघाट

सूचना

इस प्रमंडल द्वारा प्रकाशित अति–अल्पकालिन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या– DWSD/Tenughat/ 01/ 2024-25 (1st Call) दिनांक 16/07/2024 जिसका पी0आर0 संख्या 329912 है को अपरिहार्य कारणवश रद्द किया जाता है।

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल तेनुघाट

PR 341921 (Drinking Water and Sanitation)24-25*D

जिला स्वास्थ्य समिति जामताड़ा

Short Tender Notice
REQUEST FOR PROPOSAL

District Health Society, Jamtara Jharkhand invite Tender from eligible bidder for rate contract and supply of Stationeries and related Materials as enclosed in Annexture F and Annexure G. The purpose of this tender is so solicit competitive bids from eligible suppliers capable of providing high-quality materials.

Submission of the bid through Speed post/Registered post/By Courier only to the address as specified above during office hours only. Any other mode or late Submission of bids will be rejected.

For further information regarding terms and conditions please visit our website, www.jamtara.nic.in.

In case of any Addendum/Clarification/ Corrigendum/ Extension regarding this Quotation Call Notice, the same will be published in the above website.

Fact Sheet

Sl.No.	Particular	Details
a.	Name of the work	Supply of Stationeries and related Materials for DHS JAMTARA
b.	Availability of RFP document at	www.Jamtara.nic.in
c.	Date of issue of RFP	12/12/2024
d.	Last Date for submission of proposal	27/12/2024 at 02:00 PM
e.	Date of openingn of Technical Proposal	27/12/2024 at 03:50 PM
f.	Date of opening of Financial Proposal	AFTER FINALIZING TECHNICAL PROPOSAL
g.	Time allowed for completion	15 days from the date of the work order.
h.	Earnest money deposit (EMD) (Refundable)	INR 25,000/- (Rupees Twenty Five Thousand Only) in the form of a Demand Draft drawn in favour of "District Rural Health Society, RCH Flexipool"drawing any Scheduled Bank payable at Jamtara. The bid EMD fee shall be submitted in 1st inner Envelope of the Technical Proposal in Original.
i	Tender Document Fee (Non – Refundable)	Rs. 1000/- (Rupees One Thousand Only)) in the form of a Demand Draft drawn in favour of "District Rural Health Society, RCH Flexipool"drawing any Scheduled Bank payable at Jamtara.
J	Address at which the tenders are to be submitted:	Office of the Civil Surgeon-Cum-Secretary, DHS Jamtara, Jharkhand.

Note:- The Specified date and time may change due to the declaration of holidays or other unforeseen Circumstances. The same shall be informed by the web portal as and when required.

ह0/–
Civil Surgeon-Cum- Secretary,
District Health Society, Jamtara.

PR 341979 Health Med Edu and Family Welfare(24-25).D

उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, जामताड़ा (जिला खेल शाखा)

"Free Residential 5 Days - Training Programme for 1. Tour Operators 2. Tourist Transport Operators 3. Travel Agents"

निःशुल्क प्रशिक्षण हेतु विज्ञापन

पर्यटन विभाग, झारखंड सरकार, पर्यटन उद्योग में पेशेवरों के कौशल और विशेषज्ञता को बढ़ाने के उद्देश्य से 05–दिवसीय विशेष निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए आवेदन आमंत्रित करता है। यह कार्यक्रम टूर ऑपरेटरों (Tour Operator), पर्यटक परिवहन ऑपरेटरों (Tourist Transport Operator) और ट्रैवल एजेंटों (Travel Agent) पर केंद्रित है, जो पर्यटन सेवा में उत्कृष्टता को बढ़ावा देता है और झारखंड में पर्यटन क्षेत्र के विकास में योगदान देता है। पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग, झारखण्ड सरकार द्वारा इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट (आईएचएम) रांची, ब्राम्बे, रांची के सहयोग से प्रशिक्षण के लिए इच्छुक अभ्यर्थी जिनकी आयु दिनांक–15.09.2024 को न्यूनतम 18 वर्ष एवं अधिकतम 50 वर्ष के मध्य हो, के प्रशिक्षण हेतु इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट (आईएचएम) रांची, ब्राम्बे, रांची "Free Residential 5-Day Training Program for 1. Tour Operators 2. Tourist Transport Operators 3. Travel Agents" कार्यक्रम आयोजित किया जाना है, प्रशिक्षण हेतु आवेदन निःशुल्क है।

प्रशिक्षण की शुरूआत माह जनवरी, 2025 के प्रथम सप्ताह में संभावित है, प्रशिक्षण का कार्यक्रम एवं कोर्स की विवरणी निम्नवत् है :–

Schedule

SL. No.	Month	Name of Residential Course
1	January	5-day Specialized Training Program- Tour Operator
2		5-day Specialized Training Program- Tourist Transport Operator
3		5-day Specialized Training Program- Travel Agent

- ➢ इच्छुक अभ्यर्थी केवल 01 (एक) आवेदन विहित प्रपत्र में योग्यता के अनुसार प्रशिक्षण का चयन कर आवश्यक कागजात संलग्न करते हुए पर्यटन निदेशालय, झारखण्ड, राधी को उपलब्ध करायेंगे।
- ➢ यह पूर्णतः निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण है, अभ्यार्थी के रहने एवं भोजन की सुविधा प्रदान की जाएगी उक्त प्रशिक्षण के समाप्ति पर सफल उम्मीदवारों को इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट (आईएचएम) रांची, ग्राम्बे, रांची संस्थान द्वारा प्रदत Certificate दिया जाएगा।
- ➢ 1. टूर ऑपरेटरों के लिए, शैक्षणिक योग्यता अंग्रेजी भाषा की बुनियादी समझ के साथ किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड या संस्थान से न्यूनतम 12वीं कक्षा उत्तीर्ण।
- ➢ 2. पर्यटक परिवहन ऑपरेटरों के लिए, शैक्षणिक योग्यता किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड या संस्थान से अंग्रेजी या हिंदी के बुनियादी ज्ञान के साथ न्यूनतम 10वीं कक्षा उत्तीर्ण।
- ➢ 3. ट्रैवल एजेंटों के लिए, शैक्षणिक योग्यता अंग्रेजी भाषा की बुनियादी समझ के साथ किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड या संस्थान से न्यूनतम 12वीं कक्षा उत्तीर्ण।
- ➢ प्रमाणीकरण और मूल्यांकन सीखने का परिणाम सुनिश्चित करने के लिए पाठ्यक्रम के अंत में एक लिखित मूल्यांकन परीक्षा आयोजित की जाएगी। सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा करने वाले अभ्यर्थियों को प्रमाणपत्र से सम्मानित किया जाएगा।
- ➢ प्रशिक्षण के लिए योग्य उम्मीदवारों को विहित प्रपत्र में आवेदन देना होगा। प्रत्येक बैच के लिए अधिकतम 30 सीटें उपलब्ध हैं। प्रशिक्षण के लिए उम्मीदवारों का चयन सुबह 8 बजे से 9:30 बजे के बीच रिपोर्टिंग संस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट (आईएचएम) रांची, बाम्बे रांची पर पर **"पहले आये पहले पाये"** (First Come First Serve) आधार पर किया जाएगा।
- ➢ साधारण डाक/निबंधित डाक / स्पीड पोस्ट /अथवा व्यक्तिगत रूप से हाथो हाथ आवेदन समर्पित करने अथवा Google form के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन जमा करने (जिसका लिंक विभागीय वेब साईट (https://tourism-jharkhand-gov-in) से प्राप्त कर सकते हैं) की अंतिम तिथि 30 दिसम्बर 2024 है।
- ➢ अभ्यर्थी आवेदन प्रपत्र (Application Form) एंव अन्य सम्बंधित जानकारियां विभागीय वेब साईट **(https://tourism-jharkhand-gov-in)** से डाउनलोड कर सकते हैं।
- ➢ अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण तिथि की सूचना जमा आवेदन में लिखे संपर्क नंबर पर दी जाएगी।
- ➢ **अभ्यर्थी के चयन में निम्न शर्तों का अनुपालन किया जायेगा :–**

(1) अभ्यर्थी को हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में लिखने एवं पढ़ने की योग्यता वांछनीय है।

ह0/–
जिला क्रीड़ा पदाधिकारी–सह–
पर्यटन नोडल पदाधिकारी,
जामताड़ा।

PR 341985 (Tourism, Art Culture Sports And Youth Affairs) 24-25 (D)

निरसा को जल्द मिलेगा अनुमंडल का दर्जा : अरूप चटर्जी

निरसा (ससे) : निरसा विधायक अरूप चटर्जी ने झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र के चौथे दिन गुरुवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर निरसा को अनुमंडल का दर्जा की मांग से संबंधित ज्ञापन सौंपा. सीएम ने इस दिशा में त्वरित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया. ज्ञात हो कि अरूप चटर्जी के निरसा को

तीन प्रखंडों में विभक्त करने के सार्थक प्रयास के कारण ही निरसा, केलियासोल व एगारकुण्ड प्रखंड बना. तीनों वहीं, चिरकुण्डा नगर परिषद क्षेत्र को लेकर यहां की सघन अबादी, औद्योगिक क्षेत्र, ग्रैंड कार्ड रेलवे लाइन,एनएच-२ के साथ-साथ पश्चिम बंगाल का सीमांचल क्षेत्र होने के कारण इन क्षेत्रों में आए दिन विधि-व्यव्स्था की समस्याओं पर रोकथाम के लिए निरसा को अनुमंडल व पुलिस अनुमंडल बनाने का प्रस्ताव राज्य सरकार के पास रखा गया था.

निरसा पुलिस अनुमंडल तो बन गया, लेकिन पिछले लगभग ११ वर्षों से निरसा को अनुमंडल बनाने का प्रस्ताव लंबित है।

अरूप चटर्जी ने बताया कि निरसा को अनुमंडल बनाने की दिशा में २१ जुलाई २०१४ को धनबाद के तत्कालीन डीसी प्रशांत कुमार की अध्यक्षता ने बैठक हुई थी.

बैठक में कागजी प्रक्रिया पूरी कर निरसा को अनुमंडल का दर्जा देने का प्रस्ताव सरकार के पास भेज दिया गया था, लेकिन मामला अधर में लटका रहा. अब सरकार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आश्वासन दिया है कि बहुत जल्द कागजी प्रकिया पूरी कर निरसा को अनुमंडल का दर्जा दे दिया जाएगा।

झारखण्ड सरकार, कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग
जिला गव्य विकास कार्यालय, धनबाद

आम सूचना

वित्तीय वर्ष:– 2024–25 से 2025–26 की अवधि के तहत् ग्रामीण क्षेत्र के लिए अनुदान–सह–बैंक ऋण/लाभुक अंशदान (समान्य जाति के लिए 25%अनुदान तथा अनूसूचित जाति/ अनूसूचित जनजाति के लिए 33.33% अनुदान) पर कामधेनु डेयरी फार्मिंग योजनान्तर्गत इच्छुक व्यक्तिगत लघ उद्यमियों/ युवा शिक्षित बेरोजगारों/ स्वंय सहायता समूह के सदस्यों/ प्रगतिशील पशुपालकों को अनुदानित दर पर 50 गाय/ भैंस कि योजना हेतु "इच्छा की अभिव्यक्ति" के माध्यम से सूचित किया जाता है कि कार्यालय से निः शुल्क आवेदन पत्र प्राप्त कर तथा पूर्ण रूपेण भरे हुए आवेदन पत्र संबंधित ग्राम पंचायत की अनुशंसा उपरान्त वांछित दस्तावेज की प्रति संलग्न कर जिला गव्य विकास कार्यालय, धनबाद में दिनांक–31 दिसम्बर 2024 के अपराह्न 04:00 बजे तक जमा करने हेतु आमंत्रित किया जाता है।

क्र0 सं0	योजना का नाम	परियोजना लागत	लाभुक वर्ग	अनुदान	बैंक ऋण	लाभुक अंशदान	प्रथम चरण		द्वितीय चरण	
							अनुदान	बैंक ऋण/ लाभुक अंशदान	अनुदान	बैंक ऋण/ लाभुक अंशदान
01.	कामधेनु डेयरी फार्मिंग (50गाय/भैंस)	3976250	समान्य जाति (25%)	994063	2584562	397625	575938	1727812	418125	1254375
			अनूसूचित जाति / अनूसूचित जनजाति (33.33%)	1325285	2253340	397625	767841	1535909	557444	1115056

अहर्ता/नियम व शर्तें :–

- इस योजना के अन्तर्गत लाभुकों का चयन उपायुक्त महोदय की अध्यक्षता वाली गठित जिला स्तरीय समिति द्वारा किया जाएगा।
- इस योजनान्तर्गत लघु उद्यमियों/ युवा शिक्षित बेरोजगारों/ स्वंय सहायता समूह के सदस्यों/ प्रगतिशील पशुपालकों को दुधारू मवेशी वितरण का क्रियान्वयन अनुदान–सह–लाभुक अंशदान / बैंक ऋण पर किया जायेगा।
- कामधेनु डेयरी फार्मिंग योजना का क्रियान्वयन हेतु दुधारू मवेशी का क्रय 6 माह के अंतराल पर दो चरणों में किया जाएगा।
- लाभुक द्वारा दुधारू पशुओं का क्रय गव्य विकास निदेशालय से निबंधित/सूचीबद्ध पशु विक्रेता से किया जाएगा।
- इस योजनान्तर्गत स्वीकृत अनुदान राशि ऋण प्रदायी बैंकों से प्राप्त क्लेम बिल के आधार पर की जायेगी तथा इसका भुगतान संबंधित बैंकों को की जायेगी। अनुदान राशि Back Ended Subsidy होगी।
- इस योजना अन्तर्गत लाभुक द्वारा कार्योपरान्त अनुदान राशि उपलब्ध कराने हेतु दावा विपत्र दुधारू पशु एवं अन्य कम्पोनेन्ट के संम्पन्न कार्य का फोटोग्राफ के साथ अधोहस्ताक्षरी कार्यालय को उपलब्ध कराना होगा।
- धनबाद जिलान्तर्गत मिल्क फेड के कार्यक्षेत्र में चिन्हित दुग्ध पथों के इर्द–गिर्द कामधेनु डेयरी फार्मिंग को प्राथमिकता के आधार पर क्रियान्वित किया जायेगा।

जिला गव्य विकास पदाधिकारी
धनबाद

PR 341955 Animal Husbandry (24-25)_D

प्रपत्र VII
राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग (भू–अर्जन निदेशालय) या समाहर्ता या समुचित सरकार

अधिघोषणा
(अधिनियम –30/2013 की धारा–19(1) के अधीन)

अधिघोषणा संख्या–1695 दिनांक : 10.12.2024
असाधारण अंक सं0–26 दिनांक : 11.12.2024

चूँकि झारखण्ड सरकार/समाहर्ता को यह प्रतीत होता है कि सार्वजनिक प्रयोजनार्थ यथा टासरा ओपन कास्ट परियोजना (SAIL) हेतु ग्राम–आसनबनी,थाना संख्या–192 अंचल– बलियापुर में कुल–41.11 एकड़ यानि–16.64 हेक्टेयर भूमि अपेक्षित है। इसलिए अधिघोषणा किया जाता है कि उपर्युक्त परियोजना के लिए अर्जन के अधीन एक भू–खंड है, जो मानक माप से कमोवेश–41.11 एकड़ यानि–16.64 हेक्टेयर है और जो मौजा–आसनबनी, थाना–संख्या –192, अंचल–बलियापुर जिला, धनबाद में है, जिसका विवरण निम्नलिखित है

क्र0	RS	खाता नं0	प्लाट नं0	स्वामित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	प्लाट का रकबा (एकड़ में)	अर्जनाधीन रकबा (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का रकबा (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम	उ0	द0	पु0	प0
1	RS	2	548	निजी	कनाली	0.08	0.08	0.08	आनंद महतो वो विनोद महतो पिता स्व.दरबारी महतो अंश समान	545, 546	551	549	547
2	RS	2	564	निजी	कनाली	0.04	0.04	0.04	आनंद महतो वो विनोद महतो पिता स्व.दरबारी महतो अंश समान	562, 563	553	562, 565	554
3	RS	2	566	निजी	कनाली	0.03	0.03	0.03	आनंद महतो वो विनोद महतो पिता स्व.दरबारी महतो अंश समान	565	572	572	567
4	RS	2	679	निजी	बहाल	0.97	0.97	0.97	आनंद महतो वो विनोद महतो पिता स्व.दरबारी महतो अंश समान	605, 669,	684, 685	669, 677,	604,
5	RS	3	557	निजी	कनाली	0.05	0.05	0.05	आनंद महतो वो विनोद महतो पिता स्व.दरबारी महतो अंश समान	543	556	558	549
6	RS	11	550	निजी	कनाली	0.02	0.02	0.02	भोलानाथ महतो वो हलधर महतो पिता स्व. किष्टो महतो अंश समान	549	556	556	551
7	RS	11	552	निजी	कनाली	0.11	0.11	0.11	भोलानाथ महतो वो हलधर महतो पिता स्व. किष्टो महतो अंश समान	551	553, 554	555, 556	रास्ता
8	RS	11	565	निजी	कनाली	0.10	0.10	0.10	भोलानाथ महतो वो हलधर महतो पिता स्व. किष्टो महतो अंश समान	562	566, 567	580, 581	567, 553,
9	RS	12	675	निजी	कनाली	0.05	0.05	0.05	भोलानाथ महतो वो हलधर महतो पिता स्व. किष्टो महतो अंश समान	672	724	673, 674	676
10	RS	19	723	निजी	टांड 2	0.22	0.22	0.22	सागर महतो पिता स्व. मन्टु महतो, काजल देवी पति स्व. मन्टु महतो 1 अंश, संतोष महतो पिता स्व. गोउर महतो 1 अंश	724	722	725	680
11	RS	22	310	निजी	कनाली	0.02	0.02	0.01	अरूण महतो वो सुनील महतो पिता स्व.हराधन महतो अंश समान	309	313	311	रास्ता
12	RS	22	310	निजी	कनाली			0.01	हरीपद महतो पिता स्व. जोगिन्दर महतो	309	313	311	रास्ता
13	RS	22	313	निजी	कनाली	0.13	0.13	0.065	अरूण महतो वो सुनील महतो पिता स्व.हराधन महतो अंश समान	310	315	312, 314	रास्ता
14	RS	22	313	निजी	कनाली			0.065	हरीपद महतो पिता स्व. जोगिन्दर महतो	310	315	312, 314	रास्ता
15	RS	22	316	निजी	कनाली	0.07	0.07	0.02333	निरंजन महतो पिता स्व. चेतू महतो	315	317	317, 319	रास्ता
16	RS	22	316	निजी	कनाली			0.02333	जानकी महतो वो आनंद महतो पिता स्व.बेनू महतो अंश समान	315	317	317, 319	रास्ता
17	RS	22	316	निजी	कनाली			0.02333	धीरेन महतो वो हीरालाल महतो पिता स्व. शोभा महतो अंश समान	315	317	317, 319	रास्ता
18	RS	22	317	निजी	कनाली	0.08	0.08	0.08	अजीत महतो वो सुजीत महतो वो रंजीत महतो पिता स्व. दरकू महतो अंश समान	316, 319	544	318, 543	रास्ता
19	RS	22	318	निजी	कनाली	0.04	0.04	0.01333	चक्रधर महतो पिता स्व. किशन महतो	319	543	320, 321	317
20	RS	22	318	निजी	कनाली			0.01333	विरेन्द्र महतो वो राजेन्द्र महतो वो धनन्जय महतो वो पूर्णिमा देवी पिता स्व.बिष्णु महतो, मालती देवी पति बिष्णु महतो अंश समान	319	543	320, 321	317
21	RS	22	318	निजी	कनाली			0.01333	षषि महतो पिता स्व. रवि महतो	319	543	320, 321	317
22	RS	22	319	निजी	कनाली	0.08	0.08	0.08	अशोक महतो वो शक्तिपद महतो वो संजय महतो पिता स्व. देवदास महतो अंश समान	314, 325	317, 318	324	315, 316
23	RS	22	320	निजी	कनाली	0.02	0.02	0.01	अरूण महतो वो सुनील महतो पिता स्व.हराधन महतो अंश समान	319	321	323, 324	318
24	RS	22	320	निजी	कनाली			0.01	हरीपद महतो पिता स्व. जोगिन्दर महतो	319	321	323, 324	318
25	RS	22	544	निजी	बाईद	0.03	0.03	0.006	बबीता कुमारी वो चम्पा देवी पिता स्व.नेपाल महतो, लीलावती देवी पति स्व.नेपाल महतो अंश समान	317	545, 546	543	रास्ता
26	RS	22	544	निजी	बाईद			0.024	हलधर महतो वो सुरेश महतो वो जलधर महतो वो विजय महतो पिता स्व. मोढ़ीराम उर्फ गोविन्द महतो, विलाती देवी पति मोढ़ीराम उर्फ गोविन्द महतो अंश समान	317	545, 546	543	रास्ता
27	RS	22	545	निजी	बाईद	0.03	0.03	0.03	अहलाद महतो वो गणेश महतो पिता स्व. कालीचरण महतो 1अंश, शिवचरण महतो पिता स्व.गोविन्द महतो 1 अंश	544	548	543	546
28	RS	22	546	निजी	बाईद	0.03	0.03	0.03	अशोक महतो वो शक्तिपद महतो वो संजय महतो पिता स्व. देवदास महतो अंश समान	544	547, 548	545	रास्ता
29	RS	22	549	निजी	कनाली	0.10	0.10	0.10	अहलाद महतो वो गणेश महतो पिता स्व. कालीचरण महतो 1अंश, शिवचरण महतो पिता स्व.गोविन्द महतो 1 अंश	545, 543	550	543, 557	548
30	RS	22	553	निजी	कनाली	0.07	0.07	0.07	राजकिशोर महतो पिता स्व.सीताराम महतो	552, 554	567, 568	564, 565	रास्ता
31	RS	22	558	निजी	कनाली	0.04	0.04	0.04	अहलाद महतो वो गणेश महतो पिता स्व. कालीचरण महतो 1अंश, शिवचरण महतो पिता स्व.गोविन्द महतो 1 अंश	543	561	559, 560	556, 557
32	RS	22	560	निजी	कनाली	0.06	0.06	0.06	अशोक महतो वो शक्तिपद महतो वो संजय महतो पिता स्व.देवदास महतो अंश समान	559	582	583	558, 561
33	RS	22	561	निजी	कनाली	0.03	0.03	0.03	विजय महतो वो अजय महतो पिता स्व0 महाबीर महतो अंश समान	558	562	560	556, 563
34	RS	22	562	निजी	कनाली	0.04	0.04	0.02	अरूण महतो वो सुनील महतो पिता स्व.हराधन महतो अंश समान	561	565	560, 582	563, 564
35	RS	22	562	निजी	कनाली			0.02	हरीपद महतो पिता स्व.जोगिन्दर महतो	561	565	560, 582	563, 564
36	RS	22	563	निजी	कनाली	0.01	0.01	0.002	बबीता कुमारी वो चम्पा देवी पिता स्व. नेपाल महतो, लीलावती देवी पति स्व. नेपाल महतो अंश समान	556	564	561, 562	554, 555
37	RS	22	563	निजी	कनाली			0.008	हलधर महतो वो सुरेश महतो वो जलधर महतो वो विजय महतो पिता स्व. मोढ़ीराम उर्फ गोविन्द महतो, विलाती देवी पति मोढ़ीराम उर्फ गोविन्द महतो अंश समान	556	564	561, 562	554, 555
38	RS	22	568	निजी	कनाली	0.06	0.06	0.012	बबीता कुमारी वो चम्पा देवी पिता स्व. नेपाल महतो, लीलावती देवी पति स्व. नेपाल महतो अंश समान	553	569	567	रास्ता
39	RS	22	568	निजी	कनाली			0.048	हलधर महतो वो सुरेश महतो वो जलधर महतो वो विजय महतो पिता स्व. मोढ़ीराम उर्फ गोविन्द महतो, विलाती देवी पति मोढ़ीराम उर्फ गोविन्द महतो अंश समान	553	569	567	रास्ता
40	RS	22	573	निजी	कनाली	0.10	0.10	0.10	अहलाद महतो वो गणेश महतो पिता स्व. कालीचरण महतो 1अंश, शिवचरण महतो पिता स्व.गोविन्द महतो 1 अंश	574	686, 694	679	572
41	RS	22	575	निजी	कनाली	0.09	0.09	0.09	अशोक महतो वो शक्तिपद महतो वो संजय महतो पिता स्व.देवदास महतो अंश समान	587	574	679	576, 578
42	RS	22	576	निजी	कनाली	0.03	0.03	0.01	चक्रधर महतो पिता स्व.किशन महतो	578	572, 573	574, 575	577
43	RS	22	576	निजी	कनाली			0.01	विरेन्द्र महतो वो राजेन्द्र महतो वो धनन्जय महतो वो पूर्णिमा देवी पिता स्व. बिष्णु महतो, मालती देवी पति बिष्णु महतो अंश समान	578	572, 573	574, 575	577
44	RS	22	576	निजी	कनाली			0.01	षषि महतो पिता स्व.रवि महतो	578	572, 573	574, 575	577
45	RS	22	578	निजी	कनाली	0.02	0.02	0.02	अशोक महतो वो शक्तिपद महतो वो संजय महतो पिता स्व.देवदास महतो अंश समान	585	576	575, 587	579, 580
46	RS	22	581	निजी	कनाली	0.07	0.07	0.07	अशोक महतो वो शक्तिपद महतो वो संजय महतो पिता स्व.देवदास महतो अंश समान	582	565	580, 584	565
47	RS	22	582	निजी	कनाली	0.05	0.05	0.01667	चक्रधर महतो पिता स्व.किशन महतो	560, 583	581	584	562
48	RS	22	582	निजी	कनाली			0.01667	विरेन्द्र महतो वो राजेन्द्र महतो वो धनन्जय महतो वो पूर्णिमा देवी पिता स्व. बिष्णु महतो, मालती देवी पति बिष्णु महतो अंश समान	560, 583	581	584	562
49	RS	22	582	निजी	कनाली			0.01667	षषि महतो पिता स्व.रवि महतो	560, 583	581	584	562
50	RS	22	585	निजी	कनाली	0.02	0.02	0.004	बबीता कुमारी वो चम्पा देवी पिता स्व. नेपाल महतो, लीलावती देवी पति स्व.नेपाल महतो अंश समान	586	578	586	580, 584
51	RS	22	585	निजी	कनाली			0.016	हलधर महतो वो सुरेश महतो वो जलधर महतो वो विजय महतो पिता स्व. मोढ़ीराम उर्फ गोविन्द महतो, विलाती देवी पति मोढ़ीराम उर्फ गोविन्द महतो अंश समान	586	578	586	580, 584
52	RS	22	587	निजी	कनाली	0.06	0.06	0.06	अहलाद महतो वो गणेश महतो पिता स्व. कालीचरण महतो 1अंश, शिवचरण महतो पिता स्व.गोविन्द महतो 1 अंश	586, 588	575	679	578
53	RS	22	657	निजी	बाईद	0.07	0.07	0.07	अजीत महतो वो सुजीत महतो वो रंजीत महतो पिता स्व.दरकू महतो अंश समान	652, 653	673	731	656, 658
54	RS	22	658	निजी	बाईद	0.06	0.06	0.06	अशोक महतो वो शक्तिपद महतो वो संजय महतो पिता स्व.देवदास महतो अंश समान	656	673	657	659, 664
55	RS	22	686	निजी	कनाली	0.08	0.08	0.04	धारू महतो वो विनोद महतो वो अनिल महतो पिता स्व.रशिक महतो 3 अंश समान, सोनू कुमार महतो वो भोलानाथ महतो पिता स्व.फूचीलाल महतो 1 अंश समान	573	687	679, 685	694
56	RS	22	686	निजी	कनाली			0.04	मानिक महतो पिता स्व.झूमरी महतो	573	687	679, 685	694
57	RS	22	688	निजी	कनाली	0.07	0.07	0.0350	धारू महतो वो विनोद महतो वो अनिल महतो पिता स्व.रशिक महतो 3 अंश समान, सोनू कुमार महतो वो भोलानाथ महतो पिता स्व.फूचीलाल महतो 1 अंश समान	687	689	684, 685	694
58	RS	22	688	निजी	कनाली			0.0350	मानिक महतो पिता स्व.झूमरी महतो	687	689	684, 685	694
59	RS	22	689	निजी	कनाली	0.07	0.07	0.07	अहलाद महतो वो गणेश महतो पिता स्व. कालीचरण महतो 1अंश, शिवचरण महतो पिता स्व.गोविन्द महतो 1 अंश	688	690, 693	684	694
60	RS	22	717	निजी	टांड 2	0.11	0.11	0.03667	चक्रधर महतो पिता स्व.किशन महतो	719	716	718	715
61	RS	22	717	निजी	टांड 2			0.03667	विरेन्द्र महतो वो राजेन्द्र महतो वो धनन्जय महतो वो पूर्णिमा देवी पिता स्व. बिष्णु महतो, मालती देवी पति बिष्णु महतो अंश समान	719	716	718	715
62	RS	22	717	निजी	टांड 2			0.03667	षषि महतो पिता स्व.रवि महतो	719	716	718	715
63	RS	22	718	निजी	टांड 2	0.13	0.13	0.04333	निरंजन महतो पिता स्व. चेतू महतो	719	716	785	717
64	RS	22	718	निजी	टांड 2			0.04333	जानकी महतो वो आनंद महतो पिता स्व.बेनू महतो अंश समान	719	716	785	717
65	RS	22	718	निजी	टांड 2			0.04333	धीरेन महतो वो हीरालाल महतो पिता स्व. शोभा महतो अंश समान	719	716	785	717
66	RS	22	719	निजी	टांड 2	0.20	0.20	0.20	रंजीत महतो पिता स्व. कैलाश महतो	720	717, 718	785	681
67	RS	22	724	निजी	टांड 2	0.30	0.30	0.10	अहलाद महतो वो गणेश महतो पिता स्व. कालीचरण महतो 1 अंश, शिवचरण महतो पिता स्व. गोविन्द महतो 1 अंश	674, 675	723	725	680
68	RS	22	724	निजी	टांड 2			0.10	अजीत महतो वो सुजीत महतो वो रंजीत महतो पिता स्व. दरकू महतो अंश समान	674, 675	723	725	680
69	RS	22	724	निजी	टांड 2			0.10	अशोक महतो वो शक्तिपद महतो वो संजय महतो पिता स्व. देवदास महतो अंश समान	674, 675	723	725	680
70	RS	22	727	निजी	बाईद	0.02	0.02	0.00667	निरंजन महतो पिता स्व.चेतू महतो	725	726	728	725
71	RS	22	727	निजी	बाईद			0.00667	जानकी महतो वो आनंद महतो पिता स्व.बेनू महतो अंश समान	725	726	728	725
72	RS	22	727	निजी	बाईद			0.00667	धीरेन महतो वो हीरालाल महतो पिता स्व. शोभा महतो अंश समान	725	726	728	725
73	RS	22	728	निजी	बाईद	0.03	0.03	0.03	विजय महतो वो अजय महतो पिता स्व.महावीर महतो अंश समान	725, 729	726	784 रास्ता	727

यह अधिघोषणा हितबद्ध व्यक्तियों की आपत्तियों के सुनने और अधिनियम संख्या–30/2013 की धारा 15 में प्रदत्त यथा उपबंधित सम्यक जाँच के पश्चात किया गया है। भूमि अर्जन के कारण पुनर्व्यवस्थापन के लिए संभावित परिवारों की संख्या जिनके लिए पुनर्व्यवस्थापन के क्षेत्र चिन्हित किये गए हैं, जिसका संक्षित विवरण निम्नवत है :– (लागू नहीं है)

कुल प्रभावित परिवारों की संख्या–484 पुनर्व्यवस्थापन क्षेत्र–आसनबनी, मौजा संख्या–192, अंचल बलियापुर, धनबाद में क्षेत्रफल 41.11 एकड़ यानि 16.64 हेक्टेयर भूमि चिन्हित की गई है। जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, धनबाद के कार्यालय में किसी कार्य दिवस के दिन भूमि योजना का निरीक्षण किया जा सकता है।

पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन(R&R)योजना के सार नीचे दिए गए है

क्रं.	पुनर्व्यवस्थापन हकदारी के तत्व	हकदारी/उपबंध
1.	वार्षिकी या नियोजन का विकल्प	दो एकड़ जमीन के अधिग्रहण के एवज में प्रभावित कुटुम्ब के एक सदस्य का SAIL में नियोजन। या प्रति प्रभावित कुटुम्ब पांच लाख रूपये का एक बारगी संदाय। या प्रति प्रभावित कुटुंब वार्षिकी के रूप में 2,000 रूपये प्रतिमाह की दर से बीस वर्षों तक संदाय
2.	एक बारगी पुनर्व्यवस्थापन भत्ता	प्रत्येक प्रभावित कुटुम्ब को पचास हजार रूपये का एक बारगी पुनर्व्यवस्थापन भत्ता दिया जायेगा।

परियोजना हेतु स्वीकृत R&R योजना के तहत् पुनर्व्यवस्थापन हकदारियों की गणना कर पुनर्व्यवस्थापन की हकदारियों का चयन किया जा सकता है।

ह0/–
उपायुक्त, धनबाद

PR 341902 (Land Reforms) 24-25 (D)

दिव्यांग विशाल रॉय के लिए रिसोर्स सेंटर ने किया पहल

झरिया (ससे) : भौंरा गोरखूंटी में एक अनाथ दिव्यांग २० वर्षीय विशाल कुमार राय की सूचना पर झरिया रिसोर्स सेंटर के फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. मनोज सिंह और स्पेशल एजुकेटर अखलाक अहमद मौके पर पहुंच कर पूरी जानकारी शुक्रवार को लिया।

बस्ती के लोगों के आग्रह पर धनबाद स्थित मिशनरी ऑफ चैरिटी अनाथालय से संपर्क स्थापित कर वहां रखने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। विशाल पूरी तरह दिव्यांग है और अपना दैनिक क्रिया करने में असमर्थ है दो वर्ष पहले पिता महावीर राय एवं माता सुनीता राय का देहांत हो जाने पर अपने मौसी के पास रह रहा था। किंतु दुर्भाग्यवश १५ दिन पहले उसकी मौसी की भी मृत्यु हो गई। अब कोई अपना नहीं रहा। आस-पास के लोगों ने डॉ. मनोज सिंह को खबर दिया ।

झरिया रिसोर्स सेंटर के फिजियोथेरेपिस्ट डॉ मनोज सिंह ने कहा कि दिव्यांग विशाल रॉय को मिशनरी ऑफ चैरिटी धनबाद के अनाथालय में रखने की कानूनी प्रक्रिया की जा रही है। सुदामडीह थाना में आवेदन किया गया है। संभवतः शनिवार को अनाथालय में रखा जाएगा। मौके पर फिजियोथेरेपिस्ट डॉ मनोज सिंह, स्पेशल एजुकेटर अखलाक अहमद, सुनील मिश्रा, सनातन मरांडी, प्रेम महतो, सुमित मंडल, बुद्धेश्वर पन्ना, रसना मरांडी, सावित्री देवी, निरोला राय, चूनाराम टुडू आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ इस्कॉन ने खोला मोर्चा

झरिया (ससे) : बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार और नरसंहार के खिलाफ शुक्रवार को कुसुमाटांड़ मोड़ से ठाकुर मोड़ तक इस्कॉन धनबाद की ओर से विरोध मार्च निकाला गया। जहां बड़ी संख्या में, भक्तों ने अपना रोष प्रकट किया, लोगों का कहना था कि जिस प्रकार से आज बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ जिहादियों ने मोर्चा खोल रखा है आज सभी लोगों को एक होकर इसका विरोध करना चाहिए। हिंदुओं को बचाने के लिए भारत सरकार से गुहार लगाई और कहा कि बांग्लादेश को सबक सिखाया जाए तभी जाकर हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार रूकेंगे। विरोध मार्च में पूर्व विधायक इंद्रजीत महतो की पुत्री डॉ.निशि महतो, प्रशांत महतो, संकेश्वर हरिदास, अजित मोदक, फिल्म मोदक निकेत प्रमाणिक, मुकुल मोदक, मानिक विष्णु बाऊरी, संध्या कुमारी, गंगा महतो, रीना कुमारी बड़ी संख्या में इस्कॉन के भक्त शामिल थे।

जनवितरण डीलर मनमानी बनी गरीबों की परेशानी

झरिया (ससे) : जनवितरण प्रणाली की डीलर ठगी का डीलर बन कर रह गया है। धनबाद प्रखंड हीरापुर भिस्तीपाड़ा इलाके में ऐसे ही ठगी करने

वाले डीलर की सहते- सहते लोग जब थक गएँ तो अंततः उन्होंने इसकी शिकायत जिला प्रशासन के आला अधिकारियों तक पहुंचा दी। पता चला है कि उनके निर्देश पर जब बात बिगड़ गई तो मामले में शिकायत अपर जिला दंडाधिकारी आपूर्ति जिआउल अंसारी तक आ पहुंची। लेकिन अपने ही विभाग की शिकायत साहब को भला कैसे अच्छी लगे। पत्रकारों से पूछने पर वह अपनी गिरेबान बचाते हुए मामले की जांच कराने की आड़ लेकर बचने की कोशिश कर रहें हैं।

उक्त डीलर पर शिकायत है कि वह एक तो उपभोक्ताओं को आनाज देना हीं नहीं चाहता। और मजबूरन देता भी है तो एक किलो की जगह सिर्फ ९०० ग्राम हीं देता था। यह तो सिर्फ एक चना की बात है अगर हंडी में हाथ लगाई जाय तो अल्ला जाने क्या होगा आगे। बाकी कई आनाज तो पिछले कई माह से गायब हीं है। और डीलर की अकड़ देखिये कहता है चाहे जिससे मन हो शिकायत कर दें मेरा कुछ भी नहीं बिगड़ेगा। सब के सब अपने आदमी हैं। अगर ज्यादे शिकायत की तो आपकी कार्ड भी रद्द करा दूंगा फिर लेते रहना आनाज।

कृषि विभाग के अधिकारी सप्ताह में दो दिन करें फील्ड विजिट, मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की का आदेश

रांची (एजेंसी): झारखंड की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने अधिकारियों को सप्ताह में दो दिन फील्ड विजिट करने का निर्देश दिया है. यह कदम योजनाओं की जमीनी हकीकत जानने और उन्हें बेहतर बनाने के लिए उठाया गया है. मंत्री ने कहा कि बंद कमरों में बैठने के बजाय अधिकारियों को ग्रामीण इलाकों में जाकर समस्याओं का समाधान करना चाहिए. मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने अधिकारियों से सुझावों को खुले दिल से अपनाने और ग्रामीण विकास को प्राथमिकता देने पर जोर दिया. विभागीय बैठक में बजट और योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने पर भी चर्चा की गई.

फील्ड विजिट अनिवार्य: अधिकारी सप्ताह में दो दिन योजनाओं की स्थिति का जायजा लेने के लिए क्षेत्र का दौरा करेंगे.

ग्रामीण हाट-बाजार का विकास: जर्जर हाट-बाजारों को सुधारने के लिए राशि खर्च की जाएगी.

योजना कैलेंडर जारी: ब्लॉक स्तर पर योजनाओं की जानकारी के लिए कैलेंडर तैयार होगा ताकि लाभार्थियों तक सही जानकारी पहुंचे.

केंद्र सरकार की योजनाओं की समीक्षा: केंद्र की योजनाओं को पहले विभागीय समीक्षा के बाद ही लागू किया जाएगा.

पशु बाजार का विस्तार: ग्रामीण इलाकों में पशु खरीद-बिक्री के लिए विशेष बाजार स्थापित किए जाएंगे.

कोल्ड स्टोरेज पर ध्यान: नए कोल्ड स्टोरेज बनाने के बजाय पुराने स्टोरेज को सक्रिय किया जाएगा. ग्रामीण स्तर पर बाजारों का विकास कर किसानों के उत्पाद को बढ़ावा दिया जाने की बात समीक्षा बैठक में की गयी. साथ ही मेधा डेयरी के प्रमोशन को प्राथमिकता दी जाएगी.आलू की खेती के लिए स्टोरेज और प्रोसेसिंग यूनिट पर उद्योग विभाग के साथ मिलकर काम होगा.किसानों को खरीफ और रबी फसलों में संतुलन बनाने की दिशा में प्रोत्साहित किया जाएगा. इस पर विशेष जोरे देने की बात कही गयी.

कांग्रेस नेता प्रदीप यादव और राजेश कच्छप का कार्यकर्ताओं ने किया अभिनंदन

रांची (एजेंसी): कांग्रेस भवन में आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं ने कांग्रेस विधायक दल के नए नेता प्रदीप यादव और उपनेता राजेश कच्छप का भव्य स्वागत और अभिनंदन किया. इस अवसर पर नेताओं ने विधिवत रूप से अपना पदभार ग्रहण किया और कांग्रेस संगठन को मजबूत बनाने के लिए अपने संकल्प को दोहराया.

नेतृत्व के प्रति आभार और प्राथमिकता का ऐलान

प्रदीप यादव ने शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस के विचारों को समाज के हर वर्ग में पहुंचाना और संगठन को मजबूत करना उनकी प्राथमिकता होगी. यादव ने विधायकों और नेताओं के साथ मिलकर एक रोडमैप तैयार करने की बात कही और विश्वास व्यक्त किया कि कांग्रेस को मजबूती देने के लिए सभी मिलकर काम करेंगे. उन्होंने जोर दिया कि ईमानदारी और परिश्रम से सफलता निश्चित है.

राजेश कच्छप ने समन्वय पर दिया जोर

उपनेता राजेश कच्छप ने अपनी नियुक्ति पर कांग्रेस नेतृत्व का धन्यवाद करते हुए कहा कि उन्हें सरकार और संगठन के बीच समन्वय स्थापित करने की जिम्मेदारी दी गई है.

उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं को धरातल पर उतारने और कार्यकर्ताओं के मान-सम्मान को बढ़ाने का हर संभव प्रयास किया जाएगा. उन्होंने यह भी कहा कि प्रदीप यादव के नेतृत्व में संसदीय कार्य प्रणाली और संगठन को मजबूत करने में हरसंभव सहयोग करेंगे.

कार्यकर्ताओं का सम्मान बढ़ाने का निर्णय

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि प्रदीप यादव और राजेश कच्छप जैसे अनुभवी नेताओं को जिम्मेदारी सौंपकर कांग्रेस नेतृत्व ने संगठन और सरकार के बीच समन्वय स्थापित करने का प्रयास किया है. उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के मान-सम्मान को प्राथमिकता देना कांग्रेस की परंपरा है और यह निर्णय उसी दिशा में एक सकारात्मक कदम है.

सम्मान समारोह में कई प्रमुख नेता रहे उपस्थित

सम्मान समारोह में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे. इस मौके पर मार्केटिंग बोर्ड के अध्यक्ष रविंद्र सिंह, प्रदेश कांग्रेस मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा, सतीश पॉल मुजनी, राजीव रंजन प्रसाद, किशोर आलोक कुमार दुबे, विनय सिन्हा दीपू, सोनाल शांति सहित मौजूद रहे.

हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन की अध्यक्ष व महासचिव हैट्रिक की तैयारी में, है कड़ी चुनौती

रांची (एजेंसी): झारखंड एडवोकेट एसोसिएशन के चुनाव की तारीख का एलान हो गया है. चुनाव अधिकारियों ने चुनाव की तिथि की घोषणा कर दी है. २३ जनवरी को हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन की नयी कमिटी का चुनाव हाईकोर्ट के अधिवक्ता वोटिंग के जरिये करेंगे. कुल १६ पदों पर चुनाव होने हैं. जिसे लेकर अधिवक्ताओं में अभी से ही लॉबिंग शुरू हो गई है. वर्तमान में ऋतू कुमार हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन की अध्यक्ष हैं और नवीन कुमार महासचिव इन दोनों के समक्ष अपनी कुर्सी बचाना बड़ी चुनौती होगी. क्योंकि दोनों ही पदों पर दोबारा चुनाव जीतकर आए हैं और इस बार हैट्रिक जीत की तैयारी में हैं. लेकिन हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन का चुनाव इस बार काफी दिलचस्प होने की उम्मीद है. क्योंकि अधिवक्ताओं के ज्वलंत मुद्दे और चार वर्षों के काम काम का आकलन कर अधिवक्ता इस बार वोटिंग करेंगे. इनके खिलाफ कौन-कौन चुनावी मैदान में होगा, यह अभी पूरी तरह से स्पष्ट नहीं हुआ है. लेकिन उम्मीद की जा रही है कि दोनों ही पदों पर हैवीवेट उम्मीदवार खड़े हो सकते हैं, जिससे अध्यक्ष और महासचिव के पद पर होने वाला चुनाव बेहद दिलचस्प होगा.

ठेंगे पर डीसी का आदेश, एक सीओ ने विरमित करने में दो माह लगाये, दूसरा चार्ज देने के लिए घुमा रहे

रांची (एजेंसी): रांची में सीओ के रूप में पोस्टिंग होने के बाद राज्य प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारी खुद को ऊउ से भी बड़ा समझने लगते हैं. ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं, क्योंकि सोनाहातू और कांके सीओ ने ऊउ के आदेश को ठेंगे पर रख दिया है. दरअसल लोकसभा चुनाव से पूर्व रांची के तत्कालीन डीसी राहुल सिन्हा के आदेश पर कांके और सोनाहातू अंचल में राजस्व कर्मचारियों की कमी को देखते हुए राजस्व कर्मियों का तबादला एक अंचल से दूसरे अंचल में किया था. लेकिन छह महीने बीत जाने के बाद भी इस आदेश का पालन नहीं किया गया. सोनाहातू से जिस कर्मचारी बीसी गांगुली का ट्रांसफर कांके अंचल में किया गया था, उसे विरमित करने में सोनाहातू सीओ ने लगभग दो महीने का समय लिया. जैसे-तैसे सोनाहातू से विरमित होने के बाद जब राजस्व कर्मचारी कांके अंचल में पदभार लेने पहुंचे तो उसे सीओ साहब ने टहला दिया. हालांकि इसके बाद अक्टूबर महीने में पांच अन्य राजस्व कर्मचारियों का तबादला किया गया था. उन्होंने अपने नये पदस्थापन वाली जगह पर चार्ज लेकर काम करना भी शुरू कर दिया है. बीसी गांगुली का ट्रांसफर मार्च महीने में कांके अंचल में किया गया था. उनके ट्रांसफर के बाद से अब तक रांची में दो ऊउ का तबादला हो गया. लेकिन दो सीओ के चक्कर में एक राजस्व कर्मचारी पिसता हुआ दिख रहा है.

युवा कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल सीएम से मिला

रांची (एजेंसी): युवा कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिला. उन्होंने नई सरकार के लिए शुभकामनाएं दी.

युवा कांग्रेस नेताओं ने मुख्यमंत्री से मांग किया कि झारखंड के युवाओं को रोजगार और बेहतर शिक्षा सुविधा मुहैया कराएं, जिससे राज्य के युवाओं को अन्य प्रदेशों में नहीं जाना पड़े. इसके साथ ही युवाओं को राज्य में शिक्षा ग्रहण करने में खर्च भी कम आएगा, नेताओं ने सभी क्षेत्र में मुख्यमंत्री द्वारा किए जा रहे जनहित के विकास कार्यों को सराहा. मुख्यमंत्री की सोच का ही परिणाम है कि आज लाखों महिलाओं को मंईयां योजना का लाभ मिल रहा है. जिससे महिलाओं में मुख्यमंत्री और सरकार के प्रति उत्साह है. प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व रोहित सिन्हा ने कहा. मौके पर सौरभ अग्रवाल, कुलदीप कुमार रवि, गौरव सिंह, नूर मोहम्मद मौजूद थे.

टैंकर में आगजनी व फायरिंग करने वाले 5 अपराधी अरेस्ट

रांची (एजेंसी): प्लांट में घुसकर टैंकर में आगजनी और फायरिंग करने वाले पांच अपराधियों को रांची पुलिस ने गिरफ्तार किया है. एसएसपी चंदन सिन्हा को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए सलीम अंसारी उर्फ बादल, दीपक कुमार, सद्दाम हुसैन उर्फ छोटू, लालमुनी राम उर्फ मुनीलाल और बबलू खान को गिरफ्तार किया. इनके पास से दो देशी पिस्टल, एक देसी कट्टा, गोलियां, ९ मोबाइल फोन और दो बाइक जब्त किया गया है. पकड़ा गया अपराधी मुनि लाल का संबंध उग्रवादी संगठन टीपीसी से रहा है. शुक्रवार को एसएसपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यह जानकारी दी. बीते ३० नवंबर की रात ओरमांझी थाना क्षेत्र के रुक्का स्थित हुटुप ओपी के समीप श्री राम इंटर प्राइजेज प्लांट में अपराधियों ने उत्पात मचाया था. चार अपराधियों ने प्लांट में घुसकर पानी ढुलाई करने वाले टैंकर में सोए चालक अखिलेश कुमार को उतारा और टैंकर को पेट्रोल छिड़क कर आग के हवाले कर दिया.

राष्ट्रीय लोक अदालत आज, 10 लाख मामलों के निपटारे का लक्ष्य

रांची (एजेंसी): नेशनल लीगल सर्विस अथोरिटी (नालसा) के कलेंडर और झालसा (झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार) के कार्यपालक अध्यक्ष के निर्देश पर शनिवार को राज्य भर की अदालतों में राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित की जायेगी. लोक अदालत में ज्यादा से ज्यादा मामलों के निष्पादन के लिए हाईकोर्ट समेत जिला अदालतों में कई बेंचों का गठन किया गया है. शनिवार को झालसा के अध्यक्ष, झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस और अन्य जजों की मौजूदगी में जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद करेंगे.

पृष्ठ एक का शेषांश

महाकुंभ एकता का---

मिलेगा। प्रधानमंत्री कुंभ 'सहायक' चैटबॉट की भी शुरुआत की। कृत्रिम बुद्धमत्ता (एआई) पर आधारित यह चौटबॉट महाकुंभ मेला २०२५ के बारे में श्रद्धालुओं को कार्यक्रमों की नवीनतम जानकारी प्रदान करेगा। पीएम मोदी ने कहा कि किसी बाहरी व्यवस्था के बजाय कुंभ, मनुष्य के अंतर्मन की चेतना का नाम है। ये चेतना स्वत: जागृत होती है। यही चेतना भारत के कोने-कोने से लोगों को संगम के तट तक खींच लाती है। इसलिए मैं फिर एक बार कहता हूं कि ये महाकुंभ, एकता का महायज्ञ है। जिसमें हर तरह के भेदभाव का आहुति दी जाती है। यहां संगम में डुबकी लगाने वाला हर भारतीय एक भारत-श्रेष्ठ भारत की अद्भुत तस्वीर प्रस्तुत करता है। पीएम मोदी ने कहा कि महाकुंभ हजारों वर्ष पहले से चली आ रही हमारे देश की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक यात्रा का पुण्य और जीवंत प्रतीक है। एक ऐसा आयोजन है जहां हर बार धर्म, ज्ञान, भक्ति और कला का दिव्य समागम होता है। पीएम मोदी ने कहा, हमारा भारत पवित्र स्थलों और तीर्थों का देश है। ये गंगा, यमुना, सरस्वती, कावेरी और नर्मदा जैसी अनगिनत पवित्र नदियों का देश है। इन नदियों के प्रवाह की जो पवित्रता है, इन अनेकानेक तीर्थों का जो महत्व है, जो महात्म्य है, उनका संगम, उनका समुच्चय, उनका योग, उनका संयोग, उनका प्रभाव, उनका प्रताप ये प्रयाग है। प्रयाग वो है, जहां पग-पग पर पवित्र स्थान हैं, जहां पग-पग पर पुण्य क्षेत्र हैं। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने क्षेत्र में पेयजल और बिजली आपूर्ति से संबंधित कई महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की शुरूआत की। प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों के संगम पर एक औपचारिक पूजा और दर्शन के साथ शुरू हुई। पूजा से पहले मोदी ने नदी में नौकाविहार का आनंद लिया। पूजा के अवसर पर प्रधानमंत्री के साथ उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी उपस्थित थे। हर १२ साल में आयोजित होने वाला महाकुंभ अगले वर्ष प्रयागराज में १३ जनवरी (पौष पूर्णिमा) से २६ फरवरी (महा शिवरात्रि) तक आयोजित किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने अक्षय वट वृक्ष स्थल पर पूजा की। प्रधानमंत्री उसके बाद हनुमान मंदिर और सरस्वती कूप में दर्शन और पूजा की। फिर उन्होंने महाकुंभ प्रदर्शनी स्थल का भ्रमण किया और वहां मौजूद अधिकारियों से उसके बारे में जानकारी ली।

वन नेशन, वन इलेक्शन---

उदाहरण देते हुए कहा कि भाजपा ने मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में लोकतांत्रिक सरकारों को तोड़कर सत्ता हथियाई. उन्होंने पूछा, क्या यह योजना क्षेत्रीय दलों को समाप्त करने और देश में तानाशाही स्थापित करने का षड्यंत्र नहीं है?

मंईयां सम्मान योजना पर अपडेट

सुप्रियो भट्टाचार्य ने बताया कि मंईयां सम्मान योजना की अगली किश्त, जो २५०० रुपये की है, १८ दिसंबर तक लाभार्थियों के खातों में स्थानांतरित की जाएगी. उन्होंने यह भी कहा कि फॉर्म में कमियां पाए जाने पर उन्हें खारिज कर दिया जाएगा.

महुआ के जज लोया की---

दिवंगत जज का नाम लेकर सरकार पर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि ''न्यायमूर्ति लोया तो अपने समय से बहुत पहले इस दुनिया से विदा हो गए. तृणमूल कांग्रेस की सांसद के भाषण के बाद सत्तापक्ष के सदस्यों ने इस मुद्दे को उठाते हुए आपत्ति जताई. बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने जब यह मुद्दा उठाने का प्रयास किया तो पीठासीन सभापति कुमारी सैलजा ने उन्हें इसकी इजाजत नहीं दी. लोकसभा में बाद में आसन पर अध्यक्ष ओम बिरला आसीन हुए और उनके इजाजत देने के बाद निशिकांत दुबे ने कहा कि जस्टिस बीएच लोया की मौत का जिक्र तृणमूल कांग्रेस सांसद ने किया है, उनकी असामयिक मौत की पुष्टि अन्य न्यायाधीशों ने भी की थी. उन्होंने महुआ मोइत्रा के इस बयान और एफसीआरए को लेकर की गई टिप्पणी को प्रमाणित करने को कहा. संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा, ''सदस्य ने न्यायमूर्ति लोया के बारे में जो कहा वह बहुत गंभीर विषय है. न्यायपालिका में सारा मामला खत्म हो चुका है. यह एक 'सेटल्ड केस (सुलझ चुका मामला) है. न्यायाधीशों के बीच दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई. इसमें किसी के कोई हस्तक्षेप का सवाल ही नहीं उठता. उन्होंने कहा कि सदस्य ने जिस तरह का बयान दिया है, उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए.

भारत ने हवा से हवा में----

दूसरा परीक्षण ८ फरवरी, २०१९ को हुआ, जिसमें मिसाइल ने लक्ष्य के मुताबिक वांछित गति से आखिरकार जमीन को छू लिया। इसके बाद ०८ अप्रैल, २०२२ को हुए बूस्टर तकनीक का सफल परीक्षण किया गया। अब अंतिम परीक्षण में भारत ने एयर-टु-एयर मिसाइलों की मारक दूरी बढ़ाने की तकनीक हासिल कर ली है। रक्षा वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि भारत लंबी दूरी की हाइपरसोनिक मिसाइल विकसित करने वाला पहला देश है, जो ध्वनि की गति से आठ गुना अधिक गति से यात्रा कर सकती है और वैश्विक रक्षा प्रौद्योगिकी में एक गेम-चेंजर है, जो किसी अन्य देश के पास नहीं है। डीआरडीओ ने हाल ही में देश की पहली लंबी दूरी की हाइपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण किया, जो लगभग ३ किमी प्रति सेकंड की गति से १,५०० किमी से अधिक दूरी तक पारंपरिक और परमाणु दोनों तरह के हथियार ले जा सकती है।

बीसीसीएल अधिकारी की पत्नी व बेटी, डालसा ने दिया नया जीवन

धनबाद (कासं) : समाज के जरूरतमंद लोगों को नि:शुल्क कानूनी सहायता प्रदान करने के साथ ही जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) सामाजिक कार्यों में भी अहम भूमिका निभा रहा है। इसी कड़ी में, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार वीरेंद्र कुमार तिवारी के निर्देश पर डालसा द्वारा छह महीने पहले बीसीसीएल अधिकारी की पत्नी और बेटी को रेस्क्यू किया गया था। अधिकारी की मृत्यु के बाद दोनों गहरे सदमे में चली गई थीं और खुद को एक अंधेरे कमरे में बंद कर लिया था।

डालसा के प्रयास और सिविल सर्जन द्वारा गठित डॉक्टरों की टीम, जिसमें डॉ. मीनाक्षी दुबे, डॉ. अभीलिप्सा मुखर्जी (मनोरोग चिकित्सक) और डॉ. राजीव कुमार सिंह (औषधि चिकित्सा) शामिल थे, के सहयोग से इनका उपचार शुरू किया गया। लगातार चिकित्सा और काउंसलिंग के बाद मां और बेटी की स्थिति में काफी सुधार हुआ है। अब वे हंसकर बात करती हैं और सामान्य जीवन की ओर बढ़ रही हैं। डालसा के सचिव ने जानकारी दी कि पिता की मृत्यु के बाद मां और बेटी दोनों गहरे सदमे में चली गई थीं। लेकिन डॉक्टरों और डालसा की टीम की काउंसलिंग और देखरेख के बाद आज उनकी स्थिति काफी बेहतर हो गई है। सचिव ने बताया कि दोनों को धीरे-धीरे समाज की मुख्य धारा में लाने का प्रयास किया जा रहा है। डॉक्टरों की टीम ने उम्मीद जताई है कि बहुत जल्द मां और बेटी की जिंदगी पूरी तरह सामान्य हो जाएगी। डालसा ने इस प्रक्रिया में डॉक्टरों की टीम के साथ नियमित मासिक समीक्षा बैठकें कर उनकी प्रगति पर नजर रखी है।

झारखंड में फिर से जंगलराज की वापसी : डॉ. रविंद्र कुमार राय

रांची (एजेंसी): भाजपा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व सांसद डॉ. रविंद्र कुमार राय ने हेमंत सरकार पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा कि झारखंड में कानून व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है. उन्होंने कहा कि राज्य में उग्रवादी गतिविधियां फिर से सिर उठाने लगी हैं, जिससे जनता आत्मरक्षा के लिए शस्त्र उठाने पर मजबूर हो रही है. डॉ. राय ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में उग्रवादी संगठनों पर सख्त कार्रवाई हुई थी. उग्रवादियों ने या तो आत्मसमर्पण किया था या सुरक्षाबलों की गोलियों का शिकार हुए थे. उन्होंने कहा कि उग्रवादियों के ठिकाने ध्वस्त किए गए थे और वे झारखंड छोड़कर अन्यत्र भागने को मजबूर हो गए थे.

डॉ. राय ने कहा कि वर्तमान हेमंत सरकार के शासनकाल में पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, चतरा और अन्य जिलों में हुई घटनाओं ने यह साबित कर दिया है कि राज्य एक बार फिर जंगलराज की ओर बढ़ रहा है. उन्होंने कहा कि ग्रामीण जनता को अपनी सुरक्षा के लिए रातभर जागना पड़ रहा है और उग्रवादियों से निपटने के लिए स्थानीय लोग संगठित होकर सेन्दरा (आत्मरक्षा अभियान) कर रहे हैं. उन्होंने राज्य सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि यह पहली ऐसी सरकार है. जिसने राज्य में २४ असुरक्षित सड़कों की सार्वजनिक घोषणा की है. यह न केवल सरकार की विफलता का प्रतीक है, बल्कि यह जनता में भय और असुरक्षा का माहौल पैदा करता है. डॉ. राय ने कहा कि उग्रवादी बालू घाट, छोटे खनन क्षेत्रों, कोयला और पत्थर कारोबार से वसूली करने के लिए फिर से सक्रिय हो गए हैं.

भाजपा के सदस्यता अभियान को लेकर कार्यशाला ओबीसी वर्ग को पार्टी से जोड़ने की अपील

रांची (एजेंसी): भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ओबीसी मोर्चा झारखंड प्रदेश ने सदस्यता अभियान को लेकर प्रदेश कार्यालय, हरमू में कार्यशाला आयोजित की. कार्यशाला की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष डॉ अमरदीप यादव ने की. कार्यशाला में भाजपा के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष रविंद्र कुमार राय ने ओबीसी वर्ग को भाजपा से जोड़ने की अपील की और उनके राष्ट्र निर्माण में योगदान को रेखांकित किया.

कार्यशाला में प्रमुख लक्ष्य तय किये गये

५९ लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य: भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने बताया कि २२ दिसंबर से शुरू हो रहे अभियान का लक्ष्य ५९ लाख सदस्य हैं, जिसमें ओबीसी मोर्चा ५ लाख सदस्य बनाएगा.

सदस्यता अभियान की योजना: १५-१६ दिसंबर को जिला कार्यशालाएं और १८-१९ दिसंबर को ५१५ कार्यशालाएं आयोजित होंगी. २५ दिसंबर को हर बूथ पर १०० सदस्य जोड़ने का लक्ष्य है.

ओबीसी वर्ग का समर्थन: संयोजक राकेश प्रसाद ने इसे संगठन महापर्व बताते हुए ओबीसी वर्ग से समान विचारधारा के लोगों को जोड़ने की बात कही.

आरक्षण को लेकर आंदोलन: डॉ. अमरदीप यादव ने कहा कि झारखंड सरकार ओबीसी को आरक्षण नहीं दे रही, जिसके खिलाफ मोर्चा आंदोलन करेगा.

तकनीकी जानकारी: आईटी सेल संयोजक राहुल अवस्थी ने ऑनलाइन व ऑफलाइन सदस्यता की प्रक्रिया समझाई. कार्यशाला में प्रदेश महामंत्री हलधर नारायण शाह, उपाध्यक्ष दिलीप स्वर्णकारऔर अन्य पदाधिकारी समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे.

पूर्व पार्षदों ने राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा, निगम चुनाव की मांग की

रांची (एजेंसी): रांची नगर निगम के पूर्व पार्षद अरुण कुमार झा, अर्जुन राम, विनोद कुमार सिंह, भरी लिंडा आदि पूर्व पार्षदों का प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को राज्यपाल से मिले. प्रतिनिधमंडल ने उन्होंने ज्ञापन सौंपा. ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने बताया कि रांची नगर निगम का कार्यकाल अप्रैल २०२३ में ही समाप्त हो गया है. उसके बाद से मेयर, डिप्टी मेयर एवं पार्षदों के सारे पद रिक्त हैं. बताया कि समूचे शहर में कचरे का अंबार फैला है, हजारों की संख्या में स्ट्रीट लाइटे बंद पड़ी हैं, निगम की व्यवस्था चरमरा गई है. बताया कि झारखंड प्रदेश में करीब १२ नगर निकाय में २०२० से ही चुनाव लंबित हैं. जबकि पड़ोसी राज्य बिहार और मध्य प्रदेश में पिछड़े वर्ग को आरक्षण देते हुए चुनाव करा ली गई है. उन्होंने सभी बातों पर संवैधानिक लेते हुए जल्द चुनाव कराने के लिये राज्य सरकार को निर्देशित करने की कृपा करें.

विश्व चैंपियन गुकेश को बधाइयां देने वालों को लगा तांता

क्रिकेटर, एथलीट्स, निशानेबाजी सब हुए एकजुट

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय खेल जगत ने विश्व चैंपियन बनकर इतिहास रचने वाले किशोर डी गुकेश की प्रशंसा करते हुए उन्हें लाखों युवाओं के लिए प्रेरणा बताया। 18 वर्षीय गुकेश की जीत का जश्न पूरे देश में मनाया गया और उनकी अविश्वसनीय उपलब्धि की सराहना की गई। गुकेश ने सिंगापुर में चीन के डिंग लिरेन के खिलाफ खिताबी मुकाबले की 14वीं और आखिरी बाजी में जीत हासिल की। 5 बार के विश्व चैंपियन और महान खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद ने इतनी कम उम्र में इतनी बड़ी जीत हासिल करने के लिए गुकेश की प्रशंसा की। आनंद ने कहा कि यह एक बड़ी उपलब्धि है। 18 साल की उम्र में विश्व चैंपियन बनना कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। जीत के बाद उन्हें जश्न मनाते देखना एक शानदार नजारा था। उम्मीद है कि इससे कई महत्वाकांक्षी खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलेगी। गुकेश ने गैरी कास्परोव के 22 साल, छह महीने और 27 दिन के रिकॉर्ड को तोड़ा, जब उन्होंने 1985 में खिताब जीता था।

शतरंज का प्रतिभाशाली खिलाड़ी : खेल मंत्री मनसुख मांडविया

खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने उन्हें शतरंज का प्रतिभाशाली खिलाड़ी बताया। उन्होंने लिखा, ''प्रतिष्ठित विश्व शतरंज चैंपियनशिप का खिताब जीतने और शतरंज के इतिहास में सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन बनने के लिए डी गुकेश को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। आपकी कड़ी मेहनत और समर्पण ने पूरे देश को गौरवान्वित किया है।

एक पीढ़ी को 'बड़े सपने देखने' के लिए प्रेरित किया: अभिनव बिंद्रा

भारत के पहले व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा ने कहा कि गुकेश ने अपनी शानदार उपलब्धि से एक पीढ़ी को 'बड़े सपने देखने' के लिए प्रेरित किया है। बिंद्रा ने कहा कि गुकेश, विश्व शतरंज चैंपियन बनने पर बधाई। दबाव में आपकी प्रतिभा, दृढ़ संकल्प और शालीनता ने पूरे देश को गौरवान्वित किया है। आपने न केवल एक खिताब जीता है, बल्कि एक पीढ़ी को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित किया है। आपको आगे और भी बड़ी सफलता की शुभकामनाएं।

हम सभी के लिए एक शानदार पल : वीरेंद्र सहवाग

पूर्व स्टार क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने कहा- वाह, आप शानदार रहे गुकेश। सिर्फ 18 साल की उम्र में गुकेश डोमाराजू सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियन बन गए हैं। हम सभी के लिए एक शानदार पल और आप एक प्रेरणा हैं, गुकेश।

अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ ने दी बधाई

अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) ने ट्वीट किया- एक नया विश्व चैंपियन। बधाई डी गुकेश। यह गुकेश के लिए एक शानदार वर्ष का समापन है जिन्होंने कैंडिडेट्स 2024 टूर्नामेंट और शतरंज ओलंपियाड भी जीता।

भारत को आप पर गर्व है: नीरज चोपड़ा

देश के पहले और एकमात्र ट्रैक एंड फील्ड ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने 'एक्स' पर लिखा- बधाई हो, गुकेश। दुनिया में सर्वश्रेष्ठ और ऐसा करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी। भारत को गर्व है।

64 खानों के खेल में आपने अनंत संभावनाओं की दुनिया खोल दी है : सचिन तेंदुलकर

महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने कहा कि अपनी जीत के साथ गुकेश ने अनंत संभावनाओं की दुनिया खोल दी है। तेंदुलकर ने 'एक्स' पर लिखा- 64 खानों के खेल में आपने अनंत संभावनाओं की दुनिया खोल दी है। बधाई हो डी गुकेश सिर्फ 18 साल की उम्र में 18वें विश्व चैंपियन बनने पर। विशी के नवशेकदम पर चलते हुए अब आप भारतीय शतरंज के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की अगली लहर का मार्गदर्शन कर रहे हैं।

क्या शानदार उपलब्धि है: हिकारू नाकामुरा

अमेरिकी ग्रैंडमास्टर हिकारू नाकामुरा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर लिखा- डी गुकेश और पूरे भारत तथा हर जगह के भारतीयों को बहुत-बहुत बधाई। क्या शानदार उपलब्धि है। नाकामुरा ने आनंद को उनके योगदान के लिए बधाई भी दी। उन्होंने लिखा- विश्वनाथन आनंद में आपको जन्मदिन की शुभकामनाएं देना भूल गया था लेकिन मुझे लग रहा है कि एक महीने तक आपके पैर जमीन पर नहीं पड़ेंगे। आपने जो किया है, वह बेमिसाल है।

रहाणे ने खेली 98 रन की धमाकेदार पारी

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचा मुंबई

बेंगलुरु (एजेंसी)। अजिंक्य रहाणे की शानदार 98 रन की पारी और सूर्यांश शेज की संयमित फिनिशिंग की बदौलत मुंबई ने बड़ौदा पर 6 विकेट से जीत दर्ज करके सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2024 के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। 159 रनों का पीछा करते हुए रहाणे की शानदार पारी ने मुंबई के लिए जीत की नींव रखी। अनुभवी बल्लेबाज ने 56 गेंदों की अपनी पारी में 11 चौके और पांच छक्के लगाए और बड़ौदा के गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ा दीं। वह शतक से चूक गए, लेकिन उनके प्रदर्शन ने सुनिश्चित किया कि मुंबई पूरे लक्ष्य का पीछा करते हुए नियंत्रण में रहे।

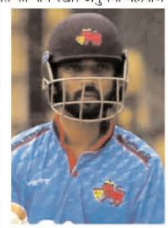

रहाणे को श्रेयस अय्यर का अच्छा साथ मिला जिन्होंने 30 गेंदों पर 46 रनों की तेज पारी खेली। दोनों ने 88 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की जिसने मुंबई को जीत की दहलीज पर पहुंचा दिया। अय्यर के आउट होने के बाद सूर्यकुमार यादव एक रन बनाकर आउट हो गए और शिवम दुबे ने लय बनाए रखी, इससे बाद सूर्यांश शेज ने डेब्यू करने वाले शाश्वत रावत की गेंद पर छक्का लगाकर मैच को अपने नाम किया। मुंबई ने 16 गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। बड़ौदा के गेंदबाजों ने मुंबई की मजबूत बल्लेबाजी लाइनअप पर दबाव बनाने में विफल रहते हुए कड़ी चुनौती पेश की। अतीत शेठ और अभिमन्यु सिंह राजपूत ने एक-एक विकेट लिया, जिसमें राजपूत ने पारी के अंत में रहाणे को आउट किया - मुंबई की जीत की ओर ले जाने वाला एक सांत्वना विकेट। रहाणे की शानदार पारी ने उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिलाया जिसने मुंबई के सफल लक्ष्य का पीछा करने में उनकी भूमिका को रेखांकित किया।

इस जीत के साथ मुंबई फाइनल में पहुंच गई, जहां उनका लक्ष्य एक चुनौतीपूर्ण प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ चैंपियनशिप जीतना है। इससे पहले बड़ौदा ने शिवालिक शर्मा की देर से की गई आतिशी पारी की बदौलत 158/7 का प्रतिस्पर्धी लक्ष्य रखा। हालांकि शेज और तनुश कोटियन की अगुआई में मुंबई के अनुशासित गेंदबाजी आक्रमण ने उन्हें पारी के अधिकांश समय तक काबू में रखा।

गुजरात जायंट्स के गेंदबाजी कोच बने प्रवीण तांबे, मिताली हो चुकी हैं अलग

अहमदाबाद (एजेंसी)। अगले साल फरवरी में शुरू होने वाली विमेंस प्रीमियर लीग के तीसरे सत्र से पहले मिताली राज गुजरात जायंट्स से अगल हो गई हैं। वहीं डेनियल मार्श को बल्लेबाजी और प्रवीण तांबे गेंदबाजी कोच के रूप में गुजरात की टीम के कोचिंग दल में शामिल किया गया हैं। गुजरात जायंट्स की मेंटॉर रही मिताली राज अब इसी भूमिका में आंध्रा क्रिकेट एसोसिएशन के साथ जुड़ गई हैं, जहां वह सीनियर टीम के साथ काम करने के अलावा राज्य की टीम को तैयार करने पर भी काम करेंगी। पहले दो सत्र तक फैंचाइजी में सहायक कोच की भूमिका निभाने वाली पूर्व भारतीय स्पिनर नुशीन अल खदीर भी अब कोचिंग दल का हिस्सा नहीं होंगी।

अल-खदीर के पास इस समय अंडर 19 महिला टीम का प्रभार है जो कि अगले साल मलेशिया में होने वाले विश्वकप के दूसरे संस्करण के लिए तैयारी कर रही है। यह घोषणा 15 दिसंबर को बेंगलूरु में आयोजित होने वाली डब्ल्यूपीएल की नीलामी से कुछ ही दिन पहले ही की गई है। इस पर निर्णय 2024-25 के घरेलू सत्र के शुरू होने से पहले ही ले लिया गया था। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज माइकल क्लिंगर टीम के मुख्य कोच बने रहेंगे जबकि डेनियल मार्श बल्लेबाजी और प्रवीण तांबे गेंदबाजी कोच के रूप में टीम के कोचिंग दल से जुड़ेंगे।

अपने करियर में 150 प्रथम श्रेणी मैच खेल चुके मार्श 2013 से 2017 के बीच तस्मानिया के मुख्य कोच रह चुके हैं और 2022 में उन्हें ऑस्ट्रेलिया महिला टीम का सहायक कोच नियुक्त किया गया था। वहीं 41 वर्षीय तांबे इस समय आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स के स्पिन गेंदबाजी कोच हैं। क्लिंगर ने अपने बयान में कहा कि पिछले वर्ष हमने साथ मिलकर बहुत अच्छा काम किया था और अगले सत्र के लिए जिन खिलाड़ियों को रिटेन हमने किया मैं उनके इंद गिर्द एक मजबूत टीम बनाने की ओर देख रहा हूं। हम एक विनिंग माइंडसेट के साथ अपना शतप्रतिशत देने का पूरा प्रयास करेंगे।

सबसे युवा विश्व चैम्पियन बनना बहुत बड़ी बात : शुभमन गिल ने गुकेश की तारीफ की

ब्रिसबेन (एजेंसी)। स्लामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने शुक्रवार को भारतीय क्रिकेट टीम की ओर से डी गुकेश को बधाई दी जो सबसे युवा शतरंज विश्व चैम्पियन बने हैं। गुकेश ने चीन के डिंग लिरेन को सिंगापुर में हुए मुकाबले में 7.5 - 6.5 से हराकर खिताब जीता। गिल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट से पूर्व मीडिया से कहा, 'मैं डी गुकेश को पूरी भारतीय टीम की ओर से बधाई देना चाहता हूं। सबसे युवा विश्व शतरंज चैम्पियन बनना ही अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि है। गुकेश से पहले रूस के गैरी कास्पारोव सबसे युवा विश्व चैम्पियन थे जिन्होंने 1985 में 22 वर्ष की उम्र में अनातोली कारपोव को हराकर खिताब जीता था। वह विश्वनाथन आनंद के बाद खिताब जीतने वाले दूसरे भारतीय हैं।

शुभमन गिल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट में हार का कारण बताया - भारतीय बल्लेबाज शुभमन गिल ने एडिलेड में दिन-रात के टेस्ट में टीम की 10 विकेट से हार पर विचार करते हुए बताया कि टीम लाल गेंद से खेलने की अधिक आदी है। उन्होंने कहा कि गुलाबी गेंद थोड़ी अलग है, जिससे रोशनी में खेलते समय सीम स्थिति का अंदाजा लगाना अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाता है। पर्थ में सीरीज के पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया पर रनों के लिहाज से अपनी सबसे बड़ी टेस्ट जीत दर्ज करने के बाद भारत को एडिलेड ओवल में दूसरे टेस्ट में 10 विकेट से हार का सामना करना पड़ा, जिसमे पांच मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर हो गई।

गिल ने कहा, मुझे लगता है कि गुलाबी गेंद लाल गेंद से थोड़ी अलग होती है। गेंदबाज के सीम और हाथ को भांप पाना थोड़ा मुश्किल होता है, खासकर जब आप रात में खेल रहे हों। और हम दिन में लाल गेंद से खेलने के ज्यादा आदी हैं। गुलाबी गेंद के टेस्ट की गतिशीलता के कारण हम ज्यादा नहीं खेलते हैं। और सिर्फ रात में खेलते हुए सीम की स्थिति और गेंद को छोड़ने के लिए हाथ की स्थिति को भांप पाना थोड़ा मुश्किल होता है। इसलिए बल्लेबाज के तौर पर खेलना थोड़ा मुश्किल है।

भारत गाबा में तीसरे टेस्ट में बहुत हासिल करने की कोशिश करेगा। यह वह स्थान जहां भारत ने 2021 में ऐतिहासिक तीन विकेट से जीत हासिल की और इस स्थल पर ऑस्ट्रेलिया के 33 साल के दबदबे को समाप्त किया। मैच में शुभमन ने दूसरी पारी में 91 रनों की पारी खेलकर भारत की जीत में योगदान दिया। अब जब भारत उसी स्थल पर वापस आया है और अभ्यास सत्र किया है, तो शुभमन ने कहा, 2021 के बाद स्टेडियम में प्रवेश करना पुरानी यादों को ताजा कर रहा था। विकेट अच्छा लग रहा है, हम कल और जानेंगे।

शुभमन ने टेस्ट क्रिकेट के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करने की चुनौतियों पर प्रकाश डाला और कहा कि डाउन अंडर खेलने के लिए मानसिक फिटनेस सबसे महत्वपूर्ण चीज़ है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि जिस तीव्रता से यहां मैच खेले जाते हैं, खासकर टेस्ट मैच। 5 दिनों के दौरान उस तीव्रता को बनाए रखना सबसे मुश्किल कामों में से एक है, यही बात ऑस्ट्रेलिया दौरे को इतना मुश्किल बनाती है। किसी भी चीज से ज्यादा, यहां ऑस्ट्रेलिया में मानसिक तीव्रता और मानसिक फिटनेस की जरूरत होती है।

विराट रोहित को रिटायरमेंट लेने के लिए कौन बोल सकता है? ग्रेग चैपल ने दिखाया रास्ता

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के महान खिलाड़ी रोहित शर्मा और विराट कोहली टेस्ट क्रिकेट में भारी गिरावट से गुजर रहे हैं। कोहली पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में शतक बनाने में कामयाब रहे, लेकिन वह लंबे समय तक अपने करियर के पहले भाग में स्थापित मानकों से मेल नहीं खा सके। रोहित शर्मा के लिए चिंताएं अधिक हैं क्योंकि वह स्तरीय प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। इसी बीच ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज इयान चैपल ने तीखी बातें की है। उन्होंने विराट और रोहित की रिटायरमेंट पर भी बात की है।

चैपल ने कहा कि आप स्वयं जानते हैं कि आप अपने चरम पर हैं या नहीं। लेकिन वे स्पष्ट रूप से गेम खेलना पसंद करते हैं। वे इसे यथासंभव लंबे समय तक खेलना चाहते हैं और उनके पास जब तक संभव हो सके इसे खेलने का हर कारण, हर अधिकार है। इसलिए आपको कठिन निर्णय लेने के लिए अच्छी, मजबूत चयन नीतियों और चयन पैनल की आवश्यकता है। ये निर्णय लेना आवश्यक रूप से खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं है। हो सकता है कि वे यह निर्णय लेना चाहें।

इंग्लैंड ने तीसरे टेस्ट के लिए प्लेइंग 11 की घोषणा की, वोक्स की जगह इसे मिला मौका

हैमिल्टन (न्यूजीलैंड) (एजेंसी)। इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड के खिलाफ सेडन पार्क में होने वाले सीरीज के तीसरे और अंतिम टेस्ट मैच के लिए अपनी प्लेइंग 11 की घोषणा की, जिसमें दाएं हाथ के तेज गेंदबाज मैथ्यू पॉट्स को क्रिस वोक्स की जगह टीम में शामिल किया गया।

कप्तान बेन स्टोक्स ने शुक्रवार को संवाददाताओं को बताया कि इंग्लैंड हैमिल्टन में होने वाले तीसरे आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप मुकाबले के लिए अपनी टीम में एक बदलाव करेगा जिसमें तेज गेंदबाज मैथ्यू पॉट्स को साथी तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स की जगह टीम में शामिल किया गया है। इसका मतलब है कि ओली पोप विकेटकीपर की भूमिका में बने रहेंगे, क्योंकि इंग्लैंड न्यूजीलैंड सीरीज में क्लीन स्वीप करने की कोशिश कर रहा है, जिसने क्राइस्टचर्च और वेलिंगटन में शुरुआती दो मैच जीते हैं।

न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लाथम ने शुक्रवार को अपनी प्लेइंग 11 का खुलासा नहीं किया, कप्तान ने सुझाव दिया कि वह शनिवार सुबह तक इंतजार करेंगे और फिर घोषणा करेंगे कि अनुभवी तेज गेंदबाज टिम साउथी को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने से पहले अंतिम टेस्ट खेलने का मौका मिलेगा या नहीं। साउथी को तीन तेज गेंदबाजों के लिए साथी तेज गेंदबाजों विल ओ-रुर्के, नाथन स्मिथ और मैट हेनरी के साथ संघर्ष करना पड़ रहा है, जबकि बाएं हाथ के स्पिनर मिशेल सेंटनर को श्रृंखला में अपनी पहली उपस्थिति के लिए लाइन-अप में वापसी का मौका मिलेगा।

शीर्ष क्रम के बल्लेबाज विल यंग का ब्लैक कैप्स के लिए खेलना तय है, दाएं हाथ के इस बल्लेबाज को बल्लेबाजी की शुरुआत करनी होगी, जबकि डेवॉन कॉनवे अपने पहले बच्चे के जन्म के लिए वेलिंगटन में रहेंगे। यंग को भारत में न्यूजीलैंड की हालिया श्रृंखला में वाइटवॉश के दौरान प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया था, लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला के पहले दो टेस्ट के लिए कीवी टीम की प्लेइंग 11 में जगह बनाने में असफल रहे।

जब लाथम से पूछा गया कि क्या साउथी को हैमिल्टन में अपने टेस्ट करियर का शानदार अंत करने का मौका मिलेगा, तो उन्होंने चुप्पी साध ली। लाथम ने कहा, मुझे यकीन है कि वह

कितना अच्छा प्रदर्शन कर सकता है, करना चाहता है और अपनी भूमिका को सर्वश्रेष्ठ तरीके से निभाने की कोशिश करना चाहता है, चाहे वह कुछ भी हो। मुझे यकीन है कि अगर उसे वह अवसर मिलता है, तो वह जो भी हो, उसके लिए आभारी होगा। मुझे यकीन है कि अगर उसे वह अवसर मिलता है, तो वह अगले पांच दिनों में क्या होने वाला है, इसे लेकर वह उत्साहित है।

इंग्लैंड की प्लेइंग 11

जैक क्रॉली, बेन डकेट, जैकब बेथेल, जो रूट, हैरी ब्रूक, ओली पोप, बेन स्टोक्स (कप्तान), गस एटकिंसन, मैथ्यू पॉट्स, ब्रायडन कार्स, शोएब बशीर।

न्यूजीलैंड की संभावित 11

टॉम लैथम (कप्तान), विल यंग, ??केन विलियमसन, रचिन रवींद्र, डेरिल मिशेल, टॉम ब्लंडेल, ग्लेन फिलिप्स, मिशेल सेंटनर, नाथन स्मिथ, मैट हेनरी, टिम साउथी, विल ओ-रुर्के।

गाबा पर इतिहास दोहराने उतरेगा भारत, रोहित और विराट से उम्मीदें

ब्रिसबेन (एजेंसी)। एडीलेड में मिली हार के बाद गाबा पर वापसी के इतिहास को दोहराने के इरादे से भारतीय टीम शनिवार से शुरू हो रहे बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के तीसरे टेस्ट में जब ऑस्ट्रेलिया से खेलेगी तो नजरें रोहित शर्मा और विराट कोहली के बल्ले पर लगी होंगी। श्रृंखला 1-1 से बराबर होने के बाद ब्रिसबेन टेस्ट निर्णायक साबित हो सकता है।

भारतीय गेंदबाज ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों की कमजोरी का फायदा उठाना चाहेंगे जिनके लिए ट्रेविस हेड दूसरे टेस्ट में संकटमोचक साबित हुए। स्टीव स्मिथ और कोहली दोनों ही लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। गेंदबाजी में भारत के पास जसप्रीत बुमराह है जिसने श्रृंखला के बाकी सभी गेंदबाजों को अपने सामने बौना साबित कर दिया है। उन्हें हालांकि दूसरे छोर से अधिक सहयोग की जरूरत है।

इसके साथ ही उन्हें रोहित और कोहली जैसे बल्लेबाजों से अच्छे रनों की भी दरकार है ताकि वह खुलकर गेंदबाजी कर सकें। रोहित और कोहली के खराब फॉर्म को लेकर लगातार चर्चा हो रही है और आधुनिक क्रिकेट के इन दोनों महानायकों के लिए यह टेस्ट काफी महत्वपूर्ण होगा। उनकी गैर मौजूदगी में भारत ने 2021 में यहां वापसी करके शानदार जीत दर्ज की थी। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने दोनों पर उछाल और सीम से हमले बोले हैं और यहां भी पिच से अच्छी सीम मिलने की उम्मीद है।

रोहित और कोहली के पास प्रतिभा की कमी नहीं है लेकिन इस समय फॉर्म साथ नहीं दे रहा। भारत के लिए सबसे बड़ी समस्या पहली पारी में निराशाजनक बल्लेबाजी रही है। पिछले एक साल

में भारत में और विदेश में खेले गए टेस्ट में छह बार पहली पारी का स्कोर 150 या कम रहा है। रोहित और कोहली ने 2024-25 सत्र में पहली पारी में 6.88 और 10 की खराब औसत से रन बनाए हैं।

कोहली ने पर्थ टेस्ट में शतक लगाया लेकिन रोहित से कप्तानी पारी का इंतजार है। रोहित के पास इतना अनुभव तो है कि वह बखूबी जानते हैं कि पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड जैसे शानदार गेंदबाजों को हर गेंद पर पीटा नहीं जा सकता। बाजू में खिंचाव के कारण एडीलेड टेस्ट से बाहर रहने के बाद हेजलवुड टीम में लौटे हैं। रोहित सफेद गेंद के बादशाह रहे हैं लेकिन अगर गाबा पर वह अच्छी पारी खेल जाते हैं तो महान क्रिकेटरों में उनका नाम शुमार होगा। इसके लिये सबसे पहले उन्हें अपना बल्लेबाजी क्रम तय करना होगा। वह पारी की शुरूआत करेंगे या छठे नंबर पर उतरेंगे, वह उन्हें देखना है क्योंकि ऐसे में अगर शीर्षक्रम धीमा खेलता है तो वह पुरानी कूकाबुरा पर आक्रामक खेल सकते हैं।

पहले दो टेस्ट में ऑफ स्पिनर आर अश्विन और वाशिंगटन सुंदर का प्रदर्शन ठीक ठाक रहा लेकिन बल्लेबाजी में गहराई के लिये रविंद्र जडेजा बेहतर विकल्प हैं। तेज गेंदबाजी में आकाश दीप के पास विविधता है लेकिन कप्तान रोहित को हर्षित राणा की दिलेरी पसंद है। ऑस्ट्रेलिया की बात करें तो उसकी बल्लेबाजी भी चिंता का सबब है। हेड की हालत आजकल ऋषभ पंत की तरह हो गई है। स्टीव स्मिथ का खराब फॉर्म चिंता का सबब है। मार्नस लाबुशेन ने एडीलेड में अर्धशतक जड़ा लेकिन वह पुराने फॉर्म में नहीं दिख रहे। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बुमराह के पहले स्पैल को सावधानी से खेलना चाहेंगे क्योंकि उन्हें पता है कि इसमें कामयाब रहने पर बाकी भारतीय गेंदबाजों से उन्हें इतना खतरा नहीं है।

तीसरे टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग 11 - पैट कमिंस (कप्तान), जोश हेजलवुड , एलेक्स कैरी, ट्रैविस हेड, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिच मार्श, नाथन मैकस्वीनी, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क।

तीसरे टेस्ट के लिए भारत की संभावित प्लेइंग 11 -यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, शुभमन गिल, विराट कोहली, रोहित शर्मा (कप्तान), ऋषभ पंत, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह।

मैच का समय - भारतीय समयानुसार सुबह 5.50 बजे से।

यहां होगा तीसरा टेस्ट
ब्रिस्बेन के द गब्बा स्टेडियम में

यहां देखें मैच

मैच स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर देख सकते हैं।लाइव स्ट्रीमिंग जियोसिनेमा ऐप पर भी होगी। इसी के साथ ही मैच से जुड़े अपडेट्स के लिए आप पंजाब केसरी के साथ भी बने रह सकते हैं।

समुद्र मंथन का कारण

एक बार की बात है शिवजी के दर्शनों के लिए दुर्वासा ऋषि अपने शिष्यों के साथ कैलाश जा रहे थे। मार्ग में उन्हें देवराज इन्द्र मिले। इन्द्र ने दुर्वासा ऋषि और उनके शिष्यों को भक्तिपूर्वक प्रणाम किया। तब दुर्वासा ने इन्द्र को आशीर्वाद देकर विष्णु भगवान का पारिजात पुष्प प्रदान किया। इन्द्रासन के गर्व में चूर इन्द्र ने उस पुष्प को अपने ऐरावत हाथी के मस्तक पर रख दिया। उस पुष्प का स्पर्श होते ही ऐरावत सहसा विष्णु भगवान के समान तेजस्वी हो गया। उसने इन्द्र का परित्याग कर दिया और उस दिव्य पुष्प को कुचलते हुए वन की ओर चला गया।

दुर्वाषा ऋषि का शाप

इन्द्र द्वारा भगवान विष्णु के पुष्प का तिरस्कार होते देखकर दुर्वाषा ऋषि के क्रोध की सीमा न रही। उन्होंने देवराज इन्द्र को 'श्री' (लक्ष्मी) से हीन हो जाने का शाप दे दिया। दुर्वासा मुनि के शाप के फलस्वरूप लक्ष्मी उसी क्षण स्वर्गलोक को छोड़कर अदृश्य हो गईं। लक्ष्मी के चले जाने से इन्द्र आदि देवता निर्बल और श्रीहीन हो गए। उनका वैभव लुप्त हो गया। इन्द्र को बलहीन जानकर दैत्यों ने स्वर्ग पर आक्रमण कर दिया और देवगण को पराजित करके स्वर्ग के राज्य पर अपनी परचम फहरा दिया। तब इन्द्र देवगुरु बृहस्पति और अन्य देवताओं के साथ ब्रह्माजी की सभा में उपस्थित हुए। तब ब्रह्माजी बोले –''देवेन्द्र ! भगवान विष्णु के भोगरूपी पुष्प का अपमान करने के कारण रुष्ट होकर भगवती लक्ष्मी तुम्हारे पास से चली गयी हैं। उन्हें पुन: प्रसन्न करने के लिए तुम भगवान नारायण की कृपा-दृष्टि प्राप्त करो। उनके आशीर्वाद से तुम्हें खोया वैभव पुन: मिल जाएगा।''

इस प्रकार ब्रह्माजी ने इन्द्र को आस्वस्त किया और उन्हें लेकर भगवान विष्णु की शरण में पहुँचे। वहाँ परब्रह्म भगवान विष्णु भगवती लक्ष्मी के साथ विराजमान थे। देवगण भगवान विष्णु की स्तुति करते हुए बोले–''भगवान् ! आपके श्रीचरणों में हमारा बारम्बार प्रणाम। भगवान् ! हम सब जिस उद्देश्य से आपकी शरण में आए हैं, कृपा करके आप उसे पूरा कीजिए। दुर्वाषा ऋषि के शाप के कारण माता लक्ष्मी हमसे रूठ गई हैं और दैत्यों ने हमें पराजित कर स्वर्ग पर अधिकार कर लिया है। अब हम आपकी शरण में हैं, हमारी रक्षा कीजिए।'' भगवान विष्णु त्रिकालदर्शी हैं। वे पल भर में ही देवताओं के मन की बात जान गए। तब वे देवगण से बोले–''देवगण ! मेरी बात ध्यानपूर्वक सुनें, क्योंकि केवल यही तुम्हारे कल्याण का उपाय है। दैत्यों पर इस समय काल की विशेष कृपा है इसलिए जब तक तुम्हारे उत्कर्ष और दैत्यों के पतन का समय नहीं आता, तब तक तुम उनसे संधि कर लो। क्षीरसागर के गर्भ में अनेक दिव्य पदार्थों के साथ-साथ अमृत भी छिपा है। उसे पीने वाले के सामने मृत्यु भी पराजित हो जाती है। इसके लिए तुम्हें समुद्र मंथन करना होगा। यह कार्य अत्यंत दुष्कर है, अत: इस कार्य में दैत्यों से सहायता लो। कूटनीति भी यही कहती है कि आवश्यकता पड़ने पर शत्रुओं को भी मित्र बना लेना चाहिए। तत्पश्चात् अमृत पीकर अमर हो जाओ। तब दुष्ट दैत्य भी तुम्हारा अहित नहीं कर सकेंगे। देवगण ! वे जो शर्त रखें, उसे स्वाकीर कर लें। यह बात याद रखें कि शांति से सभी कार्य बन जाते हैं, क्रोध करने से कुछ नहीं होता।'' भगवान विष्णु के परामर्श के अनुसार इन्द्रादि देवगण दैत्यराज बलि के पास संधि का प्रस्ताव लेकर गए और उन्हें अमृत के बारे में बताकर समुद्र मंथन के लिए तैयार कर लिया।

इसी समय मेघ के समान गम्भीर स्वर में आकाशवाणी हुई– देवताओ और दैत्यो! तुम क्षीर समुद्र का मन्थन करो। इस कार्य में तुम्हारे बल की वृद्धि होगी, इसमें तनिक भी संदेह नहीं है। मन्दराचल को मथानी और वासुकी नाग को रस्सी बनाओ, फिर देवता और दैत्य मिलकर मन्थन आरम्भ करो। यह आकाशवाणी सुनकर सहस्त्रों दैत्य और देवता समुद्र-मन्थन के लिये उद्यत हो सुवर्ण के सदृश कान्तिमान् मन्दराचल के समीप गये। वह पर्वत सीधा, गोलाकार, बहुत मोटा और अत्यन्त प्रकाशमान था। अनेक प्रकार के रत्न उसकी शोभा बढ़ा रहे थे। चन्दन, पारिजात, नागकेशर, जायफल और चम्पा आदि भाँति-भाँति के वृक्षों से वह हरा-भरा दिखायी देता था।

उस महान् पर्वत को देखकर सम्पूर्ण देवताओं ने हाथ जोड़कर कहा- दूसरों का उपकार करने वाले महाशैल मन्दराचल ! हम सब देवता तुमसे कुछ निवेदन करने के लिये यहाँ आये हैं, उसे तुम सुनो। उनके यों कहने पर मन्दराचल ने देहधारी पुरुष के रूप में प्रकट होकर कहा- देवगण ! आप सब लोग मेरे पास किस कार्य से आये हैं, उसे बताइये। तब इन्द्र ने मधुर वाणी में कहा- मन्दराचल ! तुम हमारे साथ रहकर एक कार्य में सहायक बनो; हम समुद्र को मथकर उससे अमृत निकालना चाहते हैं, इस कार्य के लिये तुम मथानी बन जाओ। मन्दराचल ने बहुत अच्छा कहकर उनकी आज्ञा स्वीकार की और देवकार्य की सिद्धि के लिये देवताओं, दैत्यों तथा विशेषत: इन्द्र से कहा- पुण्यात्मा देवराज! आपने अपने वज्र से मेरे दोनों पंख काट डाले हैं, फिर आप लोगों के कार्य की सिद्धि के लिये वहाँ तक मैं चल कैसे सकता हूँ तब सम्पूर्ण देवताओं और दैत्यों ने उस अनुपम पर्वत को क्षीर समुद्र तक ले जाने की इच्छा से उखाड़ लिया; परंतु वे उसे धारण करने में समर्थ न हो सके। वह महान् पर्वत उसी समय देवताओं और दैत्यों के ऊपर गिर पड़ा। कई कुचले गये, कई मर गये, कई मूर्च्छित हो गये, कई एक-दूसरे को कोसने और चिल्लाने लगे तथा कुछ लोगों ने बड़े क्लेश का अनुभव किया। इस प्रकार उनका उद्यम और उत्साह भंग हो गया। वे देवता और दानव सचेत होने पर जगदीश्वर भगवान विष्णु की स्तुति करने लगे- शरणागतवत्सल महाविष्णो! हमारी रक्षा कीजिये, रक्षा कीजिये। आपने ही इस सम्पूर्ण चराचर जगत् को व्याप्त कर रखा है।

उस समय देवताओं का कार्य सिद्ध करने के लिये गरुड़ की पीठ पर बैठे हुए भगवान विष्णु सहसा वहाँ प्रकट हो गये। वे सबको अभय देने वाले हैं। उन्होंने देवताओं और दैत्यों की ओर दृष्टिपात करके खेल-खेल में ही उस महान् पर्वत को उठाकर गरुड़ की पीठ पर रख लिया। फिर वे देवताओं और दैत्यों को क्षीर-समुद्र के उत्तर-तट पर ले गये और पर्वतश्रेष्ठ मन्दराचल को समुद्र में डालकर तुरंत वहाँ से चल दिये। तदनन्तर सब देवता दैत्यों को साथ लेकर वासुकी नाग के समीप गये और उनसे भी अपनी प्रार्थना स्वीकार करायी। इस प्रकार मन्दराचल को मथानी और वासुकि-नाग को रस्सी बनाकर देवताओं और दैत्यों ने क्षीर-समुद्र का मन्थन आरम्भ किया। इतने में ही वह पर्वत समुद्र में डूबकर रसातल को जा पहुँचा। तब लक्ष्मीपति भगवान् विष्णु ने कच्छपरूप धारण करके तत्काल ही मन्दराचल को ऊपर उठा दिया। उस समय यह एक अद्भुत घटना हुई। फिर जब देवता और दैत्यों ने मथानी को घुमाना आरम्भ किया, तब वह पर्वत बिना गुरु के ज्ञान की भाँति कोई सुदृढ़ आधार न होने के कारण इधर-उधर डोलने लगा। यह देख परमात्मा भगवान् विष्णु स्वयं ही मन्दराचल के आधार बन गये और उन्होंने अपनी चारों भुजाओं से मथानी बने हुए उस पर्वत को भली-भाँति पकड़कर उसे सुखपूर्वक घुमाने योग्य बना दिया। तब अत्यन्त बलवान् देवता और दैत्य एकीभूत हो अधिक जोर लगाकर क्षीर-समुद्र का मन्थन करने लगे।

कच्छप रूपधारी भगवान की पीठ जन्म से ही कठोर थी और उस पर घूमने वाला पर्वतश्रेष्ठ मन्दराचल भी वज्रसार की भाँति दृढ था। उन दोनों की रगड़ से समुद्र में बड़वानल प्रकट हो गया। साथ ही हलाहल विष उत्पन्न हुआ। उस विष को सबसे पहले नारद जी ने देखा। तब अमित तेजस्वी देवर्षि ने देवताओं को पुकार कर कहा- अदिति कुमारो! अब तुम समुद्र का मन्थन न करो। इस समय सम्पूर्ण उपद्रवों का नाश करने वाले भगवान शिव की प्रार्थना करो। वे परात्पर हैं, परमानन्दस्वरूप हैं तथा योगी पुरुष भी उन्हीं का ध्यान करते हैं।

देवता अपने स्वार्थसाधन में संलग्न हो समुद्र मंथन रहे थे। वे अपनी ही अभिलाषा में तन्मय होने के कारण नारद जी की बात नहीं सुन सके। केवल उद्यम का भरोसा करके वे क्षीर-सागर के मन्थन में संलग्न थे। अधिक मन्थन से जो हलाहल विष प्रकट हुआ, वह तीनों लोकों को भस्म कर देने वाला था। वह प्रौढ़ विष देवताओं का प्राण लेने के लिये उनके समीप आ पहुँचा और ऊपर-नीचे तथा सम्पूर्ण दिशाओं में फैल गया। समस्त प्राणियों को अपना ग्रास बनाने के लिये प्रकट हुए उस कालकूट विष को देखकर वे सब देवता और दैत्य हाथ में पकड़े हुए नागराज वासुकि को मन्दराचल पर्वत सहित वहीं छोड़ भाग खड़े हुए। उस समय उस लोकसंहारकारी कालकूट विष को भगवान शिव ने स्वयं अपना ग्रास बना लिया। उन्होंने उस विष को निर्मल (निर्दोष) कर दिया। इस प्रकार भगवान शंकर की बड़ी भारी कृपा होने से देवता, असुर, मनुष्य तथा सम्पूर्ण त्रिलोकी की उस समय कालकूट विष से रक्षा हुई।

तदनन्तर भगवान विष्णु के समीप मन्दराचल को मथानी और वासुकि नाग को रस्सी बनाकर देवताओं ने पुन: समुद्र-मन्थन आरम्भ किया। तब समुद्र से देवकार्य की सिद्धि के लिये अमृतमयी कलाओं से परिपूर्ण चन्द्रदेव प्रकट हुए। सम्पूर्ण देवता, असुर और दानवों ने भगवान चंद्रमा को प्रणाम किया और गर्गाचार्य जी से अपने-अपने चन्द्रबल की यथार्थ रूप से जिज्ञासा की। उस समय गर्गाचार्य जी ने देवताओं से कहा- इस समय तुम सब लोगों का बल ठीक है। तुम्हारे सभी उत्तम ग्रह केन्द्र स्थान में (लग्न में, चतुर्थ स्थान में, सप्तम स्थान में और दशम स्थान में) हैं। चन्द्रमा से गुरु का योग हुआ है। बुध, सूर्य, शुक्र, शनि और मंगल भी चन्द्रमा से संयुक्त हुए हैं। इसलिये तुम्हारे कार्य की सिद्धि के निमित्त इस समय चन्द्रबल बहुत उत्तम है। यह गोमन्त नामक मुहूर्त है, जो विजय प्रदान करने वाला है। महात्मा गर्गजी के इस प्रकार आर्श्वासन देने पर महाबली देवता गर्जना करते हुए बड़े वेग से समुद्र-मन्थन करने लगे।

मथे जाते हुए समुद्र के चारों ओर बड़े जोर की आवाज उठ रही थी। इस बार के मन्थन से देवकार्यों की सिद्धि के लिये साक्षात् सुरभि कामधेनु प्रकट हुईं। उन्हें काले, श्वेत, पीले, हरे तथा लाल रंग की सैकड़ों गौएँ घेरे हुए थीं। उस समय ऋषियों ने बड़े हर्ष में भरकर देवताओं और दैत्यों से कामधेनु के लिये याचना की और कहा- आप सब लोग मिलकर भिन्न-भिन्न गोत्रवाले ब्राह्मणों को कामधेनु सहित इन सम्पूर्ण गौओं का दान अवश्य करें। ऋषियों के याचना करने पर देवताओं और दैत्यों ने भगवान् शंकर की प्रसन्नता के लिये वे सब गौएँ दान कर दीं तथा यज्ञ कर्मों में भली-भाँति मन को लगाने वाले उन परम मंगलमय महात्मा ऋषियों ने उन गौओं का दान स्वीकार किया। तत्पश्चात् सब लोग बड़े जोश में आकर क्षीरसागर को मथने लगे। तब समुद्र से कल्पवृक्ष, पारिजात, आम का वृक्ष और सन्तान- ये चार दिव्य वृक्ष प्रकट हुए।

उन सबको एकत्र रखकर देवताओं ने पुन: बड़े वेग से समुद्र मन्थन आरम्भ किया। इस बार के मन्थन से रत्नों में सबसे उत्तम रत्न कौस्तुभ प्रकट हुआ, जो सूर्यमण्डल के समान परम कान्तिमान था। वह अपने प्रकाश से तीनों लोकों को प्रकाशित कर रहा था। देवताओं ने चिन्तामणि को आगे रखकर कौस्तुभ का दर्शन किया और उसे भगवान विष्णु की सेवा में भेंट कर दिया। तदनन्तर, चिन्तामणि को मध्य में रखकर देवताओं और दैत्यों ने पुन: समुद्र को मथना आरम्भ किया। वे सभी बल में बढ़े-चढ़े थे और बार-बार गर्जना कर रहे थे। अब की बार उसे मथे जाते हुए समुद्र से उच्चै:श्रवा नामक अश्र्व प्रकट हुआ। वह समस्त अश्र्वजाति में एक अद्भुत रत्न था। उसके बाद गज जाति में रत्न भूत ऐरावत प्रकट हुआ। उसके साथ श्वेतवर्ण के चौसठ हाथी और थे। ऐरावत के चार दाँत बाहर निकले हुए थे और मस्तिष्क से मद की धारा बह रही थी। इन सबको भी मध्य में स्थापित करके वे सब पुन: समुद्र मथने लगे। उस समय उस समुद्र से मदिरा, भाँग, काकड़ासिंगी, लहसुन, गाजर, अत्यधिक उन्मादकारक धतूर तथा पुष्कर आदि बहुत-सी वस्तुएँ प्रकट हुईं। इन सबको भी समुद्र के किनारे एक स्थान पर रख दिया गया। तत्पश्चात् वे श्रेष्ठ देवता और दानव पुन: पहले की ही भाँति समुद्र-मन्थन करने लगे। अब की बार समुद्र से सम्पूर्ण भुवनों की एकमात्र अधीश्वरी दिव्यरूपा देवी महालक्ष्मी प्रकट हुईं, जिन्हें ब्रह्मवेत्ता पुरुष आन्वीक्षिकी (वेदान्त-विद्या) कहते हैं। इन्हीं को दूसरे लोग मूल-विद्या कहकर पुकारते हैं।

कुछ सामर्थ्यशाली महात्मा इन्हीं को वाणी और ब्रह्मविद्या भी कहते हैं। कोई-कोई इन्हीं को ऋद्धि, सिद्धि, आज्ञा और आशा नाम देते हैं। कोई योगी पुरुष इन्हीं को वैष्णवी कहते हैं। सदा उद्यम में लगे रहने वाले माया के अनुयायी इन्हीं को माया के रूप में जानते हैं। जो अनेक प्रकार के सिद्धान्तों को जानने वाले तथा ज्ञानशक्ति से सम्पन्न हैं, वे इन्हीं को भगवान की योगमाया कहते हैं। देवताओं ने देखा देवी महालक्ष्मी का रूप परम सुन्दर है। उनके मनोहर मुख पर स्वाभाविक प्रसन्नता विराजमान है। हार और नूपुरों से उनके श्रीअंगो की बड़ी शोभा हो रही है। मस्तिष्क पर छत्र तना हुआ है, दोनों ओर से चँवर डुल रहे हैं; जैसे माता अपने पुत्रों की ओर स्नेह और दुलार भरी दृष्टि से देखती है, उसी प्रकार सती महालक्ष्मी ने देवता, दानव, सिद्ध, चारण और नाग आदि सम्पूर्ण प्राणियों की ओर दृष्टिपात किया। माता महालक्ष्मी की कृपा-दृष्टि पाकर सम्पूर्ण देवता उसी समय श्रीसम्पन्न हो गये। वे तत्काल राज्याधिकारी के शुभ लक्षणों से सम्पन्न दिखायी देने लगे।

तदनन्तर देवी लक्ष्मी ने भगवान मुकुन्द की ओर देखा। उनके श्रीअंग तमाल के समान श्यामवर्ण थे। कपोल और नासिका बड़ी सुन्दर थी। वे परम मनोहर दिव्य शरीर से प्रकाशित हो रहे थे। उनके वक्ष:स्थल में श्रीवत्स का चिह्न सुशोभित था। भगवान एक हाथ में कौमोद की गदा शोभा पा रही थी। भगवान् नारायण की उस दिव्य शोभा को देखते ही लक्ष्मी जी आश्चर्यचकित हो उठीं और हाथ में वनमाला ले सहसा हाथी से उतर पड़ीं। वह माला श्रीजी ने अपने ही हाथों बनायी थीं, उसके ऊपर भ्रमर मंडरा रहे थे। देवी ने वह सुन्दर वनमाला परमपुरुष भगवान विष्णु के कण्ठ में पहना दी और स्वयं उनके वाम भाग में जाकर खड़ी हो गयीं। उस शोभाशाली दम्पति का वहाँ दर्शन करके सम्पूर्ण देवता, दैत्य, सिद्ध, अप्सराएँ, किन्नर तथा चारणगण परम आनन्द को प्राप्त हुए।

लक्ष्मी द्वारा विष्णु वरण के बाद समुद्र मंथन से कन्या के रूप में वारुणी प्रकट हई जिसे दैत्यों ने ग्रहण किया। फिर एक के पश्चात् एक चन्द्रमा, पारिजात वृक्ष तथा शंख निकले और अन्त में धन्वन्तरि वैद्य अमृत का घट लेकर प्रकट हुये। धन्वन्तरि के हाथ से अमृत को दैत्यों ने छीन लिया और उसके लिये आपस में ही लड़ने लगे। देवताओं के पास दुर्वासा के शापवश इतनी शक्ति रही नही थी कि वे दैत्यों से लड़कर उस अमृत को ले सकें इसलिये वे निराश खड़े हुये उनका आपस में लड़ना देखते रहे।

देवताओं की निराशा को देखकर भगवान विष्णु तत्काल मोहिनी रूप धारण कर आपस में लड़ते दैत्यों के पास जा पहुँचे। उस विश्वमोहिनी रूप को देखकर दैत्य तथा देवताओं की तो बात ही क्या, स्वयं ब्रह्मज्ञानी, कामदेव को भस्म कर देने वाले, भगवान शंकर भी मोहित होकर उनकी ओर बार-बार देखने लगे। जब दैत्यों ने उस नवयौवना सुन्दरी को अपनी ओर आते हुये देखा तब वे अपना सारा झगड़ा भूल कर उसी सुन्दरी की ओर कामासक्त होकर एकटक देखने लगे। वे दैत्य बोले, हे सुन्दरी! तुम कौन हो लगता है कि हमारे झगड़े को देखकर उसका निबटारा करने के लिये ही हम पर कृपा कटाक्ष कर रही हो। आओ शुभगे! तुम्हारा स्वागत है। हमें अपने सुन्दर कर कमलों से यह अमृतपान कराओ। इस पर विश्वमोहिनी रूपी विष्णु ने कहा, हे देवताओं और दानवों! आप दोनों ही महर्षि कश्यप जी के पुत्र होने के कारण भाई-भाई हो फिर भी परस्पर लड़ते हो। मैं तो स्वेच्छाचारिणी स्त्री हूँ। बुद्धिमान लोग ऐसी स्त्री पर कभी विश्वास नहीं करते, फिर तुम लोग कैसे मुझ पर विश्वास कर रहे हो अच्छा यही है कि स्वयं सब मिल कर अमृतपान कर लो।

विश्वमोहिनी के ऐसे नीति कुशल वचन सुन कर उन कामान्ध दैत्यों, दानवों और असुरों को उस पर और भी विश्वास हो गया। वे बोले, सुन्दरी! हम तुम पर पूर्ण विश्वास है। तुम जिस प्रकार बाँटोगी हम उसी प्रकार अमृतपान कर लेंगे। तुम ये घट ले लो और हम सभी में अमृत वितरण करो। विश्वमोहिनी ने अमृत घट लेकर देवताओं और दैत्यों को अलग-अलग पंक्तियो में बैठने के लिये कहा। उसके बाद दैत्यों को अपने कटाक्ष से मदहोश करते हुये देवताओं को अमृतपान कराने लगे। दैत्य उनके कटाक्ष से ऐसे मदहोश हुये कि अमृत पीना ही भूल गये।

भगवान की इस चाल को राहु नामक दैत्य समझ गया। वह देवता का रूप बना कर देवताओं में जाकर बैठ गया और प्राप्त अमृत को मुख में डाल लिया। जब अमृत उसके कण्ठ में पहुँच गया तब चन्द्रमा तथा सूर्य ने पुकार कर कहा कि ये राहु दैत्य है। यह सुनकर भगवान विष्णु ने तत्काल अपने सुदर्शन चक्र से उसका सिर गर्दन से अलग कर दिया। अमृत के प्रभाव से उसके सिर और धड़ राहु और केतु नाम के दो ग्रह बन कर अन्तरिक्ष में स्थापित हो गये। वे ही बैर भाव के कारण सूर्य और चन्द्रमा का ग्रहण कराते हैं।

इस तरह देवताओं को अमृत पिलाकर भगवान विष्णु वहाँ से लोप हो गये। उनके लोप होते ही दैत्यों की मदहोशी समाप्त हो गई। वे अत्यन्त क्रोधित हो देवताओं पर प्रहार करने लगे। भयंकर देवासुर संग्राम आरम्भ हो गया जिसमें देवराज इन्द्र ने दैत्यराज बलि को परास्त कर अपना इन्द्रलोक वापस ले लिया।

चौदह (14) रत्नों की प्राप्ति

समुद्र मंथन की मिथकीय घटना के बाद जो चौदह (14) रत्नों की प्राप्ति हुई उससे संबंधित निम्नलिखित पंक्तियों में स्मरणीय हैं :-

श्री, मणि, रम्भा, वारुणी, अमिय, शंख, गजराज
धेनु, धनुष, शशि, कल्पतरु, धन्वन्तरि, विष, वाज [1]

अर्थात
- हलाहल (विष)
- कामधेनु
- उच्चै:श्रवा (अश्व)
- ऐरावत हाथी
- कौस्तुभ मणि
- कल्पद्रुम
- रंभा
- लक्ष्मी
- वारुणी (मदिरा)
- चन्द्रमा
- पारिजात वृक्ष
- पांचजन्य शंख
- धन्वन्तरि (वैद्य)
- अमृत

केरल की यह अद्भुत जगह देख भूल जाएंगे मुन्नार और वायनाड

मुन्नार में मौजूद रानीपुरम एक ऐसी जगह है, जिसकी खूबसूरती देख यकीनन आप वायनाड और मुन्नार जैसे फेमस हिल स्टेशनों को भूल जाएंगे। ऐसे में अगर आप भी केरल घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। अक्सर लोग छुट्टी मिलते ही घूमने का प्लान बना लेते हैं। वैसे तो हमारे देश में घूमने के लिहाज से कई बेहतरीन जगहें मौजूद हैं। लेकिन जब दक्षिण भारत के किसी शानदार जगह पर घूमने की बात होती है, तो लोग सबसे पहले केरल का नाम लेते हैं। केरल विश्व प्रसिद्ध टूरिस्ट प्लेस है। अरब सागर के तट पर स्थित केरल में एक से एक बेहतरीन जगहें हैं। यहां पर न सिर्फ देश से बल्कि विदेशी लोग भी घूमने के लिए पहुंचते हैं।

वहीं मुन्नार में मौजूद रानीपुरम एक ऐसी जगह है, जिसकी खूबसूरती देख यकीनन आप वायनाड और मुन्नार जैसे फेमस हिल स्टेशनों को भूल जाएंगे। ऐसे में अगर आप भी केरल घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको रानीपुरम की खासियत और यहां मौजूद कुछ शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

रानीपुरम

केरल के कासरगोड जिले में स्थित रानीपुरम एक बेहद खूबसूरत, अद्भुत और शानदार हिल स्टेशन है। यह केरल के छिपे हुए खजानों में से एक माना जाता है। यह ऊंचे-ऊंचे पहाड़, आकर्षक नजारे और सदाबहार वनस्पतियों के लिए पूरे राज्य में फेमस है। रानीपुरम का शांत और सुकून भरा वातावरण पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। आप यहां पर परिवार या पार्टनर के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड कर सकते हैं।

घूमने की बेस्ट जगहें

बता दें कि रानीपुरम में कई बेहतरीन और अद्भुत जगहें मौजूद हैं, जहां पर घूमने के बाद आप मुन्नार और वायनाड जैसी जगहों को यकीनन भूल जाएंगे।

वाइल्डलाइफ सेंक्चुअरी

अगर रानीपुरम में किसी शानदार और मनमोहक जगह घूमने की बात की जाए, तो रानीपुरम वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी का नाम सबसे पहले आता है। समुद्र तल से करीब 750 मीटर पर मौजूद यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए हसीन जन्नत के समान है। रानीपुरम वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी सिर्फ केरल ही नहीं बल्कि कर्नाटक की खूबसूरती को बढ़ाता है। यह कर्नाटक की सीमा पर मौजूद है और आप यहां पर बाघ, हाथी, जंगली सुअर, जंगती बंदर और हिरण आदि कई जानवरों को बेहद करीब से देख सकते हैं।

रानीपुरम ट्रेक

यह ट्रेक किसी हसीन ख्वाब से कम नहीं हैं। क्योंकि रानीपुरम ट्रेक कासरगोड की सबसे ऊंची चोटी है। जब आप इस ट्रेक पर जाते हैं, तो आपको अपने चारों ओर लुभावने और मनमोहक दृश्य दिखाई देते हैं। इस ट्रेक की हरियाली भी पर्यटकों को खूब लुभाती है। चोटी की ऊंचाई से आसपास का नजारा बेहद खूबसूरत लगता है।

मालोम गांव

बता दें कि रानीपुरम से कुछ ही दूरी पर मालोम गांव है। यह गांव प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग है। यहां पर ऊंचे-ऊंचे पहाड़, चाय और कॉफ़ी के बागानों के बीच मौजूद यह गांव खूबसूरती का खजाना माना जाता है। आप मालोम गांव में केरल की पारंपरिक और सांस्कृतिक रिवाजों को करीब से देख सकते हैं। इसके साथ ही चाय और कॉफी के बागानों की फोटोग्राफी भी कर सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

अल्बर्टा ने शेरिफ, कुत्तों और ड्रोन के साथ अमेरिकी सीमा सुरक्षा योजना का उद्घाटन किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अल्बर्टा ने अमेरिका के साथ कनाडा की सीमा के अपने हिस्से पर सुरक्षा को मजबूत करने के प्रयास में एक नई इकाई बनाने की योजना पेश की। प्रीमियर डेनियल स्मिथ ने गुरुवार को घोषणा की कि प्रांत अल्बर्टा शेरिफ की कमान के तहत इंटरडिक्शन पैट्रोल टीम बनाने के लिए 29 मिलियन का निवेश करेगा। यह इकाई शेरिफ की सात टीमों से बनी होगी और इसमें समर्पित पायलटों के साथ 10 ठंडे मौसम की निगरानी करने वाले ड्रोन, चार इन्फ्रा पैट्रोल कुत्ते और चार नारकोटिक्स विश्लेषक शामिल होंगे। स्मिथ ने कहा कि अल्बर्टा दो किलोमीटर गहरा सीमा क्षेत्र बनाएगा, जहां शेरिफ बिना किसी वारंट के अवैध रूप से सीमा पार करने या अवैध ड्रग्स या हथियारों की तस्करी करने का प्रयास करने वाले लोगों को गिरफ्तार कर सकेंगे। अल्बर्टा सरकार आज संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ सीमा पर सुरक्षा बढ़ाने की अपनी योजना की घोषणा करेगी। प्रीमियर डेनियल स्मिथ के साथ सुबह 9:30 बजे सार्वजनिक सुरक्षा और आपातकालीन सेवा मंत्री माइक एलिस नए उपायों की घोषणा करेंगे।

सीरिया को गंवाकर भड़का ईरान, खामनेई बोले- अमेरिका और इजराइल में हटाई असद सरकार

तेहरान , एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई ने कहा है कि सीरिया में बरसर असद सरकार का पतन सहित वहां का हालिया घटनाक्रम अमेरिका और इजराइल की संयुक्त योजना का हिस्सा है। खामनेई द्वारा दिये भाषण को ईरान के सरकारी चैनल पर प्रसारित किया गया। उन्होंने कहा, ''इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि सीरिया में जो कुछ हुआ है वह अमेरिकी और यहूदी (इजराइल के संदर्भ में) योजना का परिणाम है। खामनेई ने कहा, ''हमारे पास सबूत हैं, और यह सबूत संदेह की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ता। ईरान के सर्वोच्च नेता ने कहा, ''सीरिया के एक पड़ोसी देश ने इस मामले में स्पष्ट भूमिका निभाई है, और वह ऐसा करना जारी रख रहा है। खामनेई ने विश्लेषकों की उन अटकलों को भी खारिज कर दिया कि सीरिया में राष्ट्रपति बशर अल-असद की सरकार के पतन से ईरान कमजोर हो जाएगा। उन्होंने कहा, ''वे अज्ञानी विश्लेषक प्रतिरोध के अर्थ से अनभिज्ञ हैं। उन्हें लगता है कि अगर प्रतिरोध कमजोर हुआ तो इस्लामिक ईरान भी कमजोर हो जाएगा।

मलंकारा मेट्रोपॉलिटन के प्रमुख बेसेलियोस मार्थोमा मैथ्यूज 3 को रूस ने किया सम्मानित

मास्को, एजेंसी। 12 दिसंबर को भारत स्थित रूसी दूतावास में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पूर्वी कैथोलिकोस और मलंकारा मेट्रोपॉलिटन के प्रमुख बेसेलियोस मार्थोमा मैथ्यूज 3 को रूस की सरकार की तरफ से ऑर्डर ऑफ फ्रेंडशिप अवार्ड से सम्मानित किया गया। भारत में रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव ने रूसी और मलंकारा सीरियन ऑर्थोडॉक्स चर्चों के बीच संवाद को बढ़ावा देने के साथ-साथ मॉस्को के मेट्रोपॉलिटन सेंट एलेक्सिस के सेंट्रल क्लिनिकल अस्पताल और केरल के सेंट जॉर्ज अस्पताल के बीच सहयोग की शुरूआत जैसे मानवीय और परोपकारी प्रयासों के लिए कैथोलिकोस के प्रयासों की तारीफ की।

बांग्लादेश में अब जॉय बांग्ला राष्ट्रीय नारा नहीं , यूनुस सरकार ने आदेश जारी किया

सुप्रीम कोर्ट का दखल से इनकार

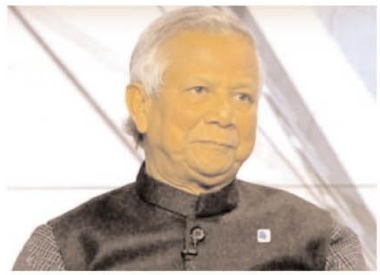

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में जॉय बांग्ला को राष्ट्रीय नारा नहीं माना जाएगा। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश सरकार ने हाल ही में इसे लेकर आदेश जारी किया है। बांग्लादेश के पहले राष्ट्रपति शेख मुजीबुर्रहमान ने 1971 में बांग्लादेश के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान इस नारे का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया था। डेली स्टार के मुताबिक, बांग्लादेशी सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को इस सरकारी आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि राष्ट्रीय नारा सरकार की पॉलिसी का मामला है और न्यायपालिका को इसमें दखल नहीं देना चाहिए।

इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, जॉय बांग्ला नारा कवि काजी नजरुल इस्लाम की कविता से लिया गया है। उन्होंने 1922 में भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान लिखी एक कविता में इसका जिक्र किया था। 1971 में बांग्लादेश स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान इसका इस्तेमाल युद्धघोष की तरह किया गया। शेख मुजीबुर्रहमान ने पाकिस्तानी सेना से मुकाबला करने के लिए 1971 में जॉय बांग्ला (बांग्ला की जीत) नारे का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया था।

शेख मुजीबुर्रहमान ने पाकिस्तानी सेना से मुकाबला करने के लिए 1971 में जॉय बांग्ला (बांग्ला की जीत) नारे का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया था।

तस्वीर- रॉयटर्स 2020 में हाई कोर्ट ने राष्ट्रीय नारा घोषित किया था बांग्लादेश बनने के बाद नजरुल इस्लाम को बांग्लादेश के राष्ट्रीय कवि की उपाधि से सम्मानित किया गया। बांग्लादेश की आजादी के तुरंत बाद अनौपचारिक तौर पर जॉय बांग्ला देश का राष्ट्रीय नारा बन गया। हालांकि, 1975 में शेख मुजीब की हत्या के बाद खोंडेकर मुस्ताक अहमद बांग्लादेश के राष्ट्रपति बने तो उन्होंने बांग्लादेश जिंदाबाद नारे का इस्तेमाल किया।

2017 में बांग्लादेश हाई कोर्ट में एक याचिका दायर की थी, जिसमें जॉय बांग्ला को देश का राष्ट्रीय नारा घोषित करने की मांग की गई थी। 10 मार्च, 2020 को हाई कोर्ट ने जॉय बांग्ला को राष्ट्रीय नारा घोषित कर दिया। 2 मार्च 2022 को शेख हसीना की अवामी लीग सरकार ने सभी सरकारी कार्यालयों और सरकारी समारोह में इसे बोलना अनिवार्य कर दिया था। नोट से शेख मुजीब की तस्वीर हटाने की तैयारी बांग्लादेश में करेंसी नोट से भी शेख मुजीबुर्रहमान की तस्वीर हटाने की तैयारी की जा रही है। ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक, बांग्लादेश सेंट्रल बैंक नए नोट छाप रहा है, जिनमें जुलाई के हिंसक प्रदर्शन की तस्वीरें होंगी। अंतरिम सरकार के निर्देश पर 20, 100, 500 और 1,000 टका के नए बैंक नोट छापे जा रहे हैं।

पहले राष्ट्रपति से जुड़ी निशानियों पर भी हमला अगस्त 2024 को बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद से लगातार शेख मुजीब से जुड़ी निशानियों पर हमला किया जा रहा है। ढाका में शेख मुजीबुर्रहमान की मूर्ति को तोड़ा गया और कई सार्वजनिक स्थानों पर लगी उनकी नेमप्लेट को हटाया गया। अंतरिम सरकार ने आजादी और संस्थापक से जुड़े दिनों की 8 सरकारी छुट्टियां भी कैंसिल कर दी थी।

अमेरिकी इन्फ्लुएंसर ने धधकती आग में फेंके पैसों के बंडल, यूजर्स ने जताई नाराजगी

वाशिंगटन, एजेंसी। आजकल सोशल मीडिया पर लोग लाइक्स और फॉलोवर्स के लिए अजीबोगरीब तरीके अपनाते रहते हैं। हाल ही में एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें एक अमेरिकी इन्फ्लुएंसर पैसों को आग में जला रहा है। इस वीडियो के कारण वह सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में है लेकिन यूजर्स ने इसके खिलाफ नाराजगी भी जताई है। आइए जानते हैं इस वीडियो और उसके बाद के विवाद के बारे में। यह वीडियो फेमस अमेरिकी इन्फ्लुएंसर बलवानोविच ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया। वीडियो में बलवानोविच काले रंग का कोट, टोपी और सनग्लास पहने हुए दिखाई दे रहे हैं और वे धधकती आग में पैसे के बंडल फेंक रहे हैं। वीडियो में यह देखा जा सकता है कि वह लकड़ी के बजाय पैसे को जलाने के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं। इस पोस्ट को अब तक 44,000 से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं और वीडियो को 1 मिलियन से ज्यादा बार देखा जा चुका है। इस वीडियो को देखकर यूजर्स ने अपनी निराशा और आलोचनाएं व्यक्त की हैं। कुछ लोगों ने इस वीडियो को गलत ठहराया और इन्फ्लुएंसर के इस कृत्य पर सवाल उठाए। एक यूजर ने लिखा, आप क्या साबित करना चाहते हैं? मुझे समझ नहीं आ रहा।दूसरे ने कमेंट करते हुए लिखा, गरीबों को बांट दिया करो भाई, हम जैसे लोगों को।एक और यूजर ने लिखा, वह ऐसा क्यों करता है जब इतने सारे बच्चे भूखे सोते हैं?एक अन्य यूजर ने यह भी दावा किया कि यह पैसे असली नहीं, बल्कि नकली थे। पैसे को लेकर यूजर्स के बीच विवाद बढ़ता जा रहा है। कई लोग इसे पैसे की बर्बादी और संवेदनहीनता मान रहे हैं जबकि कुछ लोग इसे सिर्फ एक शो-ऑफ मान रहे हैं। बलवानोविच इंस्टाग्राम पर एक फेमस इन्फ्लुएंसर हैं और उनके 1.3 करोड़ से अधिक फॉलोअर्स हैं।

फैसले की घड़ी ! यूक्रेन के ट्रांजिट हब के करीब पहुंचीं रूसी सेनाएं, बेहद भयंकरलड़ाई का सामना कर रहे यूक्रेनी सैनिक

कीव/मास्को , एजेंसी। यूक्रेन के शीर्ष जनरल ने गुरुवार को कहा कि उनके सैनिकों को बेहद भयंकरलड़ाई का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि रूसी सेना रणनीतिक पूर्वी शहर ट्रांजिट हब पोक्रोवस्क के करीब पहुंच रही है, और यूक्रेनी सुरक्षा को मजबूत करने के लिए अपरंपरागत निर्णयलेने होंगे। हालांकि कमांडर जनरल ओलेक्सेंडर सिरस्की ने यह नहीं बताया कि किस तरह के उपाय किए जा सकते हैं, लेकिन उनके खतरनाक बयान ने यूक्रेन की सेना के लिए एक प्रमुख रेल और सड़क केंद्र पोक्रोवस्क के आसपास बिगड़ती स्थिति को रेखांकित किया। पोक्रोवस्क को घेरने के प्रयास में, रूसी सैनिकों ने हाल के दिनों में शहर के दक्षिण की ओर कदम बढ़ाया है और अब वे इसके बाहरी इलाके से तीन मील से भी कम दूरी पर हैं, जैसा कि उपग्रह चित्रों और लड़ाई के सार्वजनिक रूप से उपलब्ध फुटेज पर आधारित युद्धक्षेत्र मानचित्रों से पता चलता है। वे दक्षिण में कई दर्जन मील दूर गांवों और बस्तियों से भी लगातार आगे बढ़ रहे हैं, जिससे डोनेट्स्क क्षेत्र के दक्षिणी हिस्से में आखिरी दो यूक्रेनी गढ़ों पर कब्जा करने का खतरा है। मास्को 2022 के बाद से डोनेट्स्क में सबसे तेज गति से आगे बढ़ रहा है, हर महीने सैकड़ों वर्ग मील पर कब्जा कर रहा है क्योंकि यह सैनिकों की कमी से कमजोर यूक्रेनी ठिकानों को तोड़कर अपने भारी जनशक्ति लाभ का लाभ उठा रहा है।

आक्रमण के बाद पूर्वी यूक्रेन के प्रमुख शहर पोक्रोवस्क के आसपास युद्ध अत्यंत तीव्रहो गया है। विश्लेषकों का अनुमान है कि रूसी सेना अब शहर से कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर है। जनरल स्टाफ ने बृहस्पतिवार को युद्धक्षेत्र रिपोर्ट में कहा कि यूक्रेनी सैनिकों ने पिछले 24 घंटों में पोक्रोवस्क के आसपास सुरक्षा बलों पर हमला करने के रूस के लगभग 40 प्रयासों को विफल कर दिया।

नेटफ्लिक्स की टॉय बॉय सीरीज के स्टार जोस डे ला टोरे का 37 साल की उम्र में निधन, शोक में डूबे फैंस

लंदन, एजेंसी। स्पेनिश एक्टर जोस डे ला टोरे जो नेटफ्लिक्स की लोकप्रिय सीरीज टॉय बॉय में अपने अभिनय से पहचान बनाए थे अब हमारे बीच नहीं रहे। 37 साल की उम्र में उनका निधन हो गया और 5 दिसंबर को उनके निधन की खबर की पुष्टि की गई। जोस के निधन से उनके परिवार, दोस्तों और फैंस में गहरा शोक व्याप्त है।

अक्टूबर में जोस ने अपने फैंस के साथ सोशल मीडिया पर यह जानकारी साझा की थी कि वे एक गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं हालांकि उन्होंने बीमारी का नाम नहीं बताया था। रहस्यमयी बीमारी से जूझने के बाद उनके अचानक निधन ने सभी को चौंका दिया। जोस की मौत की पुष्टि सबसे पहले स्पेन के मोंटिला डिजिटल ने की। रिपोर्ट्स के अनुसार, उनका अंतिम संस्कार 6 दिसंबर को मोंटिला के सैन फ्रांसिस्को सोलोनो चर्च में हुआ।

अभी तक जोस की मौत के कारणों के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है लेकिन यह स्पष्ट है कि वे लंबे समय से अपनी बीमारी से संघर्ष कर रहे थे। जोस ने जून में अपने फैंस को बताया था कि वे गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं और इलाज चल रहा है लेकिन इस बीमारी के बारे में उन्होंने कोई खास जानकारी साझा नहीं की थी। टॉय बॉय में इवान

का रोल था मशहूर जोस डे ला टोरे को सबसे ज्यादा पहचान टॉय बॉय सीरीज से मिली जिसमें उन्होंने इवान का किरदार निभाया था। यह स्पेनिश थ्रिलर सीरीज 2019 से 2021 तक दो सीजन में नेटफ्लिक्स पर आई थी और दुनियाभर में इसे जबरदस्त पसंद किया गया था। शो में जोस ने एक स्ट्रिपर का रोल निभाया था जो एक अपराध में फंसकर अपनी बेगुनाही साबित करने की कोशिश करता है। उनका यह किरदार दर्शकों के बीच बहुत ही लोकप्रिय हुआ था। जोस ने अपने करियर की शुरुआत स्पेनिश पुलिस ड्रामा सर्व एंड प्रोटेक्ट से की थी जहां उन्होंने गोयो नामक किरदार निभाया था। इसके बाद उन्होंने कई अन्य प्रोजेक्ट्स जैसे विश अ विस- एल ओएस में भी काम किया। जोस की अभिनय प्रतिभा ने उन्हें एक स्टार बना दिया लेकिन उनका अचानक निधन फिल्म इंडस्ट्री और उनके फैंस के लिए एक अपूरणीय क्षति है। जोस के निधन की खबर के बाद कई मशहूर हस्तियों ने उन्हें सोशल मीडिया पर श्रद्धांजलि अर्पित की। स्पेनिश सिंगर पाब्लो अल्बोरान ने इंस्टाग्राम पर लिखा, मैं विश्वास नहीं कर सकता कि तुम इतनी जल्दी चले गए। मैं तुम्हारी जुदाई से पूरी तरह टूट चुका हूं।

सीरिया की 90 फीसदी सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणालियों को हमने तबाह कर दिया : इजरायल

येरूशलम, एजेंसी। इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) का दावा है कि उसने सीरिया की हवाई सुरक्षा को बहुत नुकसान पहुंचाया है और उसकी सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणालियों का 90 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा नष्ट कर दिया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, एक बयान में आईडीएफ ने बताया कि वह सीरिया की स्थिति का मूल्यांकन कर रहा था, खासकर बशर अल-असद के सत्ता से हटने की संभावना को ध्यान में रखते हुए।

बयान में कहा गया है, ऐसी स्थिति के लिए तैयार होने के लिए वायु सेना ने सीरिया की सैन्य ताकतों को नष्ट करने के लिए एक बड़े हमले की योजना बनाई है। पिछले कुछ दिनों में सैकड़ों इजरायली लड़ाकू जेट और विमान ने मिलकर हमले शुरू किए हैं, जिनसे सीरिया के सबसे महत्वपूर्ण हथियारों, जैसे लड़ाकू जेट, हेलीकॉप्टर, मिसाइल, ड्रोन, रडार और रॉकेट को बड़ा नुकसान हुआ है। हमलों में कई सीरियाई हवाई अड्डों को भी निशाना बनाया गया। उत्तरी दमिश्क के पास टी4 हवाई अड्डा को भारी नुकसान पहुंचा है, जिससे वहां तैनात एसयू-22 और एसयू-24 लड़ाकू विमान पूरी तरह नष्ट हो गए। ब्ले हवाई अड्डा, जहां तीन और लड़ाकू स्क्वाड्रन थे और पास में स्थित हथियारों के गोदाम भी इजरायली हमलों में प्रभावित हुए। आईडीएफ ने एक्स पोस्ट में कहा, 48 घंटों के भीतर आईडीएफ ने सीरिया में अधिकांश रणनीतिक हथियारों के भंडार पर हमला किया, ताकि ये आतंकवादी समूहों के हाथों में न पड़ें। इसके अलावा, सीरिया के होम्स क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण विनिर्माण और भंडारण केंद्र को निशाना बनाया गया, जिसे सीरिया के स्कड मिसाइल कार्यक्रम का अहम हिस्सा माना जाता था। आईडीएफ के बयान में बताया गया कि इन अभियानों का उद्देश्य क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच सीरिया की उन्नत सैन्य ताकतों को कमजोर करना है।

अफगानिस्तान में तालिबान मंत्री के अंतिम संस्कार के लिए कड़े सुरक्षा इंतजाम

काबुल , एजेंसी। अफगानिस्तान में एक तालिबान मंत्री के अंतिम संस्कार के लिए बृहस्पतिवार को कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए। मंत्री की आत्मघाती बम विस्फोट में मौत हो गई थी, जिसकी जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट समूह से जुड़े एक संगठन ने ली है। कैबिनेट सदस्य खलील हक्कानी तीन साल पहले तालिबान द्वारा सत्ता पर कब्जा करने के बाद से देश में हुए किसी हमले में मारे गए प्रमुख व्यक्ति थे। राजधानी काबुल में बुधवार को शरणार्थी एवं प्रत्यावर्तन मंत्रालय में हुए विस्फोट में उनकी मौत हो गई।

विस्फोट में कई अन्य लोग भी मारे गए। अधिकारियों ने मृतकों और घायलों की हालिया संख्या नहीं बताई है। हक्कानी, कार्यवाहक आंतरिक मंत्री और तालिबान के भीतर एक शक्तिशाली गुट के नेता सिराजुद्दीन हक्कानी के रिश्तेदार थे। अमेरिका ने उन दोनों पर इनाम रखा हुआ है। समाचार संस्था 'अमाक न्यूज एजेंसी द्वारा दिए गए बयान में हूस से जुड़े संगठन ने कहा कि उसके एक लड़ाके ने आत्मघाती बम विस्फोट को अंजाम दिया।

बयान के अनुसार, लड़ाके ने हक्कानी के कार्यालय से बाहर निकलने का इंतजार किया और फिर अपने डिवाइस को उड़ा दिया। मंत्री का अंतिम संस्कार बृहस्पतिवार दोपहर पूर्वी पकतिया प्रांत के गरदा सेराई जिले में होगा, जो हक्कानी परिवार का गढ़ है। सरकार के उप प्रवक्ता हमदुल्ला फितरत ने बृहस्पतिवार को कहा कि शीर्ष अधिकारी अंतिम संस्कार में हिस्सा लेंगे और सुरक्षा उपाय लागू किए गए हैं। अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र मिशन सहित अन्य ने इस हमले की निंदा की है।

पद छोड़ने से पहले बाइडन ने 39 लोगों को किया क्षमा दान

वाशिंगटन, एजेंसी। अगले महीने राष्ट्रपति पद छोड़ने से पहले राष्ट्रपति जो बाइडन ने अहिंसक अपराधों के दोषी 39 अमेरिकियों को माफी दी है। इसके साथ ही कोरोना महामारी के दौरान जेल से रिहा हुए और घरेलू कारावास में रखे गए करीब 1,500 लोगों की सजा कम की है। बाइडन ने जिन लोगों को क्षमादान दिया है उनमें चार भारतीय अमेरिकी भी शामिल हैं। इनके नाम मीरा सचदेवा, बाबूभाई पटेल, कृष्णा मोटे और विक्रम दत्ता हैं। गुरुवार को घोषित सजा में छूट उन लोगों के लिए है, जिन्होंने रिहा होने के बाद कम से कम एक साल तक घरेलू कारावास की सजा काट ली है। बाइडन ने कहा, वह आने वाले हफ्तों में और कदम उठाएंगे और क्षमादान याचिकाओं की समीक्षा जारी रखेंगे। गौरतलब है कि दिसंबर 2012 में, डॉ मीरा सचदेवा को 20 साल की जेल की सजा सुनाई गई थी। इसके साथ ही उनके द्वारा चलाए जा रहे कैंसर केंद्र में धोखाधड़ी के लिए लगभग ₹8.2 मिलियन चुकाने का आदेश दिया गया था। वह अब 63 साल की हैं। धोखाधड़ी के लिए 17 साल की सजा सुनाई गई थी। इसके अलावा 2013 में, 54 वर्षीय कृष्णा मोटे को 280 ग्राम से अधिक क्रैक कोकीन और 500 ग्राम से अधिक कोकीन की तस्करी करने की साजिश रचने का दोषी ठहराए जाने के बाद आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी।

ट्रंप के टैरिफ लगाने के जवाब में कनाडा भी उठा सकता है सख्त कदम, ऊर्जा की सप्लाई रोकने पर विचार

ओटावा, एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बीते महीने कनाडा पर भारी-भरकम टैरिफ लगाने की बात कही थी। अब खबर आई है कि कनाडा की सरकार भी ट्रंप के ऐसे किसी कदम पर सख्त कदम उठा सकती है। दरअसल कनाडा के विभिन्न राज्यों के प्रीमियर्स (सीएम) ने प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को सलाह दी है कि अगर अमेरिका, कनाडा पर टैरिफ लगाने का फैसला करता है तो कनाडा को भी तीखा पलटवार करना चाहिए। कुछ प्रीमियर्स ने कनाडा से अमेरिका को होने वाली ऊर्जा की सप्लाई बंद करने की भी सलाह दी है।

अमेरिका-कनाडा में बढ़ सकता है तनावब कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने बुधवार को देश के विभिन्न राज्यों को प्रीमियर्स के साथ बैठक की। इस बैठक में डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ लगाने के कदम के जवाब पर चर्चा की गई। ट्रंप के कनाडा पर टैरिफ लगाने के बयान के बाद यह दूसरी ऐसी बैठक थी, जिसमें कनाडा द्वारा अमेरिका के खिलाफ उठाए जाने वाले कदमों पर चर्चा की गई। इस बैठक में कनाडा की वित्त मंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड भी थीं। बैठक के दौरान कई प्रीमियर्स ने अमेरिका के खिलाफ सख्त कदम उठाने की ट्रूडो सरकार को सलाह दी।

अमेरिका की ऊर्जा सप्लाई रोकने की सलाह: कनाडा की वित्त मंत्री ने बैठक के बाद बताया कि कुछ राज्यों के प्रीमियर्स ने उन उत्पादों की पहचान करने और उनका निर्यात रोकने की सलाह दी है, जो कनाडा से

अमेरिका को निर्यात किए जाते हैं और जो अमेरिका के लिए अहम हैं। कनाडा द्वारा काफी मात्रा में अमेरिका को तेल, नेचुरल गैस और बिजली की सप्लाई की जाती है। कुछ प्रीमियर्स ने अमेरिका की ये ऊर्जा सप्लाई रोकने की सलाह दी।

उल्लेखनीय है कि डोनाल्ड ट्रंप ने बीते महीने एक बयान में कनाडा और मैक्सिको से आने वाले सामान पर 25 फीसदी तक टैरिफ लगाने की बात कही थी। ट्रंप ने कहा था कि जब तक ये देश अपने सीमा से होने वाली ड्रग्स की सप्लाई और अवैध अप्रवासियों को नहीं रोकते हैं, तब तक वे टैरिफ लगाएंगे। अमेरिका और कनाडा के बीच सालाना व्यापार अरबों डॉलर का है। अमेरिका के ट्रेड रिप्रजेंटेटिव्स के आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका और कनाडा के बीच साल 2022 में 614 अरब डॉलर का व्यापार हुआ था। ऐसे में अगर ट्रंप, कनाडा से आने वाले सामान पर टैरिफ लगाने का फैसला करते हैं और उसके जवाब में कनाडा भी सख्त कदम उठाता हो तो इससे दोनों देशों के रिश्तों में तनातनी पैदा हो सकती है।

भूल से भी इस विशेष दिन न करें ये गलतियां, मां अन्नपूर्णा हो सकती हैं नाराज़

हिन्दू धर्म में अन्नपूर्णा जयंती का अत्यंत महत्व है। मां अन्नपूर्णा को अन्न और धन-धान्य की देवी माना जाता है। मां अन्नपूर्णा माता पार्वती का ही एक स्वरूप है। इस साल मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि के दिन यानी कि 15 दिसंबर को अन्नपूर्णा जयंती मनाई जाएगी। ज्योतिष द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर आज हम आपको अन्नपूर्णा जयंती के दिन किन कामों को करना चाहिए और किन कामों को करने से बचना चाहिए।

अन्नपूर्णा जयंती क्या करें

- अन्नपूर्णा जयंती के दिन प्रातः उठकर रसोई की साफ-सफाई करें और रसोई में गंगाजल छिड़कें।
- चूल्हे या गैस स्टोव की विधि पूर्वक पूजा करें और मां अन्नपूर्णा का ध्यान करें।
- अन्नपूर्णा जयंती के दिन सर्वाधिक महत्व अन्न का ही होता है। ऐसे में जरूरतमंदों में अन्न बांटें।
- मां अन्नपूर्णा को लाल, पीले और सफेद वस्त्र अत्यंत प्रिय हैं। ऐसे में आप भी इन्हीं में से किसी रंग के वस्त्र धारण करें।
- मां अन्नपूर्णा की पूजा प्रातः काल और संध्याकाल दोनों समय में करें। इससे मां की कृपा हमेशा आपके घर पर बनी रहेगी।

अन्नपूर्णा जयंती क्या न करें

- अन्नपूर्णा जयंती के दिन भूल से भी रसोई घर को गंदा न छोड़ें।
- देवी अन्नपूर्णा की पूजा में गलती से भी दूर्वा (श्री गणेश को दूर्वा चढ़ाने के नियम) न चढ़ाएं।
- अन्नपूर्णा जयंती पर नमक वाला भोजन करने से बचें।
- यूं तो हर दिन अन्न की बर्बादी करने से बचना चाहिए लेकिन इस दिन खास अन्न का अपमान करें से बचें।

अन्नपूर्णा जयंती कथा

पौराणिक कथा के अनुसार, जिस दिन माता पार्वती (मां पार्वती के मंत्र) मां अन्नपूर्णा का रूप धर अवतरित हुई थीं उस दिन मार्गशीर्ष पूर्णिमा थी। माना जाता है कि अन्नपूर्णा जयंती के दिन जो भी पूर्ण निष्ठा और भक्ति से माता पार्वती की पूजा-आराधना करता है उसके जीवन में कभी भी अन्न-धन की कमी नहीं रहती। साथ ही, उसका घर हमेशा अन्न के भंडार से भरा रहता है। उस व्यक्ति के घर में कभी कोई भूखा नहीं सोता और न ही उस व्यक्ति के घर से कभी कोई खाली हाथ लौटता है।

कब है अन्नपूर्णा जयंती पूजा का शुभ मुहूर्त और महत्व

हिंदू पंचांग के अनुसार, हर साल मार्गशीर्ष माह की पूर्णिमा तिथि के दिन अन्नपूर्णा जयंती मनाई जाती है। वैदिक पंचांग के अनुसार, मां अन्नपूर्णा की पूजा विशेष रूप से करने का विधान है। इस दिन ऐसी मान्यता है कि जो भक्ति माता अन्नपूर्णा की पूजा करता है। उसके घर का कभी भी अन्न भंडार खत्म नहीं होती है और सुख-समृद्धि में भी वृद्धि होती है।

मार्गशीर्ष मास की पूर्णिमा तिथि पर मां अन्नपूर्णा की पूजा-अर्चना की जाती है और व्रत रखा जाता है। मां अन्नपूर्णा की कृपा से जीवन में सुख-समृद्धि आती है। अब ऐसे में इस साल मां अन्नपूर्णा जयंती कब है और इस दिन पूजा का शुभ मुहूर्त क्या है और मां अन्नपूर्णा की पूजा का महत्व क्या है।

अन्नपूर्णा जयंती कब है?

वैदिक पंचांग के अनुसार, इस साल मार्गशीर्ष माह में पड़ने वाली पूर्णिमा तिथि का आरंभ 14 दिसंबर को शाम 04 बजकर 58 मिनट से हो रहा है और इसका समापन अगले दिन 15 दिसंबर को दोपहर 02 बजकर 31 मिनट पर होगा। ऐसे में उदयातिथि के आधार पर 15 दिसंबर 2024 को अन्नपूर्णा जयंती का व्रत रखा जाएगा।

पूजा का महत्व

मार्गशीर्ष पूर्णिमा के पावन पर्व पर हम अन्नपूर्णा जयंती मनाते हैं। इस दिन हम अन्न और धन की देवी, मां अन्नपूर्णा की पूजा-अर्चना करते हैं। उनकी कृपा पाने के लिए हम व्रत रखते हैं और विधि-विधान से पूजा करते हैं। मान्यता है कि मां अन्नपूर्णा की कृपा से घर में हमेशा अन्न और धन की भरमार रहती है। इस दिन हम मां से अपनी सभी मनोकामनाएं पूरी करने की प्रार्थना करते हैं।

पूजा का शुभ मुहूर्त

अन्नपूर्णा जयंती के दिन माता की पूजा शुभ मुहूर्त के हिसाब से ही करें। इससे व्यक्ति को उत्तम परिणाम मिल सकते हैं और जीवन में कभी भी परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ता है। माता अन्नपूर्णा की पूजा अभिजीत मुहूर्त में दोपहर में 12 बजे से लेकर 12.43 बजे तक है। माता अन्नपूर्णा की पूजा अमृत काल में शाम में 06.05 से लेकर 07.35 मिनट तक है। माता अन्नपूर्णा की पूजा ब्रह्म मुहूर्त में प्रातः काल 05 बजकर 29 मिनट से लेकर सुबह 06 बजकर 17 मिनट तक है।

अन्नपूर्णा जयंती के दिन बनाते हैं मिट्टी के बर्तन में खाना?

हिंदू धर्म में मां अन्नपूर्णा की पूजा करने से व्यक्ति को कभी भी आर्थिक परेशानियों का सामना नहीं पड़ता है। इस दिन मिट्टी के बर्तन में खाना बनाने का महत्व क्या है। इसके बारे में विस्तार से जानते हैं।

सनातन धर्म में अन्नपूर्णा जयंती का दिन सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन माता पार्वती के स्वरूप मां अन्नपूर्णा की पूजा की जाती है। ऐसा कहा जाता है कि अगर किसी व्यक्ति का आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है, तो उसे अन्नपूर्णा जयंती के दिन मां की पूजा जरूर करनी चाहिए। ऐसा करने से व्यक्ति के दरिद्रता से छुटकारा मिल सकता है और मनोवांछित फलों की भी प्राप्ति हो सकती है। इसके अलावा घर का अन्न भंडार हमेशा भरा रहता है। आपको बता दें, अन्नपूर्णा जयंती के दिन मिट्टी के बर्तन में भोग लगाने का विशेष महत्व है।

मिट्टी के बर्तन में खाना बनाने का महत्व

सनातन धर्म में किसी भी धार्मिक अनुष्ठान या पूजा-पाठ में मिट्टी के बर्तन में ही खाना बनाने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। इतना ही नहीं देवी-देवताओं को भी मिट्टी के बर्तन में ही भोग लगाया जाता है। ज्योतिष शास्त्र में मिट्टी के बर्तन को शुभता और बुध के साथ-साथ चंद्रमा का भी कारक माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि अगर मिट्टी के बर्तन में खाना बनाकर मां अन्नपूर्णा को भोग लगाया, तो माता इससे बेहद प्रसन्न होती है और अपने भक्तों पर कृपा बरसाती है। अन्नपूर्णा जयंती के दिन किसी भी प्रकार का शुद्ध और शाकाहारी भोजन बनाकर मां अन्नपूर्णा को विशेष रूप से भोग लगाएं। ऐसा करने से घर का अन्न भंडार कभी खाली नहीं रहता है और व्यक्ति को उत्तम परिणाम भी मिलते हैं। इसके अलावा अगर आप मां अन्नपूर्णा की पूजा कर रहे हैं, तो माता पार्वती की पूजा भी विधिवत रूप से करें। इससे व्यक्ति को सौभाग्य में वृद्धि हो सकती है और व्यक्ति के धन-धान्य में भी वृद्धि होती है। मिट्टी के बर्तन में भोग सबसे पवित्र माना जाता है। इससे भोग की शुद्धता बनी रहती है। साथ ही मां अन्नपूर्णा अन्न की देवी है। इन्हें हमेशा मिट्टी के पात्र में ही भोग लगाना चाहिए। इससे व्यक्ति को रोगदोष से छुटकारा मिल सकता है और घर में कभी भी अन्न की कमी नहीं होती है।

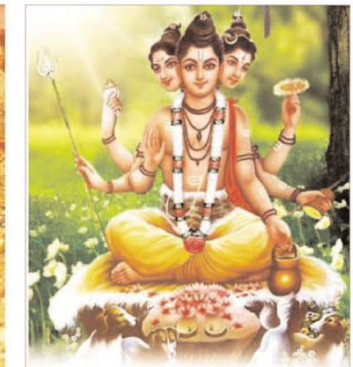

दत्तात्रेय जयंती के दिन सौभाग्य प्राप्ति के लिए क्या करना चाहिए और क्या करने से बचना चाहिए?

सनातन धर्म में भगवान दत्तात्रेय को त्रिदेव यानी कि ब्रह्मा, विष्णु और महेश का अंश माना जाता है। भगवान दत्तात्रेय की पूजा मार्गशीर्ष माह की पूर्णिमा तिथि के दिन होती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इसी माह की पूर्णिमा के दिन दत्तात्रेय भगवान अवतरित हुए थे। दत्तात्रेय भगवान गुरु का भी स्वरूप माने जाते है। इसलिए इन्हें श्रीगुरुदेवदत्त के नाम से भी जाना जाता है। वैदिक पंचांग के अनुसार, इस साल मार्गशीर्ष माह की पूर्णिमा तिथि 14 दिसंबर को शाम 04 बजकर 58 मिनट से आरंभ हो रहा है और इसका समापन 15 दिसंबर को दोपहर 02 बजकर 31 मिनट पर होगा। इसलिए उदया तिथि के आधार पर इस साल 14 दिसंबर को दत्तात्रेय जयंती मनाई जाएगी। आपको बता दें, भगवान दत्तात्रेय का संबंध गाय और कुत्ते से बताया गया है। अब ऐसे में दत्तात्रेय जयंती के दिन क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए। इसके बारे में ज्योतिषाचार्य पंडित अरविंद त्रिपाठी से विस्तार से जानते हैं।

दत्तात्रेय जयंती के दिन क्या करना चाहिए?

- दत्तात्रेय जयंती के दिन त्रिदेव की पूजा विशेष रूप से करेंग
- इस दिन भगवान दत्तात्रेय की प्रतिमा को स्थापित करें और गंगाजल से स्नान कराएं।
- इस दिन फूल, फल और नेवैद्य आदि चढ़ाएं।
- दत्तात्रेय जयंती के दिन गीता का पाठ जरूर करना चाहिए।
- इस दिन दान-पुण्य करने का विधान है। इसलिए दान जरूर करें।
- दत्तात्रेय जयंती के दिन भगवान दत्तात्रेय को लड्डू का भोग लगाएं।

दत्तात्रेय जयंती के दिन क्या नहीं करना चाहिए?

- दत्तात्रेय जयंती के दिन मांस-मदिरा का सेवन नहीं करना चाहिए।
- इस दिन किसी भी व्यक्ति को अपशब्द नहीं बोलना चाहिए।
- दत्तात्रेय जयंती के दिन झूठ बोलने से बचना चाहिए।
- इस दिन किसी को अपने घर से खाली हाथ न जाने दें।
- दत्तात्रेय जयंती के दिन किसी भी व्यक्ति का अनादर नहीं करना चाहिए।

दत्तात्रेय जयंती का महत्व क्या है?

दत्तात्रेय जयंती पर भगवान दत्तात्रेय की पूजा करने से ब्रह्मा, विष्णु और महेश का आशीर्वाद प्राप्त होता है। दत्तात्रेय जयंती पर भगवान दत्तात्रेय की पूजा करने से ब्रह्मा, विष्णु और महेश का आशीर्वाद प्राप्त होता है। दत्तात्रेय जयंती पर गंगा स्नान करने और दान-पुण्य करने से सभी पाप नष्ट हो जाते है। दत्तात्रेय जयंती पर पूजा करने से जीवन में सुख-समृद्धि आती है। भगवान दत्तात्रेय की कृपा से सभी कष्टों से मुक्ति मिलती है।

दत्तात्रेय जयंती के दिन किन मंत्रों का जाप करें?

दत्तात्रेय जयंती के दिन त्रिदेवों की पूजा करने के दौरान मंत्रों का जाप विशेष रूप से करना चाहिए। इससे मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है।

ऊं द्रां दत्तात्रेयाय नमः

दिगंबरा-दिगंबरा श्रीपाद वल्लभ दिगंबरा-

ऊं ह्रीं विद्युत जिव्हाय माणिक्यरुपिणे स्वाहा-

ऊं दिगंबराय विद्महे योगीश्रराय् धीमही तन्नो दतः प्रचोदयात-

ऊं विध्याधिनायकाय द्रां दत्तारे स्वाहा-

मां लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए मार्गशीर्ष पूर्णिमा पर क्या उपाय करें?

मार्गशीर्ष पूर्णिमा इस साल 15 दिसंबर, दिन रविवार को पड़ रही है। मान्यता है कि मार्गशीर्ष पूर्णिमा के दिन मां लक्ष्मी की पूजा करने से धन-धान्य में वृद्धि होती है और मां लक्ष्मी का घर में वास बना रहता है।

मार्गशीर्ष पूर्णिमा इस साल 15 दिसंबर, दिन रविवार को पड़ रही है। इस दिन मां लक्ष्मी की पूजा का विधान है। मान्यता है कि मार्गशीर्ष पूर्णिमा के दिन मां लक्ष्मी की पूजा करने से धन-धान्य में वृद्धि होती है और मां लक्ष्मी का घर में वास बना रहता है। ज्योतिषाचार्य ने बताया कि मार्गशीर्ष पूर्णिमा के दिन लक्ष्मी पूजन के साथ ही कुछ उपाय भी अवश्य करने चाहिए क्योंकि इस दिन किये गए उपाय फलित हो सकते हैं। ऐसे में आइये जानते हैं इस दिन किये जाने वाले उपायों के बारे में विस्तार से।

मार्गशीर्ष पूर्णिमा के उपाय

- मार्गशीर्ष पूर्णिमा के दिन पीपल के पेड़ की पूजा करें क्योंकि ऐसा माना जाता है कि पूर्णिमा तिथि पर पीपल के पेड़ से सारे देवी-देवता अपना स्थान छोड़ देते हैं और सिर्फ मां लक्ष्मी पूर्णिमा के दिन पीपल में निवास करती हैं। पीपल के पेड़ की पूजा के साथ ही उसमें दूध भी चढ़ाएं। इससे धन बाधित करने वाले दोष दूर होंगे।
- मार्गशीर्ष पूर्णिमा के दिन चंद्रमा को अर्घ्य देते समय जल में दूध और अक्षत भी मिलाएं। इस बात का ध्यान रखें कि जल को जमीन पर न गिरने दें बल्कि निचे कोई पात्र रख कर फिर अर्घ्य दें और फिर पात्र में इकट्ठा हुए जल को बरगद के पेड़ की जड़ में डाल आएं। इससे मानसिक तानव और बीमारियों से निजात मिल सकती है।
- मार्गशीर्ष पूर्णिमा के दिन घर के मुख्य द्वार पर हल्दी से स्वास्तिक बनाएं और उसके बीचों बीच लाल चंदन से टीका लगाएं। इससे घर में मौजूद नकारात्मक ऊर्जा दूर होगी और सकारात्मकता का संचार बढ़ेगा। इसके अलावा, घर की पूर्व दिशा में रखे तुलसी के गमले की मिट्टी में एक रुपए का सिक्का दबा दें। इससे तंगी दूर होगी।
- अगर आप वैवाहिक जीवन के क्लेश से परेशान हैं तो मार्गशीर्ष पूर्णिमा के दिन लाल कपड़े में हल्दी की गांठ और सुपारी रखकर उसे मंदिर में रख दें। फिर अगले माह की जो भी पूर्णिमा पड़े उस दिन उस कपड़े, हल्दी की गांठ और सुपारी को बहते जल में प्रवाहित कर दें। इस उपाय से दांपत्य जीवन का दुख दूर हो जाएगा।